



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27]  
No. 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 6, 1991/आषाढ़ 15, 1913  
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 6, 1991/ASADHA 15, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संग्रह के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय  
(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 मई, 1991

सूचनाएं

का आ. 1845—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नरेंद्र सिंह ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे भरमपुर व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आप्रोप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(60)/91-न्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 30th May, 1991

NOTICES

S.O. 1845.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Narendra Singh for appointment as a Notary to practise in Bharatpur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(60)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 31 मई, 1991

का आ. 1846—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री दुर्गा सिंह बोहरा ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बीकानेर व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आप्रोप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5/65/91-न्या.]

New Delhi, the 31st May, 1991

S.O. 1846.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules by Shri Durga Singh Bohra for appointment as a Notary to practise in Bikaner.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(65)/91-Judl.]

का. आ. 1847.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शिशुपाल महलावत ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सीकर व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(61)/91-न्या.]

S.O. 1847.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Shishupal Mahlavat for appointment as a Notary to practise in Sikar District, Rajasthan.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(61)/91-Judl.]

का. आ. 1848.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अम्बालाल भावसार ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे उदयपुर व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(66)/91-न्या.]

S.O. 1848.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ambalal Bhavsar for appointment as a Notary to practise in Udaipur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(66)/91-Judl.]

का. आ. 1849.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अमर कुमार जाट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे उदयपुर व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5/63/91-न्या.]

S.O. 1849.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Amar Chand Jat for appointment as a Notary to practise in Udaipur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(63)/91-Judl.]

का. आ. 1850.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राम स्वरूप गुप्ता ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नीमकाथाना व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(62)/91-न्या.]

S.O. 1850.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ram Swarup Gupta for appointment as a Notary to practise in Nimkathana.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(62)/91-Judl.]

का. आ. 1851.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री तारचन्द सिधवी ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सोजत व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5/64/91-न्या.]

S.O. 1851.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules by Shri Tarachand Singhvi for appointment as a Notary to practise in Sojat.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(64)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 7 जून, 1991

का. आ. 1852.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि एन. एस. कालरा ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे न्यू दिल्ली व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(67)/91-न्या.]

New Delhi, the 7th June, 1991

S.O. 1852.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri N. S. Kalra for appointment as a Notary to practise in New Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(67)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 12 जून, 1991

का. आ. 1853.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री धर्म सिंह पंजेता ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जगाधरी व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(68)/91-न्या.]

New Delhi, the 12th June, 1991

S.O. 1853.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Dharam Singh Pangeta for appointment as a Notary to practice in Jagadhri.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(68)/91-Judl.]

का. आ. 1854.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अ. वी. राधा कृष्ण मूर्ति ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे विजयवाड़ा व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का अपेक्षित इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[स. 5/(22)/91-न्या.]

पी. सी. कृष्णन, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 1854.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri A. V. Radha Krishna Murthy for appointment as a Notary to practise in Vijayawada.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(22)/91-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जून, 1991

का. आ. 1855.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सम्मति से जो आन्ध्र सरकार, गृह (एस. सी.-ए) विभाग जी. ओ. आर. टी. सं. 2267 तारीख 17 अगस्त, 1990 द्वारा दी गई है दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार निम्नलिखित अपराधों के अन्वेषण के लिए जो केन्द्रीय सरकार उपक्रमों के कर्मचारियों और प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा किए गए अभिकथित हैं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 तथा भारतीय दण्डसंहिता की विभिन्न धाराओं के अधीन दण्डनीय हैं और जिन्हें केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद द्वारा रजिस्टर्ड किया जाना है, संपूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है:—

एस. आई. आर. स. और अभियुक्त का नाम तारीख

एस. आई. आर. स. ० 1. श्री हर गोपाल, ज्येष्ठ प्रबन्धक पंजाब 1190 हैदराबाद तारीख नेशनल बैंक, पूर्व में संतनगर शाखा में और 29-1-90, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 अब हैदराबाद शाखा (ओ. जी. यू.) में की धारा 5 (1) (घ) के नेशनल बैंक, संतनगर शाखा, हैदराबाद साठ पठित भारतीय दंड (ओ. जी. यू.) संहिता की धारा 120ब, 3. श्री जी. एस. मुस्तफा, एम. जे. मैसर्स 420 के अधीन। पाली पैक प्राइवेट लि. (प्राइवेट व्यक्ति)

[संख्या 228/30/91-ए. वी. डी-II]

# MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

## ORDER

New Delhi, the 18th June, 1991

S.O. 1855.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh vide Govt. of Andhra Pradesh, Home(SC.A) Department G.O. Rt. No. 2267 dated 17-8-90 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offence punishable under Prevention of Corruption Act, 1947 and various sections of Indian Penal Code alleged to have been committed by the employees of the Central Government Undertakings and private persons in the following cases which is to be registered by the Central Bureau of Investigation, Hyderabad:

SIR No. and Date	Name of the Accused
S.I.R. No. 1/90-Hyd. dated 29-1-90 under section 120-B IPC. 420 IPC 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1947.	1. Sri Haragopal, Sr. Manager, Punjab National Bank, formerly at Sanathnagar Branch now in Hyderabad Branch (CGU). 2. Sri C.C. Subba Rao, Manager, Punjab National Bank, Sanathnagar Branch, Hyderabad (CGU). 3. Sri G.S. Mustafa, M.D. M/s Poly Pack Pvt. Ltd., (Private person).

[No. 228/30/91-AVD.II]

आदेश

का. आ. 1856.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सम्मति से [देखिए गृह (एम. सी. ए.) विभाग जी. ओ. आर. टी. सं. 2198 तारीख 9-8-90] दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार नीचे वर्णित अपराधों और मामलों के अन्वेषण के लिए संपूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है:—

आर. सी. स. और विधि अभियुक्त का नाम की धाराएँ

1. आर. सी. 6 (ए)/81 श्री डी. सूर्यनारायण, बैंक आफ इंडिया अका-  
वी. एस. पी., तारीख पल्ली शाखा का पूर्व प्रबंधक (केन्द्रीय सरकार  
30-5-81 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 1. श्री वी. वी. के. रणधीर, श्रेणी 3 अवि-  
(1947 का अधिनियम 2) कारी, आंध्र बैंक विजयवाड़ा (केन्द्रीय सरकार  
की धारा 5 (1) (घ) के उपक्रम)  
साथ पठित भारतीय दंड 2. श्री विष्णु मूर्ति, विजयवाड़ा (प्राइवेट)  
संहिता की धारा 465, 3. श्री ए. शंकरराव, विजयवाड़ा (प्राइवेट)  
201 के अधीन।  
2. आर. सी. सं. 22  
(ए)/82 वीएसपी, तारीख  
19-9-82, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947

1	2
(1947 का 3) (2) की धारा 5 (1) (घ) के साथ पठित भारतीय दंड संहिता की धारा 120ख, 420 के अधीन।	

[संख्या 228/30/91 - ए. बी. डी-II]

## ORDER

S.O. 1856 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Home (SC-A) Department G.O. Rt. No. 2198 dated 9-8-1990, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences and the cases mentioned below :

R.C. No. & Sections of Law	Name of the accused
1. R.C. 6(A)/81—VSP, dated 30-5-81 under section 465, 201 Indian Penal Code 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act (Act II of 1947).	Shri D. Suryanarayana, formerly Manager, BOI, (Anakapalli Branch Employees of Central Govt. Undertaking). 1. Shri V.V.K. Ranadhir,
2. R.C. No. 22(A)/82—VSP, dated 19-9-82 under section 120-B, 420 Indian Penal Code 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act.	Gr. III Officer, Andhra Bank, Vijayawada (Central Govt. Undertaking). 2. Shri Vishnu Murthy, Vijayawada (Private). 3. Sri A. Sankara Rao, Vijayawada (Private).

[No. 228/30/91-AVD-II]

## आदेश

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का. प्रा. 1857—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आंध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (आंध्र प्रदेश सरकार के आदेश गृह एस. सी. (ए) विभाग जी. ओ. आर. टी. सं. 33 तारीख 3-1-91 द्वारा) दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सभी सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, छप्ताचार निवारण अधिनियम, 1947 और छप्ताचार निवारण अधिनियम, 1988 की सुसंगत धाराओं और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के अधीन दंडनीय ऐसे अपराधों के अन्वेषण के लिए संपूर्ण आंध्र प्रदेश राज्य पर करती है, जिनके बारे में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद का अभिज्ञान है कि ये, निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों के कर्मचारियों और प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं :

एस. आई. आर. स. अभियुक्तों की संख्या  
और विधि की धाराएं

छप्ताचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 1. श्री बी. एस. प्रकाश राव, उप. सी. ई. (तकनीकी सैन) हिन्दुस्तान स्टीन वर्क्स

1	2
13 (1) (घ) के साथ पठित धारा 120-ख के अधीन एस. आई. आर. सं. 31/90 बी. एस. पी. तारीख 19-10-1990	कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड विशाखापटनम (केन्द्रीय सरकार के उपक्रम का कर्मचारी) 2 श्री जी. वेंकटेश्वर राव, उप. सी. ई. (निर्माण) हिन्दुस्तान स्टीन वर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड विशाखापटनम (केन्द्रीय सरकार के उपक्रम का कर्मचारी)।

3. सैन्य पापाला ब्रदर्स, जी. स. 3-5-54,  
नरसिंह रावपेट, अनाकपल्ली, विजाग जिला

[संख्या 228/30/91 - ए. बी. डी - II]

## ORDER

New Delhi, the 19 June, 1991

S.O. 1857 :—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Order of Government of Andhra Pradesh Home SC(A) Deptt. G.O. Rt. No. 33 dated 3-1-1991) hereby extends the powers [and jurisdiction] of all the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under relevant sections of Prevention of Corruption Act, 1947 and Prevention of Corruption Act, 1988 and various sections of Indian Penal Code alleged to have been committed by the Employees of Central Government Undertakings and the private persons in the following case by Central Bureau of Investigation Hyderabad :—

SIR No. & Secns. of Law	No. of accused.
SIR No. 31/90—VSP dated 19-10-90 under section 120-B read with Section 13(1) (d) Prevention of Corruption Act, 1988.	1. Shri B.S. Prakasa Rao, Dy. C. E. (Tech. Cell), Hindustan Steel Works Construction Ltd. Visakhapatnam (Central Govt. Undertaking Employee). 2. Sri G. Venkatesara Rao, Dy. C. E. (Construction) Hindustan Steel Works Construction Ltd. Visakhapatnam. (Central Govt. Undertaking employee). 3. M/s. Pappala Brothers, D. No. 3-5-54, Narasinga-ropet, Anakapalle, Vizag dt.

[No. 228/30/91—AVD. II]

## आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1991

का. प्रा. 1858—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आंध्र प्रदेश राज्य की सहमति से (आंध्र प्रदेश सरकार के आदेश

गृह एस सी (ए) विभाग जी. ओ. आर. सी. 3203 तारीख 7-12-1990 द्वारा) दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सभी सदस्यों की शक्तियाँ और अधिकारिता का विस्तार भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के अर्थात् बंडनीय ऐसे अपराधों के अन्वेषण के लिए सम्पूर्ण आंध्र प्रदेश राज्य पर करती है, जिनके बारे में अधिकतम है कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो हैदराबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत निम्नलिखित मामलों में प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं:

सी. नं. और बिच की शक्तियों के नाम धाराएं

भारतीय दण्ड संहिता, सर्वश्री 1860 की धारा 420, 1. पी. रामचन्द्र रेड्डी अध्यक्ष मैसर्स साउथ 408, 488 और 471 के इंडियन बिजनेस अपलिफ्टमेंट सोसाइटी, कुड्डापाह अधीन सारवान अपराधों और 2. डा. एम. एन. राजा रेड्डी, अध्यक्ष, धारा 420, 408, 468 के अपारम्परिक ऊर्जा और ग्रामीण विकास साथ पठित धारा 120-ख के सोसाइटी, पल्लवी नर्सिंग होम, शांतापेट अधीन मामला नं. 290/89 चित्तूर।

एच तारीख 8-12-89 3 श्रीमती एम. आर. सुशीला, अध्यक्ष, ग्रामीण ऊर्जा और विकास सोसाइटी विन-सर्डी (बी) चित्तूर।

4. पी. बी. साई प्रसाद, अध्यक्ष मैसर्स कुड्डापाह ऊर्जा विकास सोसाइटी, कोन्नापरेटिव कालोनी, कुड्डापाह।

5 के. बाबुन रेड्डी, अध्यक्ष, मैसर्स तेलुगु ग्रामीण विकास सोसाइटी, कानी पक्का (बी) चित्तूर।

6. एम. श्रीधर रेड्डी, अध्यक्ष, मैसर्स श्री वेकटेश्वर शक्तिवान संगम, येरागिनेनीपल्ली कुड्डापाह।

7 एम. आनंद रेड्डी, अध्यक्ष, गंगा बालेंटरी ग्रामोन्नयन नगरपालिका (बी), कुड्डापाह।

8 के. राजेश्वर रेड्डी, अध्यक्ष, मैसर्स साह नेशा समिति, एन एस आर टो सो, चित्तूर।

[नं. 228/30/91 - ए बी डी - II]]

## ORDER

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1858. :- In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh (vide Order of Government of Andhra Pradesh Home SC(A) Department G. O. Rt No. 3203 dated 7-12-1990) hereby extends the powers and jurisdiction of all the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under various sections of Indian Penal Code, 1860 alleged to have been committed by the private persons in the following case registered by the Central Bureau of Investigation, Hyderabad :-

C. No. & Sections of Law	Name of the accused
C. No. 290/89 -H, dated 8-12-89 under section 120-B read with 420, 408, 468	S/Shri I. P. Ramachandra Reddy, President, M/s The

1  
& substantive offences under section 420, 408, 468 and 471 of Indian Penal Code 1860.

2  
South of Indian Village Upliftment Society, Cuddapah.

2 Dr. M. N. Raja Reddy, President, Non-Conventional Energy & Rural Development Society, Pallavi Nursing Home Santhapur, Chittoor.

3 Smt. M. R. Susheela, President Rural Energy Sources Development Society, Vivalgudi (V), Chittoor.

4. P. V. Sai Prasad, President M/s Cuddapah Energy Development Society, Co-op. Colony, Cuddapah.

5. K. Bimal Reddy, President, Ms Telugu Gramana Development Society, Kanipakka (V), Chittoor.

6. M. Sridhar Reddy, President, M/s Sri Venkatesawara Shakthivan Sangham, Yerramini-pally, Cuddapah.

7. M. Anand Reddy, President Ganga Voluntary Organisation Nagasani-palli (V) Cuddapah.

8. K. Rajasekhara Reddy, President, M/s Sayee Sewa Samithi, APSRTC, Chittoor.

[No. 228/30/91-AVD III]

## आदेश

का, आ 1859 -केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आदेश सं. जी ओ आर टी नं. 1219, तारीख 11-5-1990 के क्रम में जारी किए गए अपने आदेश गृह एस सी (ए) विभाग नं. जी ओ आर टी नं. 197, तारीख 28-1-1991 के द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार भारतीय दण्ड संहिता की धारा 120-ख, 420, 487, 477 और अपराध निवारण अधिनियम, 1988 के सुसंगत उपबंधों के तत्समान अपराध निवारण अधिनियम, 1947 की धारा 5 (1) (घ) के साथ पठित धारा 5 (2) के अंतर्गत बंडनीय ऐसे अपराधों के जिनके बारे में यह अधिकतम है कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशाखा-पटनम द्वारा रजिस्ट्रीकृत मामला आर सी नं. 10 (क)/38-विभाग, तारीख 31-5-1988 में निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा भी किए गए हैं, अन्वेषण के लिए सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है, अर्थात् :-

1. अदारी सुब्बा राव पुत्र डॉ. नागू नेट्ट, गन्तापायी
2. भैमनी सोमाराजू पुत्र अण्णा, गन्तापायी
3. मोघाती बालात्तामास्वामी पुत्र सोमी नायडू, गन्तापायी

4. कारी अपालानायडु पुत्र अपालानायडु, गनापार्थी
5. गयनीरेड्डी कोटीपानी पुत्र सोमीनायडु, गनापार्थी
6. चोदाराम मल्लया पुत्र चिन्ताया, गनापार्थी
7. कारी अप्पाराव पुत्र परसुरामुडु, गनापार्थी
8. अशारी टाटाराव पुत्र कोनड्या, गनापार्थी
9. चांदिराम रमना पुत्र नुकाना, गनापार्थी
10. कोरीबिल्ली सोमीनायडु पुत्र सोमीनायडु, गनापार्थी
11. येलपु मोहालक्ष्मी नायडु पुत्र येरा अप्पाराव, गनापार्थी
12. कान्देमुल्ला पेरी नायडु पुत्र अप्पना, गनापार्थी
13. चान्दराम सत्यनारायण पुत्र अपाला नायडु, गनापार्थी
14. कान्देमुल्ला सत्यनारायण अपुत्र प्पना, गनापार्थी
15. कान्देमुल्ला सत्यनारायण पुत्र बेनियाबाई, गनापार्थी
16. कारी आदीवंटा कन्ता राव पुत्र चिन्ताबाई, गनापार्थी
17. बोडाडा जग्गा अप्पाराव पुत्र गगाना, गनापार्थी
18. कारी रामन बाबु पुत्र वेकटा रेड्डी, गनापार्थी
19. येलपु आदिनारायण पुत्र अपालानायडु, गनापार्थी
20. माला जग्गाता पुत्र चोलाया गनापार्थी
21. मुरीसेट्टी तुक्काराजु पुत्र पेंटाया, गनापार्थी
22. माता सन्यासी राव पुत्र बंगाराया, गनापार्थी
23. पी. अप्पा राव पुत्र प्रच्छिदा, अकापाली
24. दादी वेकटाराय पुत्र सन्यासी नायडु, अकापाली
25. के. ब्रह्मानन्दम पुत्र विश्वनाथ राव, अकापाली

[स. 228/30/91 - ए बी डी - 11]

## ORDER

S.O. 1859.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh vide its Order Home SC(A) Department G.O. Rt. No. 197 dated 28-1-1991 issued in continuation of Order G.O Rt. No. 1211 dated 11-5-1990 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of offences punishable under sections 12-B, 420, 467, 477-A Indian Penal Code and 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1947 corresponding to the relevant provision of Prevention of Corruption Act 1988 alleged to have been committed by the following persons also in the case RC No. 10(A)/88-VSP dated 31-5-1988 registered by Central Bureau of Investigation Visakhapatnam :—

S/Shri

1. Adari Subba Rao son of T.Nagu Naidu, Ganaparthi.
2. Bheanuni Somaraju son of Appanna, Ganaparthi
3. Modhati Balaramsastry son of Somi Naidu, Ganaparthi
4. Karri Appalanaidu son of Appala Naidu, Ganaparthi
5. Gattireddi Kotipalli son of Sominaidu, Ganaparthi
6. Chodaram Malluyya son of Chinnayya Ganaparthi
7. Karri Apparao son of Parasuramudu, Ganaparthi
8. Adari Tatarao son of Kondayya, Ganaparthi

9. Chandaram Ramana son of Nukanna, Ganaparthi
10. Koribilli Sominaidu son of Sominaidu, Ganaparthi
11. Yellapu Mohalaximi Naidu son of Yerra apparao Ganaparthi
12. Kandregula Peri Naidu son of Appanna, Ganaparthi
13. Chandaram Satyanarayana son of Appala Naidu, Ganaparthi
14. Kandregula Satyanarayana son of Appanna, Ganaparthi
15. Kandregula Satyanarayana son of Belliabai Ganaparthi
16. Karri Adipenta Kanna Rao son of Chinnabai, Ganaparthi
17. Boddada Jagga Apparao son of Ganganna, Ganaparthi
18. Karri Ramana Babu son of Venkata Reddy, Ganaparthi
19. Yellapu Adinarayana son of Appalanaidu, Ganaparthi
20. Malla Jagganna son of Cholleayya, Ganaparthi
21. Suriseti Nookaraju son of Pentayya, Ganaparthi
22. Mata Sanyasi Rao son of Bangarayya Ganaparthi
23. P. APPA Rao son of Acchiyya, Anakapalli
24. Dadi Venkata Rao Son of Sanyasi Naidu, Anakapalli
25. K. Brahamanandam son of Viswanatha Rao, Anakapalli.

[No. 228/30/91-AVD-II]

## आदेश

का. आ. 1860—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से (आन्ध्र प्रदेश सरकार के आदेश गुप्त एम सी (ए) विभाग जी. ओ. आर. टी. सं. 3202 तारीख 7-12-1990 द्वारा) दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सभी सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार अष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 और अष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के अधीन दंडनीय और ऐसे अपराधों के अन्वेषण के लिए संपूर्ण आंध्र प्रदेश राज्य पर करती है, जिनके बारे में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद का अभिकथन है कि वे, निम्नलिखित मामलों में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों और प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं :—

एन आई आर सं० और विधि अभियुक्त का नाम  
की धाराएं

## सर्वोच्च

अष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 की धारा 5 (1) (ब) के साथ पठित भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 420 5 (2) के अधीन सारवान अपराध और अष्टाचार निवारण

1 के. आर. श्रीनिवास, प्रारंभिक प्रबंधक, केन्द्रीय भांडागार निगम, हैदराबाद  
2. एम. मो. जैसवान कार्यपालक इंजीनियर, कन्स्ट्रक्शन सेग-IV केन्द्रीय भांडागार निगम, हैदराबाद।  
3. विपेन घोष, ज्येष्ठ सहायक प्रबंधक (लेखा) केन्द्रीय भांडागार निगम, हैदराबाद।

अधिनियम की धारा 420 4. शिवशंकर, सहायक इंजिनियर (विद्युत)  
5(2) के साथ पठित केन्द्रीय भंडारण निगम, हैदराबाद।  
धारा 120ख के अधीन एस 5 हरिश कुमार अग्रवाल, मैगर्स हरिश स्टील  
आई आर सं. 19/90 ट्रेडर्स 5-4-1 से 16, इस्टली रोड,  
हैदराबाद नारोख 22-5-90 मिर्कनराबाद जो अब कावरग काम्प्लेक्स  
मिर्कनराबाद में स्थित है का मूलपूर्व स्वत्वधारी।

[सं. 228/30/91 - ए वी डी-III]

## ORDER

S.O. 1860 - In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh [vide Order of Government of Andhra Pradesh Home SC(A) Department G.O. Rt. No. 3202 dated 7-12-1990,] hereby extends powers and jurisdiction of all the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under relevant sections of Prevention of Corruption Act, 1947 and Prevention of Corruption Act, 1988 and various sections of Indian Penal Code, 1860 alleged to have been committed by the employees of Central Government and private persons in the following case by the Central Bureau of Investigation Hyderabad :-

SIR No. &amp; Secs. of Law Name of the accused

SIR No. 18/90-Hyd., dated 22-5-90 under section 120-B read with 5(2) P.C. Act and substantive offences under section 420 Indian Penal Code 1860 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act, 1947.	S/Shri 1. K.R. Srinivasan, Regional Manager, Central Warehousing Corpn., Hyderabad. 2. S. C. Jeswal, Executive Engineer Construction Cell-IV, CWC, Hyderabad. 3. Dipen Ghosh, Sr. Asstt. Manager (Accts), C.W.C. Hyderabad. 4. Shiv Shanker, Asstt. Engineer (Elect.) C.W.C. Hyderabad. 5. Harish Kumar Aggarwal formerly Prop. of M/s. Harish Steel Traders 5-4-1 to 16, Distillery Road, Secunderabad now at Kabra Complex, Secunderabad.
---	--

[No. 228/30/91-AVD-III]

## आदेश

का.आ. 1861 :- केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन, अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से [आन्ध्र प्रदेश सरकार के आदेश गृह एस.सी. (ए.) विभाग जी ओ आर.टी.सं. 36 तारीख 4-1-91 द्वारा] दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सभी सदस्यों की शक्तियों

और अधिकारिता का विस्तार, भूटाचार निवारण अधिनियम, 1947 और 1988 की सुसंगत धाराओं और भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के अधीन दंडनीय ऐसे अपराधों के अन्वेषण के लिए संपूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है, जिनके बारे में यह अभिकथन है कि वे, केन्द्रिय अन्वेषण ब्यूरो विभागावलनम द्वारा रजिस्ट्रीकृत मामला आर.सी. 18 (ए)/86-वी.एस.पी. तारीख 25-5-86 में निर्दिष्टित प्राइवेट व्यक्ति द्वारा किए गए हैं :-

श्री यू. कृष्णामूर्ति, मुमुक्षु श्रीरास्वामी,

धरावमी का एकम, कगनाम, पलाकोडेरु, (प्राइवेट व्यक्ति)

[संख्या 228/30/91-ए.वी.डी-III]

## ORDER

S.O. 1861.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh [vide Order of Government of Andhra Pradesh Home SC(A) Department G.O. Rt. No. 36 dated 4-1-1991], hereby extends to the powers and jurisdiction of all the members of the Delhi Special Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under relevant sections of Prevention of Corruption Act, 1947 and 1988 and various sections of Indian Penal Code, 1860 alleged to have been committed by the following private person in the case RC. 18(A)/86-VSP dated 25-8-86 registered by Central Bureau of Investigation Visakhapatnam :-

Shri U. Krishana Murthy,

Son of Veeraswamy, Ex. Karanam of Aravalli, Palakoderu (Private Person)

[No. 228/30/91-AVD-III]

## आदेश

का.आ. 1862 :- केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश सरकार के आदेश गृह एस.सी. (क) विभाग सं. आर.प्रार. टी. 22 तारीख 31-1-91 के द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहायता से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार भूटाचार निवारण अधिनियम, 1947 आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम की संसंगत धाराओं के अधीन और भारतीय दण्ड संहिता का अनेक धाराओं के अधीन दंडनीय निम्नलिखित ऐसे अपराधों के जिनके बारे में यह अभिकथन है कि वे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद और विभागावलनम द्वारा, निम्नलिखित दो एस.आई. आर. में वर्णित केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों और प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा किए गए हैं, अन्वेषण के लिए संपूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है :-

एस.आई.आर. सं. और तारीख सं. और अभियुक्तों के नाम तथा विधि की धाराएं

1 एस.आई.आर. सं. 3/90-हैदराबाद तारीख 9-2-90, भारतीय दण्ड संहिता की धारा 120-ख, 420 और भूटाचार निवारण अधिनियम, 1947 की धारा 5(1) (घ) के साथ पठित धारा 5(2)	1. डा.ए.के. भट्टाचार्य, प्रबंध निदेशक, एस.बी.एस., प्रधान कार्यालय हैदराबाद।
2. एस.आई.आर. सं. 14/90-बी एस.पी., तारीख 25-5-90, धारा 120ख, 420, 468, 471	2. श्री एच.एम. मुखर्जी, प्रबंधक प्रत्यय विभाग, एस.बी.एस. प्रधान कार्यालय, हैदराबाद।
3. डा. दयाकर रेड्डी, एम.डी. में सी.डी.आर. हैल्थ केयर /	
4. श्री नरेन्द्र जालान स्वत्वधारी भारतीय दण्ड संहिता के अधीन	एजेंसी, 43/4 ए.एन.एम. रोड,

1	2
आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम की धारा 5.	वि.सू. नं. 1, कन्नडा । 2. श्री जयलक्ष्मी काटन एण्ड प्रायव इटिया (प्रा.) निमिटेड, चेन्नै-चायना गेट्स । 3. श्री आन्ध्र प्रायव एण्ड फर्टीलाइजर कंपनी, पटमाटा, विजयवाड़ा ।

[संख्या 228/30/91-ए.वी.सी.-II]

## ORDER

S.O. 1862 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Andhra Pradesh vide Order of Government of Andhra Pradesh Home SC(A) Department G.O. Rt. No. 221 dated 31-1-1991 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the following offences punishable under relevant sections of Prevention of Corruption Act, 1947, Imports and Exports (Central) Act and under various sections of Indian Penal Code, alleged to have been committed by the employees of Central Government and private persons mentioned in the following two SIRs by Central Bureau of Investigation Hyderabad and Visakhapatnam.

SIR No. and date of Secns of Law

No. and names of accused	
1. Dr. A. K. Bhattacharya, Managing Director S.B.H. Head Office, Hyderabad.	1. SIR/No. 3/90-Hyd. dated 9-2-90 under section 120-B, 420 Indian Penal Code and 5(2) read with 5(1)(d) of Prevention of Corruption Act 1947.
2. Sri H. S. Mukherjee, Manager, Credit, Department S.B.H., Head Office, Hyd.	
3. Dr. Dayakar Reddy, M.D., M/s. C.D.R., Health Care.	
1. Sri Narendra Jalan, Proprietor, Agency, 43/4A, N. S. Road, Luluah Calcutta.	2. SIR No. 14/90 VSP, dated 25-5-90 under Section 120-B, 420, 468, 471 Indian Penal Code Sec. 5 of Imports and Exports (Central) Act.
2. M/s Jayalakshmi Cotton & Oil India (P) Ltd., Perecherla, Guntur.	
3. M/s Andhra Oil & Fert. Co., Patamata, Vijayawada.	

[No. 228/39/91—AVD. II]

## आदेश

क्र.आ. 1863 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सम्मति से जो आन्ध्र प्रदेश सरकार, गृह (एम.सी.ए.) विभाग जी.ओ. आर.टी. सं. 1286 तारीख 23 मई, 1989 द्वारा की गई है। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन

को सदस्य का शक्तियों और अधिकारों का विस्तार वि.पु. स्था. द्वारा गाथा द्वारा रजिस्टर्ड मानका सं.आ.सो. 31-ए.सो. 167 हैदराबाद आर. सा 3 (ए)/88 हैदराबाद और आर. सा 71(ए)/88 हैदराबाद में अन्तर्गत श्री ए. पुरुषोत्तम, मेडक जिले के बेली मेठा और कोट्टु ग्रामों का ग्राम विधान अधिकारी, श्री टी.एम. कुमार का पूर्व जाला प्रबंधक यूको बैंक, प्रतिष्ठान, श्री बी.एच. नरसिम्हा राव, पूर्व गाथा प्रबंधक, यूको बैंक प्रतिष्ठान और अन्तर्गत भारतीय दंड संहिता की धारा 120-ब 420, 471 और 471-क के अधीन और अप्रत्याशित निवारण अधिनियम 1947 की धारा 5(1)(घ) के साथ पठित धारा 5(2) के प्रयोग, किए गए अतिक्रमण अपराधों और उक्त अपराधों के तंत्र में या उनसे सम्बन्धित प्रयत्नों, षड्यंत्रों और षड्यंत्रों के और उक्त तंत्रों में सम्बन्धित होने वाले ऐसे सत्यप्रहार के अनुक्रम में किए गए अतिक्रमण अपराधों के संबंध में अन्वेषण के लिए संपूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर फैला है ।

[संख्या 228/30/91-ए.वी.सी.-II]

ए.सी. शर्मा, आर.सचिव

## ORDER

S.O. 1863 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh vide Andhra Pradesh Govt. Home (SC-A) Deptt. G.O. Rt. No. 1286 dated 23-5-89 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of offences under section 120-B, 420, 471 and 471-A of the Indian Penal Code, 1860 and under Section 5(2) read with section 5(1)(d) of the Prevention of Corruption Act, 1947 alleged to have been committed by Sri A. Phrushotham, Village Development Officer for Valimala and Kolluru Villages of Medak District, Sri P. S. Kumar, formerly Branch Manager, UCO Bank, Patighanpur, Sri B. H. Narsimha Rao formerly Branch Manager, UCO Bank, Patighanpur and others involved in the cases No. R.C.-33-AC/87-Hyd., R.C.3(A)/88-Hyd. and R.C.7(A)/88-Hyd., registered by SPE Hyderabad branch and of attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/30/91-AVD-II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

## वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य निबंधक आयात-निर्यात का कर्ताव्य)

आदेश

नई दिल्ली, 14 जून, 1991

क्र.आ. 1864 :—श्रीमती अरुणा एम. डार, ए/3 मिन गंगोत्र एल.टी. रोड, बाबई, बोरीवली (उड्यू), बम्बई 400092 को आयात निर्यात नीति के अध्याय-9 के पैरा 135, खण्ड-1 (1990-93) के अन्तर्गत एक बी. एम. डब्ल्यू. 3161 4 डोर आर.एच.डी. के आयात के लिए 2,66,000 रुपये (दो लाख छियासठ हजार रुपये मात्र) के लिए एक सीमाशुल्क निकासी परमिट, पी/जे/3080499 दिनांक 1-11-90 मंजूर किया गया था। यह बताया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराने में पहले ही खो गया है और इस तथ्य सीमाशुल्क निकासी परमिट का विस्तार भी इससे नहीं किया गया है। अतः उन्होंने सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि जारी करने का अनुरोध किया है ।

2. अपने दावे के संदर्भ में आठोंधारी ने समुचित वार्षिक प्राधिकारी के समक्ष विधिवत रूप से एक हकनामा दाखिल किया है। मैं तदनुसार सन्तुष्ट हूँ कि आवेदक से मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट



सं. पी/जे./3080489 दिनांक 1-11-1990 को गया है। अतः समय-समय पर यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की उपधारा 9(ग) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमा शुल्क एम. आर. को जारी किया गया उक्त मूल सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3080489 दिनांक 1-11-1990 एतद्वारा रद्द किया जाता है।

3. पार्टी को सीमा शुल्क निकासी परमिट की एक प्रतिलिपि प्रति भ्रमण से जारी की जा रही है।

[फाइल सं. ए/डी-32/89-90/बीएसएस/437]

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

#### ORDER

New Delhi, the 14th June, 1991

S.O. 1864.—Mrs. Aruna M. Daru, A/3 Ship Sangcet, L.T. Road, Babai, Borivali (W), Bombay-400092, was granted a Customs Clearance Permit bearing No. P/J/3080489 dt. 1-11-1990 for Rs. 2,66,000 (Rupees Two lakh and sixty six thousand only) for import of one BMW 316i 4 door RHD under Chapter IX para 135 of Import & Export Policy, Vol I (1990-93). It has been stated that the original CCP was lost without having been registered with Customs authority and as such the CCP has not been utilised at all. He has therefore requested for issue of a duplicate CCP.

2. In support of his contention, the licensee has filed an affidavit duly sworn before appropriate judicial authority. I am accordingly satisfied that the original CCP No. P/J/3080489 dt. 1-11-1990 has been lost by the applicant. In exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended from time to time, the said original CCP No. P/J/3080489 dt. 1-11-1990 issued to Mrs. Aruna M. Daru is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the Customs Clearance Permit is being issued to the party separately.

[F. No. A/D-32/89-90/BLS/437]

#### आदेश

का.प्रा. 1865:— श्री संजय पांडुरंगराव बोबडे, 101 ए, अश्वत कांडेर रोड, 15 वां बार वण्डा, बम्बई-400052 को आयात-निर्यात नीति, खण्ड-1 (1990-93) के अध्याय-9 पैरा 135 के अंतर्गत एक होंडा कार्मोडो एक्स 1990 माए एच डी 1590 सी सी 5 स्पोर्ट मनुष्यल ट्रांसमिशन, के आयात के लिए 1,98,000/- रुपये (एक लाख अठानबे हजार रुपये मात्र) का एक सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3080489 दिनांक 31-10-1990 प्रदान किया गया था। यह बताया गया है कि मूल सी सी पी सीमा शुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत किए बिना ही खो गई थी और इस प्रकार सी सी पी का बिनाकुल इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसलिए उन्होंने सी सी पी की दूसरी प्रति जारी करने का अनुरोध किया है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में लाइसेंसधारी ने उद्युक्त न्यायिक प्राधिकारी के समक्ष विधिवत शपथ लेकर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं सन्तुष्ट हूँ कि मूल सी सी पी सं. पी/जे/3080489 दिनांक 31-10-1990 आदेशक से खो गयी है। समय-समय पर यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (ग) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमा शुल्क निकासी परमिट को जारी किया गया उक्त मूल सी सी पी सं. पी/जे/3080489, दिनांक 31-10-91 एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

3. पार्टी को सीमा शुल्क निकासी परमिट की दूसरी प्रति भ्रमण से जारी की जा रही है।

[फाइल संख्या ए/डी./3/90-91/बी०एस०एस./436]

जोगिंदर सिंह, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात  
हुते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

#### ORDER

S.O. 1865.—Mr. Sanjay Pandurangrao Bobade, 101A, Amrit Carrier Road, 15th Khar Danda, Bombay-400052, was granted a Customs Clearance Permit bearing No. P/J/3080496 dated 31st October, 1990 for Rs. 1,98,000 (Rupees one lakh and ninety eight thousand only) for import of one Honda Concerto Ex 1990 RHD 1590 cc 5 speed manual transmission under Chapter IX para 135 of Import & Export Policy, Vol. I (1990-93). It has been stated that the original CCP was lost without having been registered with Customs authority and as such the CCP has not been utilised at all. He has, therefore, requested for issue of a duplicate CCP.

2. In support of his contention, the Licensee has filed an affidavit duly sworn before appropriate judicial authority. I am accordingly satisfied that the original CCP No. P/J/3080496 dated 31st October, 1990 has been lost by the applicant. In exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955, dated 7th December, 1955 as amended from time to time, the said original CCP No. P/J/3080496 dated 31st October, 1990 issued to Mr. Sanjay Pandurangrao Bobade is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the Customs Clearance Permit is being issued to the party separately.

[File No. A/B-2/90-91/BLS/438]

JOGINDER SINGH, Dy. Chief Controller of Imps & Exp.  
for Chief Controller of Imports & Exports.

#### आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1991

का.प्रा. 1866:—मैसर्स इंडस इंजीनियरिंग कम्पनी, एस/86, मरोल नाका एन वी रोड, बम्बई-59 की सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अंतर्गत एस.ए. 240, टीपी 304, 5 एम एन से 18 एम एन तक मोटी, 2000 एम एम और इससे अधिक चौड़ाई की 24 इन एच एस प्लेटों के आयात के लिए 12,48,000 रुपये (बारह लाख पैंतालीस हजार रुपये मात्र) के लिए दिनांक 27-12-88 को एक आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2276109 दिया गया था।

2. फर्म ने सीमा शुल्क लाइसेंस की प्रतिलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर अनुरोध किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रति गुम हो गई है। ध्यान यह भी बताया गया है कि यह आयात लाइसेंस किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं किया गया था।

3. अपने दावे के समर्थन में लाइसेंसधारी ने मोटरी पब्लिक बम्बई के समक्ष विधिवत शपथ लेकर रसीदी कागज पर एक शपथनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं सन्तुष्ट हूँ कि फर्म से मूल आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2276109 दिनांक 27-12-88 गुम हो गया है। अतः यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9(ग) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स इंडस इंजीनियरिंग कम्पनी, बम्बई को जारी किया गया मूल आयात लाइसेंस सं. पी/डी/2276109 दिनांक 27-12-88 (केवल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति) एतद्वारा रद्द किया जाता है।

4. पार्टी को आयात लाइसेंस की प्रतिलिपि प्रति भ्रमण से जारी की जा रही है।

[सं. सम्पी/एस 8/408/डीपीटीडी/89/एस एस एस 394]

अनिता घडेजा, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात  
हुते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

#### ORDER

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1866.—M/s. Indus Engineering Co., S/86, Marol Naka M. V. Road, Bombay-59 were granted an import

licence No. P/D/2276109 dt. 27-12-88 for Rs. 12,45,00 (Rupees twelve lakhs and forty five thousand only) for import of 24 tonnes of SS Plates, SA 240, TP 304, 5 MM to 16 mm thick, width 2000 mm and above under GCA.

2. The firm has applied for issue of duplicate Customs copy of licence on the ground that the original Customs copy of said licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the import licence was not registered with any Customs Authority.

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Bombay, I am accordingly satisfied that the original Import Licence No. P/D/2276109 dt. 27-12-88 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause (ccc) of the Import (Control) Order 1955 dt. 7-12-1955 as amended the said original import licence No. P/D/2276109 dt. 27-12-88 (Custom purpose copy only) issued to M/s. Indus Engineering Co., Bombay is hereby cancelled.

4. A duplicate import licence is being issued to the party separately.

[No. Suppl/S-8/408/DGID/89/SLS/394]

ANITA PATHEJA, Dy. Chief Controller  
of Imports & Exports  
For Chief Controller of Imports & Exports

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात व निर्यात का कार्यालय,

(केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)

"निरसन आदेश"

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का.सा. 1867 :—मैसर्स गौरव इन्टरनेशनल, 13/2, डब्ल्यू एच ए, कीर्ति नगर, नई दिल्ली को पोस्टिस्ट, जिप फास्टरस क्लोज्ड एंड्स ब्रांड के के साइज 8"—10800 पी सी एस साइज 12"—6000 पी सी एस, साइज 16"—12000 पीसीएस तथा साइज 22" 24000 पीसीएस (वास्तविक शुद्धता आधार पर) के आयात के लिए 250000 रु. का एक अधिम लाइसेंस सं. पी/एल/3297208 दिनांक 20-12-89 तथा डी डू सी बुक सं. 00800 दिनांक 20-12-89 जारी किए गए थे।

इस फर्म ने अधिम लाइसेंस सं. पी/एल/3297208 दिनांक 20-12-89 तथा डी डू सी बुक सं. 00800 दिनांक 20-12-89 को प्रतियोगिता बिना उपयोग किए अभ्यर्षित कर दी है।

अद्यतन रूप से यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-55 के खण्ड 9 (घ) में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए मैं उक्त अधिम लाइसेंस तथा डी डू सी बुक के निरसन का आदेश देता हूँ।

[का. सं. : स्टार/अधिम/लार्ड./यूडीईए/26/एएम-90/एलएस-2/सीएलए/743]

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports  
(Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDERS

New Delhi, the 19th June, 1991

S.O. 1867.—M/s. Gaurav International, 13/2, WHS, Kirti Nagar, New Delhi-110015 was granted an Advance Licence No. P/W/3297208 dt. 20-12-89 and Deec Book No. 008001 dt. 20-12-89 for Rs. 250000 for import of Polyester zip fasteners closed ends YKK brand size 8"—10800 pcs, size 12"—6000 pcs, size 16"—12000 pcs and size 22"—24000 pcs. (on net to net basis).

The firm has surrendered both copies of Advance Licence No. P/W/3297208 dt. 20-12-89 and Deec Book No. 008001 dt. 20-12-89 unutilised.

In exercise of the powers conferred on me under section 5(d) of the Import (Control) Order 1955, dt. 7-12-55 as amended upto date, I hereby order cancellation of the said both copies of Advance Licence and Deec Book.

[File No. Star/Adv/Lic. UDES/26/AM.90]

ALS. II/CT A. 748]

का.सा. 1868 :—मैसर्स महाजन एंड कंपनी, 2/2, डब्ल्यू एच ए कीर्ति नगर, नई दिल्ली-15 का 3631 कि ग्रा रा मयवेरो सिल्क (जुनियॉन व जतिम्यार) ग्रेड के छूट पर तथा 263 कि.ग्रा. ड्यूटी भुक्तान के आयात के लिए 927545 रु. का एक अधिम लाइसेंस सं. पी/ए/3194965 दिनांक 7-7-88 तथा डी डू सी बुक सं. 002865 दिनांक 7-7-88 जारी किए गए थे।

इस फर्म ने अधिम लाइसेंस सं. पी/ए/3194965 दिनांक 7-7-88 तथा डी डू सी बुक सं. 002865 दिनांक 7-7-88 बिना उपयोग किए अभ्यर्षित कर दिए हैं।

अद्यतन रूप से यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-55 के खण्ड 9 (घ) में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए मैं उक्त अधिम लाइसेंस और डी डू सी बुक के निरसन का आदेश देता हूँ।

[का. सं. अधिम/लार्ड./यूडीईए/52/एएम-88/एलएस-2/सीएलए/752]

S.O. 1868.—M/s. Mahajan and Co., 2/2, W.H.S. Kirti Nagar, New Delhi-110015 was granted an Advance Licence No. P/K/3194965 dt. 7-7-88 and Deec Book No. 002865 dt. 7-7-88 for Rs. 927545 for import of 367 kgs. of Raw Mumbay Silk (other than Dupion) on Duty Free and 263 kgs. on payment of duty.

The firm has surrendered both copies of Advance Licence No. P/K/3194965 dt. 7-7-88 and Deec Book No. 002865 dt. 7-7-88 (PT. I and II) unutilised.

In exercise of the powers conferred on me under section 5(d) of the Import (Control) Order, 1955 dt. 7-12-55 as amended upto date, I hereby order cancellation of the said Both copies of Advance Licence and Deec Book.

[File No. Adv/Lic/UDS/88/52/A.M. LI]

ALS. II/CLA. 752]

का.सा. 1869 :—मैसर्स हीरो होडा मोटर्स लिमि., 34, बसन्तलोक, बसन्त विहार, नई दिल्ली-110057 को 360000 रु. जहाज पर्यन्त मूल्य के निर्यात आधार सहित स्ट्रीप्स एव लीस्ट के अनुसार अधिम मर्चों के आयात के लिए 105281 रु. का एक अधिम लाइसेंस सं. पी/एल/3270265 दिनांक 26-5-89 तथा डी डू सी बुक सं. 006636 दिनांक 26-5-89 जारी किया गया था।

इस फर्म ने अधिम लाइसेंस सं. पी/एल/327026 दिनांक 26-5-89 तथा डी डू सी बुक सं. 006636 दिनांक 26-5-89 बिना उपयोग अभ्यर्षित कर दिए हैं।

अद्यतन रूप से यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-55 के खण्ड 9 (घ) में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए मैं उक्त अधिम लाइसेंस तथा डी डू सी बुक के निरसन का आदेश देता हूँ।

[का. सं. अधिम/लार्ड./यूडीईए/27/एएम-90/एलएस-2/सीएलए/756]

S.O. 1869.—M/s. Hero Honda Motors Ltd., 34, Vasari, New Delhi-110057 was granted an Advance Licence No. P/L/3270265 dt. 26-5-89 and Deec Book No. 006636 dt. 26-5-89 for Rs. 105281 for import of Strips and other items per lot. An FOB value of Export Obligation of Rs. 360000.

The firm has surrendered both copies of Advance Licence No. P/L/3270 dt. 23-01-90 for cif value of Rs. 697200 and Decc Book No. 008032 PT. I and II dt. 23-01-90.

In view of the above, I hereby order cancellation of the amended upto date Advance Licence and Decc Book both copies of Advance Licence and Decc Book.

[File No. Adv/Lic/UEDES/27/AM 90/  
ALS II/CLA /756]

का.आ. 1870—मैसर्स कर्नाटक जिंक प्राइवेट लिमिटेड, 530, दरीबापान, पहाडगंज, नई दिल्ली-55 को 697200/-एडवेंस लाइसेंस बीमा भारा मूल्य का एक अग्रिम लाइसेंस स पी/एल/3297473 दिनांक 23-01-90 तथा गिड सी बक नं. 008032 PT. I and II दिनांक 23-01-90 जारी किया गया है।

इस फर्म ने सूचित किया है कि सीमा शुल्क कर्नाटक मंत्रालय में पंजीकृत होने के बाद उपरोक्त लाइसेंस की प्रतियां निगमन प्रति स्थानगत/गुम हो गई हैं।

इस इकाई ने अपने कथन के समर्थन में प्रमाण पुराना 1990-93 के पैरा 77 के अंतर्गत एक इस्तावेज प्रस्तुत किया है। मैं फर्म के इस कथन कि लाइसेंस की एम्प्लेज निगमन प्रति स्थानगत/गुम हो गई है, से संतुष्ट हूँ।

अद्यतन रूप में अग्रिम लाइसेंस (नियंत्रण आदेश 1955, अनुसूची 7-12-55 के अंतर्गत (1) (घ) में प्रदत्त अधिकारों का अंतर्गत लाइसेंस जारी की विनियमन नियंत्रण प्रति के अंतर्गत जारी किया गया है।

[फाइल नं. आयात/15/एडवेंस/381/एएम-90/एएलएस-2/सीएलए/760]  
एम एम डे, उप मुख्य नियंत्रक आयात व निर्यात

SO 1870—M/s. Karnataka Zinc Pvt. Ltd., 3530, Dariba Pan, Pahar Ganj, New Delhi-55 was issued on Advance Licence No. P/L/3297473 dt. 23-01-90 for cif value of Rs. 697200 and Decc Book No. 008032 PT. I and II dt. 23-01-90.

The mentioned firm has reported that the Exchange Control Copy of Advance Licence has been misplaced/lost untraceable after having been furnished with Madras Customs.

The firm has furnished an affidavit in support of the above statement as required under para 77 of the Hand Book No. 93 and stated that the Original Exchange Control Copy of Advance Licence has been misplaced/lost.

In exercise of the powers conferred on me under clause 1(b) of the Imports, (Control) Order, 1955 dt. 7-12-55 as amended from time to time I hereby order cancellation of the said Exchange Control copy of advance licence.

[F No. Adv/Lic/UEDES/381/AM. 90/  
AIS II/CLA /760]

M M DE, Dy Chief Controller of Imports & Exports

### खाद्य एवं नागरिक पूर्ति संस्थान

(नागरिक प्रति निगम)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 जून 1991

का.आ. 1871—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1980 के विनियम 4 के उपविनियम (3) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एनदंडारा अधिसूचित करता है कि निम्न लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्थगित कर दिए गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	लागू होने की तारीख	लाइसेंस पी.आ. नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रतिया और सम्बद्ध भारतीय मानक की सं.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	2011722	89-08-16	मै राधनाथ इस्पात प्रा. लि., "ए" और "बी" और "सी" और "डी" रोड, वेल्लुथिगुडि हिल्स, बार्गा 28 स्ट्रीट रोड (दूसरा तल) कलकत्ता-700001	एल (100 मिमी एनबी), मल जल और सवातन के लिए बाल की आई स्पिगट और साकेट फिटिंग और महागकाओं के लिए IS 1720-1979
2	2011823	89-08-16	प्रवर्तक जूट सिन्थ लि., जी टी रोड, बंगलूर 7000058 फार्म 5, इन्डियन स्टेट्स बंगलूर 700001	जुट कैनवास का कपड़ा 660 ग्राम/मी <sup>2</sup> IS 10026(भाग 2)-1982
3	2011921	89-08-16	मै वैष्णवराज प्रतिया पि. ए. ए. उद्योग रोड, उदयपुर-3 2001	मारसोफोस्फोरस डब्ल्यू पी (50% और 75%) मि.पी. IS 11905-1987
4	2012017	89-08-16	मै भारत उद्योग जी टी रोड, फार्म डाक्टर, दमनलिंग-बार्गा (हि.प्र.)	शिरोपरि प्रेषण के लिए ए एस सीआर लहदार (5+1) बालक IS 398 (भाग 2)-1976
5	2012118	89-08-16	मै स्पाति विस्कुट पैन्थ क 54, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट एम्प्ले पक्की कानपुर-2080022	विस्कुट रलकोज IS 1011 1981

1	2	3	4	5
6. 2012219	89-08-18	मै. कैबटेक इंडस्ट्रीज, शीतल इंडस्ट्रियल एस्टेट नं. 2, इकनई नं. 1 और 4, नवधर, बसई रोड (पूर्व), जिला ठाणे	1100 बी. तक कार्यकारी बोरडिंग के लिए एक्यूमीनियम और तबड़ा बालकों वाली बोलवार और पी बी सी रोडिंग केवल, बाहरी और प्रत्येक ताप उपयोग की केवल को छोड़कर IS : 694-1979	
7. 2012320	89-08-18	मै. स्पेसल इन्डियन लि. बसापाड़ा रोड, बोरिवली (पू.) बम्बई-400066	पूर्व प्रतिबलित कंसीट हेतु प्रलेखित प्रतिबलित मुक्त लक, 3 मि मी × 3 प्लाई IS : 6006-1983	
8. 2012421	89-08-18	मै. भारत इंजीनियर्स, जी.टी. रोड, बीबी डा., बमतल, लहसीम, नूरपुर बिला कागका (हि.प्र.)	साल लक हेतु ए एसी IS : 398 (भाग 1)-1976	
9. 2012522	89-08-18	मै. महिन्ना इंड., 428/2, कालापेट्टी रोड, कोयम्बतूर-641035	जैट प्रपेक्सी पम्प संयोजन IS : 12225-1987	
10. 2012623	89-08-18	मै. वमकन सीमेंट लि., भवालीपुरम, डा. आनपहाड़, बि. नल्लोडा (कार्य: वमकन सीमेंट, 8-3-866/बी सोभाजीगुडा-500482)	शी प्र जमने वाली पोर्टलैंड सीमेंट IS : 8041-1978	
11. 2012724	89-08-18	मै. एक्वारियम फाइबर सीमेंट प्रा. लि., सी-588, इंडस्ट्रियल एरिया, जिवाड़ी-301019 जिला धनवर (राजस्थान)	एसबेस्टस सीमेंट बाब पाइप IS : 1592-1980	
12. 2012825	89-08-18	मै. राजस्थान एस्बेस्टस सीमेंट नं. 35, इंडस्ट्रियल एरिया, जोरावाड़ा, जयपुर (राजस्थान)	एस्बेस्टस सीमेंट बाब पाइप साइज 80, 150 मिमी श्रेणी 10 IS : 1592-1980	
13. 2012926	89-08-18	मै. बेलाराज इंड., 11 बिलस्वापी नायडू रोड, न्यूसिआपूर, कोयम्बतूर-641044	जैट प्रपेक्सी पम्प IS : 12225-1987	
14. 2013019	89-08-18	मै. एलागिरी बिल्डिंग प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि., बी-15, एम धाई बी सी, मिर्जोल एलागिरी-415639 (कार्यालय: 501 सांगली बैंक बिल्डिंग, 296, परियाम भारीमन स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई)	एस्बेस्टस सीमेंट बहुरें, प्रलेखित वालीवार IS : 459-1970	
15. 2013120	89-08-18	मै. श्री शाशितनाथ इलेक्ट्रिकल्स, तलवर नं. 2-ए, मोहन कामल्लूकस, एन ब्लाक, माकेंट प्रमोक विहार, फेज-1 दिल्ली-110052	विजयो की इस्तरी 600 वाड, गैर तापस्थापी IS : 366-1985	
16. 2013221	89-08-18	मै. रैनो इलेक्ट्रिकल्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि., एफ-9/20, एम धाई बी सी हिणना रोड नागपुर-440016 (कार्या: मिष्टी ब्रम्बर नं. 3, 11/2 सुतवाडी (बोबी तालो), मैरीन लैन बर्ब के पीछे, बम्बई-400002)	एक्यूमीनियम बालकों वाली बोलवार और पी बी सी रोडिंग केवल, जलसह और प्रत्येक ताप प्रस्था में प्रयुक्त केवल को छोड़कर IS : 674-1977	
17. 2013322	89-08-18	भारती स्टील रोलिंग मिल्स लि., 8 मिमी बाहरी स्टोन, दिल्ली-बाहरी रोड, सूरजपुरी, जिला-गाजियाबाद (कार्यालय: 101 पचमा पैलेस, 86 मेहक प्लेस, नई दिल्ली-110019)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के साब गोल सरिए साइज: 100 मिमी व्यास IS : 226-1975	
18. 2013423	89-08-18	मै. सत्यम टिम फैक्ट्री, बोरिया बिहारजी मोहसैद, हाइवे रोड, बाया तालोड, डा. नैरोड-383215, तहसील-प्रांतिजी जिला-साबरकण्ठा	बनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 15 किमा. के बीकोर कनस्तर IS : 10325-1982	

1	2	3	4	5
19. 2013524	89-08-16	मै. पंजाब डेलीकैम स्विचगियर प्रा. लि., मेफा नीबिल्स, गृध गोविन्दसिंह टावर, जी टी रोड, नुबियाना	1100 बो तक प्रत्यक्ष बोल्टता के लिए लघुतन वायु विद्युत् परित्पन विद्युत्जनक IS: 8828-1978	
20. 2013625	89-08-16	मै. कलिंग सीमेंट लि. एन एच-32, गोबे डा. काक नुहा जि.-सुन्दरगढ़ कार्यालय: इसकाम हाउस, 88, बार्नेल्स नगर, भुवनेश्वर	पोर्टलैंड घासुयल सीमेंट IS: 455-1976	
21. 2013726	89-08-16	मै. मेरी निर्दिष्ट कं., 18, विटलनहास सेठ स्ट्रीट, तिरुपुर-638004	प्लेट बुनी सूती बमियान IS: 4954-1980	
22. 2013827	89-08-16	मै. सतलुज इंडस्ट्रीज, सो-4, फोकल प्लाइट खन्ना-141401	पशुओं के लिए मिश्रित पशुधारा (टाइप 2) IS: 2052-1979	
23. 2013928	89-08-16	म. प्राणा टूल्स (इंडिया), 7-8 बी इंडस्ट्रियल एस्टेट, सोनीपत	पाइप रिफ, हैवी इयटी साइज : 900 मिमी से 12 मिमी IS: 4003(भाग 2)--1986	
24. 2014021	89-08-16	मै. एसोसिएटेड सिलिंडर इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि. सिङ्को इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, बारी ब्राह्मण जम्मु कार्यालय: 7-ए ईस्टर्न एवेन्यू, महापानी बाग, नई दिल्ली	ब्रेपेरी सिलिंडर (रिगेड) IS: 3196-1982	
25. 2014122	89-08-16	मै. साम्भर साइटस लि. साम्भर लेक जिला, जयपुर	आयोडीन युक्त नमक IS: 7224-1985	
26. 2014223	89-08-16	मै. एस्कार्टेड इजी. कं., लक्सर रोड, महिला विभी कॉलेज के पास, कक्कोड, हरिद्वार-249403	फिरोपरि प्रेषण के लिए एल्यूमीनियम बालक-- IS: 398 (भाग 1)-1978	
27. 2014324	89-08-16	गुजरात हाइटेक इंडस्ट्रीज लि., पो. बा. नं. कोडिनगर-362720, धमरेली	53 प्रेस साधारण पोर्टलैंड सीमेंट-- IS: 12269-1987	
28. 2014425	89-08-16	मै. सीताराम इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. डी-80, आई. डी. ए., जी डी मताला, हैवराबाद-500855 (कार्यालय: सी-18, इंडस्ट्रियल एस्टेट, सनाधानगर, हैवराबाद-500016)	ए सी एस धार बालक-- IS: 398 (भाग 2)-1976	
29. 2014526	89-08-16	मालोक बैटरीज, म्यू इंडस्ट्रियल एस्टेट, जगतपुर, कटक	मोटर वाहनों के लिए सीसा-अम्ल संभालक बैटरी-- IS: 7372-1974	
30. 2014627	89-08-16	रिलाइंस जूट एंड इंडस्ट्रीज, 80 वैंस्ट घोवपाड़ा रोड, भाटपाड़ा, जिला 24 परगना (पं. बंगाल) ( कार्यालय : 9 ब्रोवार्ड रोड, कलकत्ता-700001)	जूट टारपुलिन कपड़ा 407 ग्राम/मी <sup>2</sup> , 05×39 IS: 7407 (भाग 2)-1980	
31. 2014728	89-08-16	प्रिंसीजन द्रव्य कारपोरेशन, बी-31 के एसएस आई डी सी इंड. एस्टेट, मनिपाल-576119 (कर्नाटक)	जल आपूर्ति हेतु मल्लास्टीकृत पी डी सी के पाइप-- IS: 4985-1981	
32. 2014829	89-08-16	इंदौर बायर कं., फोर्ट के पास, इंदौर-452006	प्रति उच्च बोल्टता के लिए ए एस सी धार फ्लेड हेतु इस्पात के तार-- IS: 398 (भाग 4)-1982	
33. 2014930	89-08-16	प्राइम कैपिटल्स, एस 22 एम आई डी सी इंड. एरिया, हिगना रोड, नागपुर-440016 (कार्यालय: हनुमान बिल्डिंग, प्रमुखित मंदिर के पास, नागपुर-440008)	पावर तंत्र के लिए गंध संवारिष्ठ-- IS: 2834-1986	

1	2	3	4	5
34. 2015023	89-08-16	सिमाना प्रोफाइल्स प्रा. लि., एम एच-50, चाकधन 410501 पुणे	यू.पी. को सी पाइप (श्रेणी 5 से 90 मिमी) सारे मिरे-- IS : 4985-1981	
35. 2015124	89-08-16	कोल्ड सीमेंट (प्रा.) लि., हल्द्वानी ग्राम कमासकागपणे, नरसिंह टोला (कार्यालय : सन एवेन्यू, महारानी बस्ती, नई दिल्ली-63)	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट-- IS : 269-1976	
36. 2015225	89-08-16	वस्टन प्रेसक्रीट प्रा. लि., बी-21 एम आई बी सी, अक्कलमाल, महाराष्ट्र-445001	एस्वेस्टस सीमेंट के पाइ पाइप श्रेणी 5, 10, 15 साइज : 80 मिमी से 150 मिमी तक सांकेतिक साइज IS : 1592-1980	
37. 2015326	89-08-16	अंकुर इलेक्ट्रिकल्स, ई-60/ई-47 और बी-9, सरदार एस्टेट, मजगा रोड, बड़ौदा-390019	घरेलू और ऐसे प्रयोजनों के लिए स्विच, 250 वी ए सी 5 ए पलवा टाइप, वन व स्विच-- IS : 3854-1966	
38. 2015427	89-08-16	मै. जयवालाजी एंड कं., 89 सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, एम्बासूर, मद्रास-600098	कंट्रोल स्विच (लिमिट टाइप)-- IS : 6875 (भाग 1)-1973	
39. 2015528	89-08-16	मै. कानपुर प्लास्टिक पैक लि., डी-10-20, पनकी इंडस्ट्रियल एरिया, डा. उद्योग नगर, कानपुर-208022 (उ.प्र.)	उर्वरक पैकिंग के लिए परतदार पटसन के कट्टे-- 407 ग्रा/मी <sup>2</sup> डी डब्ल्यू टी से उत्पादित-- IS : 7406 (भाग 1)--1984	
40. 2015629	89-08-16	मै. इंडियन कोटिंग एंड लेमिनेटिंग कारपोरेशन, 31 फेक्ट्री एरिया, कानपुर-208012 (उ.प्र.)	उर्वरक पैकिंग के लिये परतदार पटसन के कट्टे 68X 39, 380 ग्रा/मी <sup>2</sup> डी डब्ल्यू टी से उत्पादित IS : 7406 (भाग 2)-1986	
41. 2015730	89-08-16	मै. कानपुर प्लास्टिक पैक लिमिटेड, डी-10-20, पनकी इंडस्ट्रियल एरिया, डा. उद्योग नगर, कानपुर-208022 (उ.प्र.)	--यथोपरि--	
42. 2015831	89-09-01	मै. दि.पंजाब पेन्ट कलर एंड वानिश बक्स, कानपुर।	फिनिशिंग के लिए हवा में सूखने वाली मॉशिलिट वानिश-- IS : 524-1983	
43. 2015932	89-09-01	मधुसूदन इंडस्ट्रीज, 2 बलायू मृदाली स्ट्रीट, मद्रास-600081 कार्यालय : 9, गोवाम स्ट्रीट, मद्रास-600001	कृषि ग्रेड जिक सल्फेट-- IS : 8249-1976	
44. 2016025	89-09-01	मै. बर्जर कैमीकल्स (प्रा.) लि., नं. 3 सोमसुन्दरम स्ट्रीट, टी नगर, मद्रास-600017	नहाने का द्रव साबुन-- IS : 4199-1974	
45. 2016126	89-09-01	मै. बी.ए. एटरप्राइजेज, माउथ भगरपाड़ा (सोलपेटा बेजत) 24 परगना (प.बं.)	हस्तात के बरवाजे खिड़कियां और संधानी-- IS : 1038-1983	
46. 2016227	89-09-01	मै. दि. हुगली मिल्स लि., (यूनिट गोंडलपाड़ा जूट मिल्स), गोंडलपाड़ा-712137 जिला हुगली (प.बं.) (कार्यालय : 10 बलादब रोड, कलकत्ता-700001)	पटसन टारपूलिन कपड़ा 407 ग्रा/मी <sup>2</sup> , 85X 39 IS : 11170-1985	
47. 2016328	89-09-01	वेस्टिंग हाउस सक्सवाई फामर लि., 17 कार्बेट रोड, एटली, कलकत्ता-70001	कृषि उपयोग हेतु अपरिचालित गति संपीड़न प्रश्वलन (गॉजल) इंजन की कार्यकारिता अपेक्षाएं (20 किबा तक)-- IS : 11170-1985	
48. 2016429	89-09-01	मै. नन्दी पम्पस, 2-43/1 निखामपेट रोड, हैदराबाद, हैदराबाद, बालातनगर मंडल, धार धार जिला (कार्यालय : 8-3-319/8/12ए, येसासीइयापुड, मद्रास-500873)	साफ, ठंडे, ताजे पानी निम्नज्य पम्प सेट-- IS : 8034-1976	

1	2	3	4	5
49. 2016530	89-09-01	मै. जीवा एप्लाइज लि., प्लॉट नं. 12/14, भार.एस. नं. 43, नगरगांव, लोवावाला-410401 (कार्यालय : 384, डोंगरे बिल्डिंग, लोमिंगटन रोड, बम्बई-400007)	बिजली के घरेलू खाद्य मिक्सर— IS : 4250-1980	
50. 2016631	89-09-01	मै. मोदी सीमेंट लि., मोदीग्राम (खान) पिन कोड नं. 493331 जिला रायपुर (म.प्र.)	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट— IS : 455-1976	
51. 2016732	89-09-01	मै. हयकावेंट प्लास्टि क एंड केमिकल्स, विकोलोस विनयान-691004	पेयजल आपूर्ति के लिए अप्लास्टिक पी वी सी पाइप— IS : 4985-1981	
52. 2016833	89-09-01	मै. गैलेक्सी पावर केबल लि., घरेलू राईड., काम्पलेक्स, जिला महेंद्रगढ़, घरेलू राईड. (कार्यालय : ए-23 न्यू गाविंग काम्पलेक्स, कालोनी, नई दिल्ली-110024)	100 वो तक कार्यकारी बोल्टता के लिए एक्स एल पी ई केबल— IS : 7098 (भाग 1)-1977	
53. 2016934	89-09-01	मै. एक्सप्रेस केबल्स प्रा. लि., कलकत्ता, निओरा जिला, पटना (कार्यालय : 51, स्टीरिफा हाउस 4 बी.बी.डी. बेग (पूर्व) कलकत्ता)	शिरोपरि प्रेषण के लिए अस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्यूमीनियम बालक— IS : 398 (भाग 2)-1976	
54. 2017027	89-08-16	मै. चैलपार्क कं. प्रा. लि., बी-195, फेस 2, नौएडा-201301 (उ.प्र.)	आधारित फाउण्टेन पेन की स्पाही— IS : 1221-1971	
55. 2017126	89-09-01	मै. मार्बल पॉली इंडस्ट्रीज, 62/बी/1/ए, जे.एन. मुखर्जी, धुसूरी हावड़ा-711107 (कार्यालय : 68 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	407 ग्रा/मी <sup>2</sup> 85×39 टारपुलिन कपड़े से उत्पादित परतदार कट्टे— IS : 7406 (भाग 1)-1984	
56. 2017128	89-09-01	मार्बल पॉली इंडस्ट्रीज, 62/बी/1/ए, जे.एन. मुखर्जी, धुसूरी हावड़ा-711107 (कार्यालय : 68 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	टारपुलिन कपड़े से उत्पादित परतदार कट्टे 380 ग्रा/ मी <sup>2</sup> , 68×39— IS : 7406 (भाग 2)-1986	
57. 2017330	89-09-01	डायस्टर पैकेज (प्रा.) लि., 493, जी.टी. रोड, शिवपुर, हावड़ा (कार्यालय : 27 बेन्टिनक स्ट्रीट, कलकत्ता-700001)	टारपुलिन कपड़े से उत्पादित परतदार कट्टे 407 ग्रा/ मी <sup>2</sup> , 85×39— IS : 7406 (भाग 1)-1984	
58. 2017431	89-09-01	—बही—	टारपुलिन कपड़े से उत्पादित परतदार कट्टे 380 ग्रा/ मी <sup>2</sup> , 68×39— IS : 7406 (भाग 2)—1986	
59. 2017532	89-09-01	मै. एम्माथर जूट क लि., 15 बैरकपुर ट्रेक रोड, रा. नाम्पुपुर, 24 परगना (उ.) (कार्यालय : 6-बी, कलाइब रोड (भूतवा), कलकत्ता-700001)	मीमेट पैकिंग के लिए पटसन के कट्टे— IS : 2580-1982	
60. 2017633	89-09-01	गणपति पैकिंग इंडस्ट्रीज, 193 जी.टी. रोड, शिवपुर, हावड़ा (कार्यालय : 132 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	407 ग्रा/मी <sup>2</sup> , 85×39 पटसन टारपुलिन कपड़े से उत्पादित परतदार पटसन के कट्टे— IS : 7406 (भाग 1)-1984	
61. 2017734	89-09-01	गुबर्नर एन्ट्राइजेंस, कलकत्ता II, फेक्री-2, बिमरीगट्टा रोड, कलकत्ता-700015 (कार्यालय : 34 वीरटोला स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	कॉन्ग के जू, गंध का करने वाले— IS : 3735-1981	

1	2	3	4	5
62. 2017835	89-09-01	श्रीमती लूसीफर इंडस्ट्रीज, डी नं. 19, बेंकटेश्वर पुरम, भिविलीपुथर, जिला कामराज (कार्यालय : 110 कामराज रोड, मिडकाशी-626123 जिला कामराज)	विष्णी बंद निरापद बियासलाहियां— IS : 2653-1980	
63. 2017836	89-09-01	मै. प्रार.भी. चिकरी इंडस्ट्रीज, नं. 36, 3 स्टेज, इंडस्ट्रियल सबधर्म, मैसूर बक्षिण, मैसूर-570008	धुता निकरी धूप— IS : 812-1983	
64. 2018029	89-09-01	मै. टोटामागपुर केमीकल्स एंड इंडस्ट्रीज, (प्रा.) लि., मरार, हजारीबाग (बिहार)	एल्युमिनो-फैरिक ग्रेड 2— IS : 299-1980	
65. 2018130	89-09-01	मै. अंकुर इलेक्ट्रिकल, बडीवन-पडरा, मेन रोड, पडरा-311440	घरेलू और ऐसे ही प्रयोजनों हेतु स्विच— IS : 3454-1966	
66. 2018231	89-09-01	मै. श्री भारती इलेक्ट्रोडस लि., पो.बा. नं. 11, करामाड़ी बा, कोयम्बतूर	संरचना इस्पात की धातु धार्क वेल्डिंग के लिए प्राश्रित इलेक्ट्रोड, अधिकतम साइज 6.3 मिमी— IS : 814(भाग 1)-1974	
67. 2018332	89-09-01	मै सिंह एंड सिंह 100-एफ, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.)	बो सिलिडर वाली जुड़वा इन्सीकेटिंग मशीन के लिए स्याही— IS : 1222-1973	
68. 2018433	89-09-01	मै. शक्ति केबल्स, बी-48, जी.टी. करनाल रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110033	1100 बो तक कार्यकारी बोल्डता के लिए तांबा बालकों वाली अकवक्षित और कवक्षित पी बी सी रोहित (हैवी इप्टी) बिजनी का केबल, प्रत्येक अवस्था में प्रयुक्त केबल सहित— IS : 1554 (भाग 1)-1975	
69. 2018534	89-09-01	मै. सोनिया इलेक्ट्रिकल्स, 2875-ए, संतनगर, राजीबाग, दिल्ली-110034	स्विच साकेट फाउंटलेट (नान इंटरजॉकिंग टाइप) 15 एम्प रेटिंग, पलक टाइप IS : 4615-1968	
70. 2018635	89-09-01	मै. प्रानंद इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 117, तुलसी राम भवन, नजफगढ़ रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110015	स्विच साकेट फाउंटलेट (नान इंटरजॉकिंग टाइप) 15 एम्प रेटिंग, पलक टाइप IS : 4615-1968	
71. 2018736	89-09-01	मै. ग्वाभियर ट्रांसमिशन सिस्टम (प्रा) लि., ए-5, फेज-2, नौएडा (जि. गाजियाबाद)	शिरोपरि प्रेरण के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम बालक IS : 398(भाग 2)-1976	
72. 2018837	89-09-01	मै. अजीत काठन मिनिंग प्रोसिंग, डल एन्ड स्टील रोलिंग मिल, मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	तप्त बेलित अवस्था में संरचना इस्पात (सामान्यी- कृत अवस्था को छोड़कर) ग्रेड 540 एच टी और 570 IS : 961-1975	
73. 2018938	89-09-01	मै. हंस मेटल एंड स्टील वर्क्स, 200 ग्लोब्स कालोनी, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर	गल मेटल के गेट वाल्व, श्रेणी 1, पेंच कसे और 50 तक साइज वाले IS : 778-1984	
74. 2019031	89-09-01	मै. कलप्यका लैम्प वर्क्स, तेलीपरम्बा-870141 अम्नोर (जि.)	जी एल एस बल्ब, 40 और 60 वा रेटिंग, 230 बो, मुंडलीकल मुंडल IS : 418-1978	
75. 2019132	89-09-01	प्रोबक्शन सेक्टर फार इलेक्ट्रिक मोटर्स, तिब्बोला-689105 (केरल)	एक फेजो संघारित्र, स्टार्ट रन और प्रेरण रन, श्रेणी ई, ए सी मोटर 0.75 किवा तक IS : 996-1976	
76. 2019637	89-09-01	हिमालय एक्सेल्स सीमेंट प्रॉडक्ट्स लि., ई-179-180 जैतपुरा इंड. एरिया, जैतपुरा, जयपुरा (राज.)	ए सी बान पाइप, साइज 80 मिमी से 150मिमी तक, श्रेणी 10 IS : 1592-1980	



1	2	3	4	5
77. 2019334	89-09-01	मै. फिनरल डीजल इन्जन्स प्रा. लि., 346, बालटैक्स रोड, मद्रास-600079 (कार्या: नम्रा नं. 55, न्यू ब्राबडी रोड, मद्रास-600010)	कृषि प्रयोजनों के लिए एक सिलिंडर, जर्जियावर जलशीलित, बार स्ट्रोक, अपरिचितित गति संपीड़न प्रणाली (डीजल) इंजन, माइल- केडी-1 आउटपुट 3.7/5 कि वा/घ. प्रति), प्रत्यक्ष भंत: क्षेपण 1500 चरमि एस एक सीमा/किबल्ल. 240, वलता अविशुद्ध-80 (ए) रेटिंग (ए) क्लास माफ गर्बनिंग 81 IS : 11170-1985	
78. 2019435	89-09-01	मै. ब्राइवे इंडी. प्रुं ड्रांसपोर्ट कं., 428 पटेल रोड, कोयम्बतूर-641009 (कार्या: 5/5, ओल्ड पोस्ट आफिस रोड, कोयम्बतूर-641009)	तीन फेजी ग्रेण मोटर, ओपी ए रोशन, 5.5 किवा तक IS : 7538-1975	
79. 2019536	89-09-01	मै. एसोसिएटेड सीमेंट कारपोरेशन कम्पनीज लि., मनचरियाल सीमेंट वर्क्स, डा-मनचरियाल-504209, अलीबाबाद (जि.)	सल्फेट प्रतिरोधी पोर्टलैंड सीमेंट IS : 12330-1988	
80. 2019637	89-09-01	मै. वक्खन सीमेंट लि. भवानीपुरम या. जनपाहाड-508218 जि. मलनौड (आ. प्र.) (कार्या: वक्खन वेम्बर्स, 6-3-666/बी, ममाजीगुड, हैदराबाद-500482)	63 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS : 12269-1982	
81. 2019738	89-09-01	मै. रिलायंस इंजीनियर्स, 84-85 पीनया इंड. एरिया, III फेज, बंगलौर-560058 (कार्या: 120, कनीधम रोड, बंगलौर-560052)	1100 बो तक कार्यकारी बोस्टता के लिए खोलवार और खोलरहित तांबा बालकों वाली पी बी सी रोहित केबल, प्रत्य ताप और, बाहरी उपयोग की केबल को छोड़कर IS : 694-1977	
82. 2019839	89-09-01	मै. रिलायंस इंजीनियर्स, 84-85 पीनया इंड. एरिया, III फेज, बंगलौर-560058 (कार्या: 120 कनीधम रोड, बंगलौर-560052)	1100 बो तक कार्यकारी बोस्टता के लिए अकबलित और कबलित तांबा बालकों वाली पी बी सी रोहित केबल IS : 1554 (भाग 1)-1976	
83. 2019940	89-09-01	मै. राज पावर इंस्टीट्यूट, प्लाट नं. बी-20, एम आई बी सी एरिया, कुदाल जि-सिधुगुड-416550 (महा.)	यू पी बी सी ओपी 2 साइज 63 से 110 मिमी, सावा सिरे सहित IS : 4985-1981	
84. 2020016	89-09-01	रिलायंस केबल्स कंडक्टर्स प्रा. लि., 20-बी, महिम तालुक, पालघर (प) जि-ठाणे (कार्या: चिन्तामणि बिल्डिंग, दूसरा, मोईबाड़ा, बम्बई-400002)	सम्पूर्ण एल्युमीनियम बालक IS : 398 (भाग 1)-1976	
85. 2020117	89-09-01	मै. कास इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) एजि. 9/37 मालीमार इंडस्ट्रियल एरिया, गली नं. 2, हैदरपुर मेन रोड, दिल्ली-110052	तीन पिन प्लग और साकेट आउटलेट (i) 5 एम्प और 15 एम्प, 250 बो, ए सी फ्लाश टाइप और सतह टाइप, तीन पिन साकेट आउटलेट (ii) 5 एम्प और 15 एम्प, 250 बो, तीन प्लग प्लग IS : 1293-1967	
86. 2020218	89-09-01	मै. कास इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) एजि., 9/37 मालीमार इंडस्ट्रियल एरिया, गली नं. 2, हैदरपुर मेन रोड, दिल्ली-110052	बरेलू और ऐसे प्रयोजनों स्विच 5 एम्प और 15 एम्प बोस्ट, फ्लाश टाइप, ए सी IS : 3854-1966	
87. 2020219	89-09-01	मै. रिलायंस केबल्स एंड कंडक्टर्स प्रा. लि. 20-बी महिम तालुक, पालघर (प) जि-ठाणे (कार्या: 4 चिन्तामणि बिल्डिंग, दूसरा मोईबाड़ा, बम्बई-400002)	शिरोपरि प्रेषण के लिए जलशीलित इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम बालक IS : 398 (भाग 2)-1976	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
88. 2020420	89-09-01	मै. भारवल केबल एंड कॅबलर्स प्रा. लि., सी आई बी/243/20ई. आई. डी. सी., एस्टेट, बाहोबिया, जि. धौलपुर (गुजरात)	एल्युमीनियम के लड़वार बालक IS : 398 (भाग)-1976	
89. 2020521	89-09-01	मै. चेन एन्टरप्राइजेज, बी सी कंस्ट्रक्शन कंसाउंड, धनेपुर रोड, धनारामा, जि. नवलसाह-396001	सीलिंग रोज, ए ए, रेडिंग, 250 बो ए सी सतह मार्डिंग टाइप IS : 371-1979	
90. 2020622	89-09-01	मैस प्रपर प्रा. लि., धा-मसोरा, जि. नावियाव पूर्व जि. नहीवा (गुजरात) (कार्या: धर्मसिंह पार्क, एन एच 8, पो. ब. नं. 3, नावियाव-387001)	उच्च दाब वाले सोडियम वाष्प लैम्प 250 वाट 50 एम टाइप केबल IS : 9974 (भाग 1)-1981	
91. 2020723	89-09-01	मै. बुधकपट प्राइवेट लि., डा-साडोक, जि. बिजुण्ड (भरत) (कार्या: 91 भार. एन. मुखर्जी रोड (7वां तल) कलकत्ता-700001)	कंक्रिट गार्डरिंग के लिए प्लाईवुड IS : 4090-1981	
92. 202082	89-09-01	मै. बी. बी. एस. धायरन वर्क्स (प्रा.) लि., द्वारा सिधवी कैमीकल इंडस्ट्रीज लि., आई टी आई जंक्शन, विशाखापट्टनम (कार्या: बी-1, इंडस्ट्रियल एस्टेट, विशाखापट्टनम-530007)	(i) मल, गंदे जल और सांभतन पाइप के लिए बालू के साथ में डले लोहे स्प्रिंगट और साकेट (ii) निम्न टाइप की फिटिंग (क) ऐसेस डोर सहित और रहित समान बालू (क्यू-92 10/2) (ख) ऐसेस डोर रहित छोटी लिफ्ट का बैड क्यू-95 (ग) प्रकाशक ऐसेस डोर : 1929-1979	
93. 2020925	89-09-01	मै. विकास टायर्स लि., के. भार. एस. रोड, सातागली, मैसूर - 570016 (कार्या: विकास हाउस, नं. 54, पहला मेन रोड, मैसूर - 570002)	ट्रक टायर और हल्के ट्रक के टायर IS : 10194 (भाग 2) - 1985	
94. 2021018	89-09-01	मै. वाटर लिंक प्राइवेट्स, 5/139, इंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर - 144004	कैलियुम प्रोपेन्ड पम्प (पट्टा बालित) टाइ कोल्फ, साइज : 100×80 मिमी ड्यूटी प्लाई एच = 14.0 मि. क्यू = 16.5 लि/से एन % = 63 पीआई = 3.6 किबा, कप्रमि = 1200 हैड रेंज = 11.2/14.7 मी., विकास = 18.0/12 लि/ब. प्राइम मूवर रेडिंग = 5.6/7.5 किबा प्रति ग्रहण शक्ति IS : 6595 - 1980	
95. 2021119	89-09-01	मै. गोविन्द एन्टरप्राइजेज, जी - 22, सेक्टर 2, नोएडा - 201301	450 मिमी, एक फेजी, श्रेणी ई रोघन, प्रोपलर टाइप एसी संवासी पंखे IS : 2312-87	
96. 2021220	89-09-01	मै. कैपिटल मीटर्स प्रा. लि., प्लाट नं. 17, ब्लाक ए, सेक्टर 9, नोएडा - 201301	तीन फेजो वाट वंटा मीटर श्रेणी 2.0, 3×240 बो निम्न विवरण का (क) सम्पूर्ण धारा मीटर समल धारा 10 और 30 एम्प (ख) ट्रांसफार्मर प्रचालित, 5ए बेसिक धारा IS : 722 (भाग 3) - 1977	

1	3	3	4	5
97.	2021321	89-09-01	मै. एसोसिएटेड सीमेंट कंपनी लि., बाबी, सलबर्नी जि - 585225 (कार्या : सीमेंट हाउस, 121 महर्षि कार्बो रोड, बम्बई - 4)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS: 8112-1978
98.	2021422	89-09-01	-बही-	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट IS: 8112-1978
99.	2021523	89-09-01	मै. वि बाम्बे प्रायस इंडस्ट्रीज लि., लालबहादुर शास्त्री मार्ग, भांडप, बम्बई - 400078 (कार्या : कनमूर हाउस, 281-87 नाटाई माघो हाउस, बम्बई - 400009)	सड़क के लिए बिटूमेन इमल्शन (कंटाइनियक टाइप) सेंट्रलियम टाइप (एम. एस.) IS: 8887-1978
100.	2021624	89-09-01	मै. गुजरात एचो. इंडस्ट्रीज कारपो. लि., पेस्टीसाइड कार्म लेसम मूनिट, आईटी आई के पास, एन एच नं. - 8बी, गोंडल - 360311 (गुजरात)	एक्जोसल्कान 35 % ईसी IS: 4323-1980
101.	2021723	89-09-01	मै. गुजरात पीवीसी प्राइवेट लि., जी आई डी सी, चित्रे, भावनगर - 364004 (गुजरात)	पेय जल आपूर्ति हेतु पीवीसी पाइप श्रेणी 3 साइज 110 मिमी तक बाह्य व्यास IS: 4985-1981
102.	2021826	89-09-01	मै. गुजरात हार्डवेयर इंडस्ट्रीज लि., पो. बा. नं. 28, कोडीनगर - 362720 जि - अमरेली (गुजरात)	सल्फेट प्रतिरोधी पोर्टलैंड सीमेंट IS: 12330-1988
103.	2021927	89-09-01	मै. हरजस प्रा. लि., प्रा. एच डा - माजरा, तहसील - खरार, जि - रोपड़, (कार्या : 302, सैक्टर 9-डी, चंडीगढ़)	पशुओं के लिए मिश्रित पशु आहार टाइप 2 (मैक प्रीर पैलेट टाइप) IS: 2052-1979
104.	2022020	89-09-01	मै. वि मेमपडेनी इंडस्ट्रीज लि., (यूनिट बेलिगडन जूट मिल), रिषरा, जि - हुगली - 712248 (कार्या : 25, प्रिंसिप स्ट्रीट, कलकत्ता - 700072)	परतन टारगुलिन कपड़ा 407 ग्रा/मी <sup>2</sup> , 85×39 IS: 7407 (भाग 2) - 1980
105.	2022121	89-09-01	मै. मीगना कैमीकल मैनफा (प्रा) लि., ए-112 और ए-113, पीआईपी डी आई सी, इंडस्ट्रियल एस्टेट, मेदुपलायम, पांडचेरी - 605009 (कार्या : बालीजेव रोड, मन्नार - 600002)	सोडियम मेटाबाइसल्फाइड खाद्य ग्रेड IS: 4752-1968
106.	2022222	89-09-01	मै. बंगलौर पेस्टीसाइड्स लि., 16वां किमी, तुमकुल रोड, बंगलौर - 560073 (कार्या : 170, 10वां मेन, 2सरा क्रॉस, राजमहल बिलास, एक्सटेंशन, बंगलौर - 560080)	कार्बोराइल 50% डब्ल्यू डी पी IS: 7121-73
107.	2022323	89-09-01	मै. हिन्दुस्तान सीबा गाइसी लि., कोरलम, 1 फेज, गोमा - 403110 (कार्या : 14-जे टाटा रोड, रायल इंडोरेक्स बिल्डिंग, बम्बई - 400020)	जिरम, कोलाइडी निलम्बन IS: 11010-1984
108.	2022424	89-09-01	मै. पंजाब पेस्टीसाइड्स इंडस्ट्रियल काप. सोलाहटी प्रा. लि., ग्राम - जानपुर, तहसील - खरार, जिला - रोपड़, (कार्या : एस सी भी 365-66, सैक्टर - 35 - बी, चंडीगढ़)	फास्फोमिडान 85% डब्ल्यूएससी IS: 6177-1981
109.	2022525	89-09-01	-यथोपरि-	मैलायिचॉन 25% डब्ल्यू डी पी IS: 2589-1978
110.	2022626	89-09-01	एचिड एंड कम्पनी कैमीकल लि., प्लाट 6230/6231 और 6215, आई डी सी, अकलेबर - 393002	फास्फोमिडान 75% और 50% डीपी IS: 11995-1987

1	2	3	4	5
111.	2022727	89-09-01	मै. गुजरात एगो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लि., पेस्टीसाइड्स फार्मूलेशन यूनिट, आई टी आई के पास, एन एच नं. 8 बी, गोडल - 360311 (गुजरात)	केनबेलरेट 20% ईसी IS: 11997-1987
112.	2022828	89-09-01	सीएट टायर्स ग्रॉफ इंडिया लि., 82, एन आई बी सी इंडस्ट्रियल एस्टेट, सतपुर, नासिक - 422007 (कार्या: भांडव, बम्बई - 400078)	यात्री कार टायर IS: 10914 (भाग 3) - 1985
113.	2022929	89-09-01	प्रियवशिनी केबल इंडस्ट्रीज, 32/3-ई, आजाद नगर, कोंती नगर रोड, विल्ली - 110051 (कार्या: 33-ए, पूर्वी आजाद नगर, विल्ली - 110051)	1100 को तक कार्यकारी बोल्टता के लिए इलेस्टोमर रोहित केबल IS: 9968 (भाग 1) - 1981
114.	2023022	89-09-01	मै. एसोसिएटेड सीमेंट कं. लि., वाही सीमेंट वर्क्स, घाही, जिला - गुलबर्गा - 585225 (कार्या: सीमेंट हाउस, 121 महुषि कार्म रोड, बम्बई-4)	53 ग्रेड पोर्टलैंड सीमेंट IS: 12269-1987
115.	2023123	89-09-01	मै. एन सी एल इंडस्ट्रीज लि., सिम्लापुरी, हुजुर नगर तापुक, नलगोडा, जिला - भा. प्र. (कार्या: 7वां तल राघवरतन टायर्स, चिराग लेन, हैबरामबाव - 500001)	53 ग्रेड पोर्टलैंड सीमेंट IS: 12269-1987
116.	2023224	89-09-01	मै. निर्मल स्टील टयूब्स (इंडिया) लि., ए- 353-ए, इंडस्ट्रियल एरिया, भिलाई, जि - बलार (राज.)	मृदु इस्पात पाइप, मध्यम और भारी श्रेणी, काला और सावा सिरे सहित IS: 1239 (भाग 1)-1979

(सं. के. प्रवि/13 : 11)

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 6th June, 1991

S. O. 1871.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule:—

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L- )	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licences and the relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	2011722	89-08-16	M/s Ramnath Ispat Pvt. Ltd., 61 'O' & 62 'O' & '40' 'Y' Road, Belgachia, Howrah (Office: 28, Street Road, (2nd floor), Calcutta-700001)	Sand C.I. Spigot and socket soil (100 mm NB) waste and ventilating pipes, fittings and accessories. IS : 1729-1979
2.	2011823	89-08-16	M/s. Prabartak Jute Mills Ltd., Kamarhati, B.T. Road, Calcutta-700058. (Office: 5, Synagaghe Street, Calcutta-700001)	Jute canvas, fine 660 g/m <sup>2</sup> IS : 10036 (Part II)-1982

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
3. 2011924	89-08-16	M/s. Pesticides India, P.B. No., 20, Udaisagar Road, Udaipur-313001.		Isoproturon WP (50% & 75%) min IS : 11995—1987
4. 2012017	89-08-16	M/s. Bharat Engineers, G.T. Road, Chhani P.O., Damtal, Distt. Kangra (HP)		ASCR Conductor for (6 × 1) strands only IS : 398 (Part II)—1976
5. 2012118	89-08-16	M/s. Swati Biscuit Mfg Co., 54, Govt. Industrial Estate, Panki, Kanpur-208022.		Biscuits Glucose IS : 1011—1981
6. 2012219	89-08-16	M/s. Cabtech Inds., Sheetal Indl. Estate No. 2, Unit No. 1 & 4, Navghar, Vasai Road (E) Distt. Thane.		PVC insulated and sheathed cables with aluminium and copper conductor exclu- ding cables for outdoor use and low temperature applications. IS : 694—1979
7. 2012320	89-08-16	M/s. Special Steels Ltd., Dattapade Road, Borivli (E), Bombay-400066.		Uncoated stress relieved strand for press- tressed concrete 3 mm × 3 ply, 9.5 mm × 7 ply. IS : 6006—1983
8. 2012421	89-08-16	M/s. Bharat Engineers, G.T. Road, Channi P.O. Damtal, Teh. Nurpur Distt. Kangra (H.P.)		AAC Conductors for seven strands. IS : 398 (Part I)—1976
9. 2012522	89-08-16	M/s. Mahindra Inds., 428/2, Kalapetty Road, Coimbatore-641035		Jet centrifugal pump combination IS : 12225—1987
10. 2012623	89-08-16	M/s. Deccan Cement Ltd., Bhavanipuram, PO : Janpahad, Nalgonda Distt. (A.P.) (Office: 'Deccan Chambers' 6-3-666/B, Somajiguda, Hyderabad-500482		Rapid hardening portland cement. IS : 8041—1978
11. 2012724	89-08-16	M/s. Aquarian Fibre Cement Pvt. Ltd., C-588, Industrial Area, Bhiwadi-301019 Distt. Alwar (Rajasthan)		Asbestos cement pressure pipes, IS : 1592—1980
12. 2012825	89-08-16	M/s. Rajasthan Asbestos Cement Co., 35, Industrial Area, Jhotwara, Jaipur (Rajasthan)		Asbestos cement pressure pipes, Sizes 80, 150 mm Class 10 IS : 1592—1980
13. 2012926	89-08-16	M/s. Chalaraja Inds., 11' Chinnaamy Naidu Road, New Sidhapudur, Coimbatore-641044.		Jet Centrifugal pump IS : 12225—1987
14. 2013019	89-08-16	M/s. Ratnagiri Building Products Pvt. Ltd., B-15, M.I.D.C. Mirjole, Ratnagiri-415639 (Office: 501, Sangli Bank Building, 296, Perian Nariman Street, Fort, Bombay.		Asbestos cement sheets unreinforced corrugated IS : 459—1970
15. 2013120	89-08-16	M/s. Shri Shanti Nath Electricals, Basement No. 2-A, Mohan Complex, H-Block Market, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-110052.		Electric Iron, 600 Watt, Non thermostatic IS : 366—1985
16. 2013221	89-08-16	M/s. Reno Electricals Inds. Pvt. Ltd. F-9/20, MIDC Hingna Road, Nagpur-440016 (Office: Minty Chamber NS. 3, 11/2, Dhuswadi (Dhobi Talao) Behind Marine Lines Church Bombay-400002]		PVC insulated and sheathed cables with aluminium conductor excluding water- proof cables for low temperature. IS : 694—1977

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
17. 2013322	89-08-16	M/s. Arati Steel Rolling Mills Ltd., 8 Km Dadri Stone, Delhi-Dadri Road, Suraj Puri, Distt. Ghaziabad. (Office: 101, Padma Palace, 86, Nehru Place, New Delhi-110019)	Plain round bars of structural steel (standard quality) size : Below 100 mm dia IS : 226—1975	
18. 2013423	89-08-16	M/s. Satyam Tin Factory, Boria Becharji Modaset Highway Road, via Talod, Post Kherol-383215 Tal Prantij Distt: Sabarkantha	15-Kg sq tins for vanaspati and edible oils IS : 10325—1982	
19. 2013524	89-08-16	M/s. Punjab Telefunken Switchgear Pvt. Ltd., Neffa Needles Guru Gobind Singh Tower G.T. Road Ludhiana.	Miniature air break circuit breaker for voltages not exceeding 1000V IS : 8828—1978	
20. 2013625	89-08-16	M/s. Kalinga Cements Ltd., NH-23, Gobra, PO : Kuarmunda Distt: Sundergarh (Office: ISCOM House 89, Khervela Nagar Bhubaneswar)	Portland slag cement IS : 455—1976	
21. 2013726	89-08-16	M/s. Merry Knitting Co., 18, Vittaldas Salt Street, Tirupur-638004	Plain Knitted cotton vests IS : 4954—1980	
22. 2013827	89-08-16	M/s. Satluj Industries, C-4, Focal Point, Khanna-141401	Compound feed for cattle (Type—2) IS : 2052—1979	
23. 2013928	89-08-16	M/s. Prasha Tools (India) 7-8B, Industrial Estate, Sonepat.	Pipe wrenches, heavy duty, Size 900mm to 1200 mm IS : 4003 (Part II)—1986	
24. 2014021	89-08-16	M/s. Associated Cylinder Industries (P) Ltd., SIDCO Industrial Complex, Bari Brahma, Jammu (Office: 7-A, Eastern Avenue Maharani Bagh, New Delhi)	LPG Cylinder (Regained) IS : 3196—1982	
25. 2014122	89-08-16	M/s. Sambhar Salts Ltd., Sambhar Lake Distt., Jaipur	Iodized Salt IS : 7224—1985	
26. 2014223	89-08-16	M/s. Askort Engg Co., Laksar Road, Near Mahila Degree College, Kankod, Hardwar-249408	Aluminium conductors overhead trans- mission purpose IS : 398 (Part I)—1978	
27. 2014324	89-08-16	M/s. Gujarat High Tech Industries Ltd., Post Box No. 26, Kodinar-362720 Amreli	53 Grade ordinary portland cement IS : 12269—1987	
28. 2014425	89-08-16	M/s. Seetharama Electric Industries, Plot No. D-80, IDA Jeedimetla, Hyderabad-500855 (Office: C-18, Industrial Estate, Sanathnagar, Hyderabad-500018)	ACSR Conductors IS : 398 (Part II)—1976	
29. 2014526	89-08-16	M/s. Alpk Batteries, New Industrial Estate, Jagatpur, Cuttack.	Lead acid storage batteries for motor vehicles IS : 7372—1974	

1	2	3	4	5
30. 2014627	89-08-16	M/s. Reliance Jute & Industries Ltd., 80, West Goshpara Road, Bhatpara, Distt. 24—Parganas W. B. (Office: 9, Brabourne Road, Calcutta-700001)	Jute tarpaulin fabric 407 gm <sup>2</sup> x 85 x 39 IS : 7407 (Part II)—1980	
31. 2014728	89-08-16	M/s. Precision Tube Corpn., B/31, KSSIDC Industrial Estate, Manipal-576119 (Karnataka)	Unplasticed, PVC pipes for potable water supplies IS : 4985—1981	
32. 2014829	89-08-16	M/s. Indore Wire Co. Ltd., Near Fort, Indore-452006	Steel wire for the core of ACSR Extra high voltage IS : 398 (Part V)—1982	
33. 2014930	89-08-16	M/s. Prime Capacitors, S-22, MIDC Indl Area, Hinga Road, Nagpur-440016 (Office: Hanuman Bldg. Near Ayuchit Mandir, Nagpur-440008).	Shunt capacitors for power systems IS : 2834—1986	
34. 2015023	89-08-16	M/s. Sinati Profiles Pvt. Ltd., NH-50, Chakan-410501 Pune	UPVC Pipes Class: 2, 63 to 90 mm Plain ended IS: 4985—1981	
35. 2015124	89-08-16	M/s. Colts Cements (P) Ltd., Haldwani Village : Kamalwagaza Narsinghtola Haldwani (Office : Southern Avenue Maharani Basti New Delhi-110065	Ordinary portland cement IS : 269—1976	
36. 2015225	89-08-16	M/s. Western Prestcrete Pvt. Ltd., B-21, MIDC Yawatmal Maharashtra- 445001	Asbestos cement pressure pipes Class 5, 10, 15 Sizes : 80 mm 150 mm nominal dia IS: 1592—1980	
37. 2015326	89-08-16	M/s. Ankur Electricals E-70/E-47 & D-9 Sardar Estate, Ajwaroad Baroda-390019	Switches for domestic and similar purposes 250V ac 5A flush type one way switch IS: 3854—1966	
38. 2015427	89-08-16	M/s. Jai Balaji & Co., 89, SIDCO Industrial Estate, Ambattur, Madras-600090	Control switches, (Limit switches) IS: 6875 (Part I)—1973	
39. 2015528	89-08-16	M/s. Kanpur Plastipack Ltd., D-19-20, Panki Industrial Area, PO: Udyog Nagar, Kanpur-208022(UP)	Laminated jute bags for packing fertilizers, mfg 407/gm <sup>2</sup> DWT Fabric IS: 7406 (Part I)—1984	
40. 2015629	89-08-16	M/s. Indian Coating & Laminating Corporation, 31, Factory Area, Kanpur -208012(UP)	Laminated jute bags for packing fertilizers mfg from 68—39, 380 g/m DWT Fabric IS- 7406 (Part II)—1986	
41. 2015730	89-08-16	M/s. Kanpur Plastipack Limited, D-19-20, Panki Industrial Area, PO: Udyog Nagar, Kanpur-208022	-do-	
42. 2015831	89-09-01	M/s. The Punjab Paint Colour & Varnish Works, Kanpur.	Varnish finishing extra synthetic, Air Drying IS: 524—1983	
43. 2015932	89-09-01	M/s. Madhu Sudan Industries, 2, Ellayud Mudali Street, Madras-600081 (Office: 91, Godown Street, Madras-600001)	Zinc sulphate agricultural grade IS: 8249—1976	
44. 2016025	89-09-01	M/s. Berger Chemicals (P) Ltd., No. 3, Soma Sundram Street, T. Nagar, Madras-600017.	Liquid toilet soap. IS: 4199—1974	
45. 2016126	89-09-01	M/s. B.A. Enterprise South Station Road, Agarpara (Solpata Begen) 24-Parganas (West Bengal)	Steel doors window and ventilators IS: 1038—1983	

1	2	3	4	5
46. 2016227	89-09-01	M/s. The Hooghly Mills Co. Ltd., (Unit: Gondalpara Jute Mill) Gondalpara-712137 Distt. Hooghly (W.B.) (Office: 10, Clive Road, Calcutta-700001)	Jute tarpaulin fabric (407 g/m <sup>2</sup> ) 85 × 39 IS: 11170—1985	
47. 2016328	89-09-01	M/s. Westinghouse Suxby Farmer Ltd., 17, Convent Road, Entally, Calcutta-700014.	Performa requirements for constant speed compressives ignition (diesel) engine for agricultural purposes (Upto 20 kw) IS: 11170—1985	
48. 2016429	89-09-01	M/s. Nundi Pumps, 2-43/1, Nizampet Road, Hyderabad Hydernagar, Balanagar Mandal R R Distt. (Office: 8-3-319/8/12A, Yellaseddyguda Hyderabad-500873)	Submersible pumps sets for clear, cold fresh water IS: 8034—1976	
49. 2016530	89-09-01	M/s. Jiwa Appliances Ltd., Plot No. 12/14, R.S. No. 43 Nagargaon Lonavola-410401 (Office: 384, Dongre Building, Lomington Road, Bombay-400007)	Domestic electric food mixture IS: 4250—1980	
50. 2016631	89-09-01	M/s. Modi Cement Limited, Modigram (Rawan) Pin code No. 493331 Distt. Raipur (M.P.)	Portland slag cement IS: 455—1976	
51. 2016732	89-09-01	M/s. Hycount Plastics & Chemicals, Kilkilloos Quilon-691004	Unplasticised PVC pipes for potable water supply IS: 4985—1981	
52. 2016833	89-09-01	M/s. Galaxy Power Cables Ltd., Dharahera Indl. Complex, Distt. Mohindergarh Dharuhera (Haryana) (Office: A-23, New Shopping Complex, Defence Colony, New Delhi-110024)	XLPE cables for working voltage upto and including 100 Volts IS: 7098 (Part I)—1977	
53. 2016934	89-09-01	M/s. Express Cables Pvt. Ltd., Calcutta Neora Distt. Patna (Office: 51, Sterhea House 4, B.B.D. Bag East Calcutta)	Aluminium conductors galvanized steel re-inforced for overhead transmission purposes. IS: 398 (Part II)—1976	
54. 2017027	89-08-01	M/s. Chelpark Co. Pvt. Ltd., B-195, Phase II, Noida-201301 (U.P.)	Dye based-fountain pen ink IS: 1221—1971	
55. 2017128	89-09-01	M/s. Modern Poly Industries, 62/B/1/A, J.N. Mukherjee Road, Ghusuri, Howrah-711107 (Office: 68 Cotton Street, Calcutta-700007)	Laminated bags manufactured from 407 g/m <sup>2</sup> 85 × 39 tarpaulin fabric IS: 7406 (Pt II)—1984	
56. 2017229	89-09-01	-do-	Laminated bags manufactured from 380 g/m <sup>2</sup> , 68—39 tarpaulin fabric IS: 7406 (Pt II)—1986	
57. 2017330	89-09-01	M/s. Oyster Packoger (P) Ltd., 493, G.T. Road, Sibpur, Howrah (Office: 27, Bentinck Street, Calcutta-700001)	Laminated jute bags manufactured from 407 g/m <sup>2</sup> , 85 × 39 jute tarpauline fabric IS: 7406 (Pt I)—1974	
58. 2017431	89-09-01	-do-	Laminated jute bags manufactured from 380 g/m <sup>2</sup> , 68 × 79 jute tarpaulin fabric IS: 7406 (Pt II)—1986	
59. 2017532	89-09-01	M/s. The Empire Jute Co. Ltd., 15, Barrackpore Trunk Road, P.O.: Talpukur, 24-Parganas (N) (Office: 6-B, Clive Row, Ground floor, Calcutta-700001).	Jute bags for packing cement IS: 2580—1982	



1	2	3	4	5
60.	2017633	89-09-01	M/s. Ganapati Packing Industries, 493, G.T. Road, Shibpur, Howrah (Office: 132, Cotton Street, Calcutta-700007)	Laminated jute bags manufactured from 407 g/m <sup>2</sup> , 85 × 39 jute tarpaulin fabric IS: 7406 (Part I)—1984
61.	2017734	89-09-01	M/s. Sudarshan Enterprises, Calcutta, Factory-2, Chingrighata Lane, Calcutta-700015. (Office: 34, Beertolla Street, Calcutta-700007)	Canvas shoe, rubber sole IS: 3775—1984
62.	2017835	89-09-01	M/s. Anja Lucifer Industries, D No. 19, Venkateswar Puram Srivilliputhur, Kamraj Distt. (Office: 110, Kamaraj Road, Sivakasi-626123, Dist. Kamraj)	Safety matches in boxes IS: 2653—1980
63.	2017936	89-09-01	M/s. R.V. Chicory Industry, No. 35, III Stage, Industrial Suburb, Mysore South, Mysore-570008	Roasted chicory powder IS: 612—1983
64.	2018029	89-09-01	M/s. Chotanagpur Chemicals & Industries (P) Ltd., Marar, Hazaribagh (Bihar)	Alumina-ferric, grade 2 IS: 299—1980
65.	2018130	89-09-01	M/s. Ankur Electricals, Vadodara-Padra Main Road, Main Road, Padra-391440 Distt. Baroda.	Switches for domestic and similar purposes IS: 3854—1966
66.	2018231	89-09-01	M/s. Sri Arvee Electrodes Ltd., P.B. No. 11, Karamadai P.O., Coimbatore-641104	Covered electrodes for metal arc welding of structure steel, maximum size 6.3 mm IS: 814 (Pt I)—1974
67.	2018332	89-09-01	M/s. Singh & Singh, 100-F, Industrial Estate, Govindpura, Bhopal-462023 (MP)	Ink, duplicating, for twin cylinder rotary machines IS: 1222—1973
68.	2018433	89-09-01	M/s Ruchika Cables, B-48, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi—110033	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts armoured and unarmoured with Copper Conductor including cables for low temperature conditions IS : 1554(Pt. I)—76
69.	2018534	89-09-01	M/s Sonia Electricals, 2875-A, Sant Nagar, Rani Bagh, Delhi-110034.	Switch-socket outlets (non-interlocking type) 15A rating, flush type IS : 4615—1968
70.	2018635	89-09-01	M/s Anand Electrical Industries, 117, Tulsī Ram Bhawan, Najafgarh Road, Industrial Area, New Delhi-110015	Switch socket outlets (non-interlocking type) 5 amp and 15 amp rating, flush type IS : 4615-68
71.	2018736	89-09-01	M/s Gwallor Transmission System (P) Ltd., A-5, Phase-II, Noida, (Distt. Ghazlabad)	Aluminium conductors for overhead purposes, aluminium conductors galvanised steel reinforced. IS : 398 (Pt II)—76
72.	2018837	89-09-01	M/s Ajit Cotton Ginning Pressing Dallan Steel Rolling Mills, Mani Gobindgarh. (Punjab)	Structural steel sections (high tensile) in hot rolled condition, (excluding hzmaliza <sup>1</sup> condition) grade Fe 540-HT and 570-Licence may come angles Tees, IS : 961—75
73.	2018938	89-09-01	M/s Henna Metal & Steel Works, 200, Globe Colony Industrial Area, Jalandhar	Gun metal gate valves, class I, screwed and sizes upto and including 50 mm IS : 778—1984
74.	2019031	89-01-01	M/s Kalpaka Lamp Works, Tallparamba-670141 Cannanore (Dist.)	GLS lamps, 40 and 60 W rating 230V, coiled coil IS : 418—78

1	2	3	4	5
75.	2019132	89-09-01	M/s Production Centre for Electric Motors, Tiruvalla-689105 (Kerala)	Single phase, capacitor start and induction run, class E, AC motors upto 0.75 kw IS : 996-1979
76.	2019233	89-09-01	M/s Himalaya Asbestos Cement Products (P) Ltd. E-179-180, Jaitpura Indl. Area, Jaitpura, Jaipur (Rajasthan)	AC pressure pipes, sizes 80 mm to 150 mm class 10 IS : 1592-80
77.	2019334	89-09-01	M/s Krislar Diesel Engines Pvt. Ltd., 341, Waltax Road, Madras-600079 (Office: New No. 55, New Avadi Road, Madras-600010)	Single cylinder, vertical, water cooled, four stroke, constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes, model-KD1, output 3.7/5 (kw/HP), direct injection, 1500 rpm, SFC g/kwh 240, efficiency (%)80(A), rating 'A', Class of governing 81 IS : 11170-85
78.	2019435	89-09-01	M/s Broadway Engg. & Transport Co., 428, Patel Road, Coimbatore-641009 (Office: 5/5 Old post office Road, Coimbatore-641009)	Three-phase induction motor class A, insulation, upto and including 5.5 kw output rating, class A insulation IS : 7538-1975
79.	2019536	89-09-01	M/s Associated Cement Companies Limited, Mancheril Cement Works, P.O. : Mancheril-504209 Adilabad Distt. (A.P.)	Sulphate resisting portland cement IS : 12330-88
80.	2019637	89-09-01	M/s Deccan Cements Ltd., Bhavanipuram, P.O. : Janpahad-508218 Nalgonda Distt. (A.P.) (Office : Deccan Chambers, 6-3-666/B, Somajiguda, Hyderabad-500482.	53 grade ordinary portland cement IS : 12269-87
81.	2019738	89-09-01	M/s Reliance Engineers, 84-85, Peenya Indl. Area, III Phase, Bangalore-560058 (Office: 120, Cunningham Road' Bangalore-560052)	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100V, sheathed nad unsheathed with copper conductor excluding cables for use at low temperature/ outdoor ConditionIS : 694-77
82.	2019839	89-09-01	M/s -do-	PVC insulated (heavy duty) cables for working voltages upto and including 1100V armoured and unarmoured, with copper conductor excluding cables for use at low temperature. IS : 1554 (Pt 1)-76
83.	2019940	89-09-01	M/s Raj Pipe Industries, Plot No. 5-20, M.I.D.C. Area, Kudal, Distt. Sindhudurg-416550 (Maharashtra)	UPVC pipes, class 2, sizes 63 to 110 mm, with plain ends IS : 4985-81
84.	2020016	89-09-01	M/s Reliance Cables Conductors Pvt. Ltd., 20-B, Mahim Taluka, Palghar (W) Distt. Thane (Office: 4, Chintamani Bldg., 2nd Bhoiwāda, Bombay-400002)	All aluminium conductors IS : 398 (Pt I)-76
85.	2020117	89-09-01	M/s Kas Electricals (India) Regd., 9/37, Shalimar Industrial Area, Gali No. 2, Hiderpur, Main Road, Delhi-110052.	Three pin plugs and socket outlet: (i) 5 Amp and 15 Amp, 250Volt AC flush type and surface type three pin socket outlets (ii) 5 Amp and 15 Amp 250 Volt three pin plug. IS : 1293-1967
86.	2020218	89-09-01	M/s -do-	Switches for domestic and similar purposes 5 amp and, 15 amp/volt, flush type, ac IS : 385-1966
87.	2020319	89-09-01	M/s Reliance Cables & Conductors (Pvt.)—Ltd., 20B-, Mahim Taluka, Palghar (W), Distt. Thane (Office : 4, Chintamani Bldg., 2nd Bhoiwade, Bombay-400002).	Aluminium conductors, galvanised steel reinforce.] for overhead transmission purposes. IS : 398 (Pt. II)-76

1	2	3	4	5
88.	2020420	89-09-01	M/s Marvel Cables & Conductors Pvt. Ltd. CIB/243/20, G.I.D.C., Estate, Wadhodia, Distt. Baroda (Gujarat).	Aluminium stranded conductor, AAC IS : 398 (Pt 1)-76
89.	2020521	89-09-01	M/s Chain Enterprises, D.S. Construction Compound, Dharmpur Road, Abrama, Distt. Valsad-396001	Ceiling roses, 5A, rating, 250V AC surface mounting type IS : 371-1979
90.	2020622	89-09-01	M/s Apar Pvt. Ltd., Vil Pansora, Nr Nadiad East, Distt. Kheda (Gujarat) (Office: Dharamsingh Park, N.H. No. 8, P.B. No. 3, Nadiad-387001)	High pressure sodium vapour lamps, 250 Watts, 50N type only. IS : 9974 (Pt 1)-81
91.	2020723	89-09-01	M/s Woodcraft products, Ltd., P.O. Ledo, Distt : Dibrugarh (Assam) (Office: 9/1 R.N. Mukherjee Road, 7th floor, Calcutta-700001).	Plywood for concrete shuttering IS : 4990-81
92.	2020824	89-09-91	M/s V.V.S. Iron Works (P) Ltd., C/o Singhavi Chemical Industries Ltd., III Junction, Visakhapatnam (Office: B-6, Industrial Estate, Visakhapatnam-530007)	(i) Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes, sizes 75 and 100 mm (ii) Fitting of the following type: (a) Equal branches with and without access door (Q=92 10/2) (b) Short radius bend with and without access door, Q=95° (c) Oval access doors. IS : 1729-1979
93.	2020925	89-09-01	M/s Vikrant Tyres Ltd., K R S Road, Metagalli, Mysore-570016 (Office: 'VIRKANT HOUSE', No. 54, 1st Main Road, Mysore-570002)	Truck types and light truck tyres IS : 10914(Pt 2)-85
94.	2021018	89-09-01	M/s Water Link Products, 5/139, Industrial Area, Jalandhar-144004	Horizontal centrifugal pump (belt driven) Type COLF, size 100 × 80mm duty point H=14.0m, Q=16.5 l/sn%=63, P1=3.6 kw rpm=1200, head range=11.2/14.7 m, Discharge=18.0/12.0 l/s prime mover rating 5.6/7.5 kw/hp IS : 6595-80
95.	2021119	89-09-01	M/s Gobind Enterprises, G-22, Sector IX, Noida-201301	450, mm, single phase, class E insulation, propeller type ec ventilating fan IS : 2312-67
96.	2021220	89-09-01	M/s Capital Meters Pvt. Ltd., Plot No. 17, Block A, Sector IX, Noida-201301	Three phase watthour meter, class 2.0, 3 × 240 V of following description and rating: (a) Whole current meters basic current 10 Amps and 30 Amps (b) Transformers operated, 5A basic current. IS : 722 (Pt III)-77
97.	2021321	89-09-01	M/s Associated Cement Companies Ltd., Wadi Cement Works, Wadi, Gulbarga Distt-585225 (Office: Cement House, 121, Maharshi Karve Road, Bombay-4)	43 grade ordinary portland cement IS : 8112-76
98.	2021422	89-09-01	M/s Associated Cement Companies Ltd., Shahabad Cement Works, Shahabad, Gulbarga Distt-585225 (Office: Cement House, 121, Maharshi Karve Road, Bombay-4)	43 grade ordinary portland cement IS : 8112-76

1	2	3	4	5
99.	2021523	89-09-01	M/s The Bombay Oil Industries Ltd., Lal Bahadur Shastri Marg, Bhandup, Bombay-400078. (Office: Kanmoor House, 281-87 Narsi Natha Street, Bombay-400009)	Bitumen emulsion for roads (cationic medium) setting type (MS) IS : 8887-78
100.	2021624	89-09-01	M/s Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., Pesticides Formulation Unit. Nr. I.T.I., H.N. No. 8B, Gondal-360311 (Gujarat)	Endosulfan 35% EC, IS : 4323-80
101.	2021725	89-09-01	M/s Gujarat PVC Products, Plot No. 81 GIDC, Chitra, Bhavnagar-364004 (Gujarat).	UPVC pipes for potable water supplies, class 3, sizes upto and including 100 mm OD IS : 4985-81
102.	2021826	89-09-01	M/s Gujarat High Tech Industries Ltd., Post Box No. 26, Kodinar-362720 Dist Amereli-(Gujarat)	Sulphate resisting portland cement IS : 12330-88
103.	2021927	89-09-01	M/s Harjas Private Ltd., Vill & P.O. Majra, Teh Kharar, Distt Ropar (Office: 302, Sector 9-D, Chandigarh)	Compounded feeds for cattle, type 2 (Mesh and Pellet) IS : 2052-79
104.	2022020	89-09-01	M/s The Champdany Industries Ltd., (Unit: Wallington Jute Mill), Rishra, Distt Hooghly-712248. (Office: 25 Princep Street, Calcutta-700072)	Jute Tarpaulin fabric, 407 g/m <sup>2</sup> 85 X 39 IS : 7407 (Pt II)-80
105.	2022121	89-09-01	M/s Magna Chemical Manfrs (P) Ltd., A-112 & A-113, PIPDIC Industrial Estate, Mettupalayam, Pondicherry-605009 (Office: 46, Wallejab Road, Madras-600002).	Sodium metabisulphite, food grade IS : 4752-68
106.	2022222	89-09-01	M/s Bangalore Pesticides Ltd., 16th km, Tumkur Road, Bangalore-560073. (Office: 170, 10th Main, 2nd cross, Rajamahal Vilas Extn., Bangalore-560080)	Carbaryl 50% WDP IS : 7121-73
107.	2022323	89-09-01	M/s Hindustan Ciba-Geigy Ltd., Corlim, Il has, Goa-403110 (Office: 14-J. Tata Road, Royal Insurance Bldg., Bombay-400020).	Ziram colloidal suspension IS : 11010-84
108.	2022424	89-09-01	M/s Punjab Pesticides Industrial Co-op Society Pvt. Ltd., Village: Khanpur, Tehsil Kharar, Distt. Ropar (Office: SCO 365-66, Sector 35-B, Chandigarh).	IS : 6177-81
109.	2022525	89-09-01	M/s Punjab Pesticides Industrial Co-op Society Ltd., Village : Khanpur, Tehsil : Kharar, Distt. Ropar (Office : SCO 365-66, Sector 35-B, Chandigarh).	Malathion 25 % WDP IS : 2569-78
110.	2022626	89-09-01	M/s Evid and Company Chemical Ltd., Plot No. 6230/6231 & 6215, G.I.D.C., Ankleshwar-393002.	Isoproturon 75 % & 50 % WP. IS : 11995-87
111.	2022727	89-09-01	M/s Gujarat Agro Industries Corp. Ltd., Pesticides Formulation Unit, Nr. I.T.I., N.H. No. 8-B, Gondal-360311 (Gujarat)	Fevalenat 20% EC IS : 11997-87
112.	2022828	89-09-01	M/s Ceat Tyres of India Ltd., 82 MIDC Industrial Estate, Satpur, Nasik-422007. (Office: Bhandup, Bombay-400078).	Passenger car types IS : 10914 (Pt 3)-85

1	2	3	4	5
113.	2022929	89-09-01	M/s Piriyadarshni Cabel Industries , 32/3-E, Azad Nagar, Kanti Nagar Road, Delhi-110051. (Office: 33-A, East Azad Nagar, Delhi-110051)	Elastomer insulated Cables for working voltages upto and including 1100 volts IS : 9968 (Pt I)-81
114.	2023022	89-09-01	M/s Associate, Cement Companies Ltd., Wadi Cement Works, Wadi, Distt Gulbarga-585225. (Office: Cement House, 121, Maharshi Karve Road, Bombay-4.)	53 grade ordinary portland cement IS : 12269-87
115.	2023123	89-09-01	M/s N C L Industries Ltd., Simhapuri, Huzurnagar Taluq, Nalgonda Distt-AP (Office: 7th floor, Raghavaratna Towers, Chirag Ali Lane, Hyderabad-500001)	53 grade ordinary portland cement IS : 12269-87
116.	2023224	89-09-01	M/s Nirmal Steel Tubes, (India) Ltd., A-353-A, Industrial Area, Bhiwadi, Distt. Alwar (Rajasthan)	Mild steel tubes, medium and heavy class black with plain end IS : 1239 (Pt I)-79

[No. CMD/13 : 11]

का.भा. 1872 :- भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 4 के उपविनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्-  
द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

## अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	वैधता की अवधि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु प्रक्रिया और सम्बन्ध भारतीय मानक की संख्या
1	2	3	4	5
1.	2046236	89-11-16	हेक्सट इंडिया लि., प्लॉट नं. 3501 से 3515 और 6301 से 6314, जी.आई.डी.सी., अंकलेश्वर, जिला भरन	आईसोप्रोपासूराब 75% डब्ल्यू पी आई एस : 11995-1987
2.	2046337	89-11-76	एसोसिएटेड सीमेंट कम्पनीज लि., लखारी सीमेंट वर्क्स, डा. लखारी, जिला बूँधी	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट आई एस : 8112-1976
3.	2046438	89-11-16	मै. राजा स्टील वर्क्स, जी.टी. रोड, मंडी गोविन्द गढ़, जिला पटियाला	संरचना इस्पात (मानक किस्म) आई एस : 226-1975
4.	2046639	89-11-16	कुमार पेम्पस (इंडिया) प्रा. लि., एस-10, इंडस्ट्रियल एरिया, साइट नं. 1, बुलन्दशहर रोड, गाजियाबाद	सीमेंट रागन आई एस : 5410-1969
5.	2046640	89-11-16	पंपीटर पम्पस, 30 मजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	कृषि प्रयोजनों हेतु अपकेयरी पम्प के लिए तीन फंजी स्विचरित पिजरी प्रेरण मोटर आई एस : 7538-1975
6.	2046741	89-11-16	ड्यूरेबल इलेक्ट्रिकल्स प्रा.लि., 16/5 मयुरा रोड, फरीदाबाद-121002	प्रणोदक टाइप एसी संवाती पम्प, एक फंजी आई एस : 2312-1967
7.	2046842	89-11-16	उन्नति इंजीनियरिंग कं., 1 राममेश एस्टेट, गुजरात मेटल वर्क्स, मधुसूदन टेक्सटाइल्स के सामने, भारती रोड, भारोबा रोड, महमदाबाद	कृषि प्रयोजनों के लिए ताजे, साफ, ठंडे पानी के लिए मोमोसेट पम्प आई एस : 9079-1989

1	2	3	4	5
8.	2046943	89-11-16	जय उद्योग ट्रेडिंग कारपोरेशन, एम-2/1 इंड. एरिया, जालंधर—144004	तांबा मिश्र धातु के गेट वाल्व आई एस : 778-1984
9.	2047036	89-11-16	सुलेख इंडस्ट्रीज, 116 इंड. एरिया, चंडीगढ़	1100 बो तक कार्यकारी वोल्टता के लिए एल्यु- मीनियम चालकों वाली पी बी सी रोधित खोलदार और खोलरहित केबल आई एस : 694-1977
10.	2047137	89-11-16	गुजरात कृषि कैम कारपो., (प्रो. स्कोट फार्मास्यूटिकल्स लि.) वा पी (गुजरात)	माइपरमेथिन 25% आई एस : 12016-1987
11.	2047238	89-11-16	—वही—	पलूक्लोरलिन 45%ई सी आई एस : 8959-1978
12.	2047339	89-11-16	मोहन टिन फैक्ट्री, जी.टी. रोड, ओल्ड ओक्टराई, अमृतसर (पंजाब)	वनस्पति और खाद्य तेलों के लिए 15 कि. ग्रा. के चौकोर कनस्तर आई एस : 10325-1982
13.	2047440	89-11-16	कोसन एड. लि., बम्बई फूड प्रामिसेस कटारगाम सूरत	ब्रपैगै सिलिडर के साथ प्रयुक्त वाल्व फिटिंग आई एस : 8776-1978
14.	2047541	89-11-16	जनता स्टील मिल्स लि., पो.ब.न. 705, 20/501, दत्त सां मिल रोड, कालाली, कालीकट,	सरचना इस्पात (मानक किस्म) आई एस : 226-1975
15.	2047642	89-11-16	—वही—	सी टी डी के सरिए आई एस : 1786-1985
16.	2047743	89-11-16	जे के इंडस्ट्रीज लि., डा. टायर फैक्ट्री, काकरौली, जे.के. पुरम, जिला उदयपुर	मोटरवाहन हेतु हवा भरे टायर आई एस : 10914 (भाग 3)-1988
17.	2047844	89-11-16	इडस ट्यूब्स लि., जी.टी. रोड, छपरा, जिला गाजियाबाद	यांत्रिक और सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिए इस्पात के पाइप आई एस : 3601-1984
18.	2047945	89-11-16	—वही—	ई आर डब्ल्यू इस्पात पाइप आई एस : 1161-1979
19.	2048038	89-11-16	एग्रोलेक्स प्लांट कं., (राठी काम्पलेक्स, सुभाष रोड) बीदर 431122	पेय जल आपूर्ति के लिए अप्लास्टीक पी बी सी के पाइप आई एस : 4985-1981
20.	2048139	89-11-16	एलोरा ग्राट इंडस्ट्रीज, 108 बी पार्वती एंड. एस्टेट, पहला तल, सन मिल कंपाउंड, लोअर, पारेल, बम्बई	5ए और 15ए, 250 बो एसी केबल आई एस : 4615-1988
21.	2048240	89-11-16	किशन चंद एंड कं., आयल इंडस्ट्रीज लि., जी.टी. रोड, जालंधर ओक्टराई के पास, लुधियाना (पंजाब)	वनस्पति और खाद्य तेलों के पैकिंग के लिए नम्य थैलियां आई एस : 11352-1982
22.	2048341	89-11-16	मोन्टरी इंडस.लि., ग्रा. तोमान्ता, तहसील-बालाचूर, जिला होशियारपुर	आईसोप्राट्यूरेन, तकनीकी ग्रेड आई एस : 12004-1987
23.	2048442	89-11-16	—वही—	आईसोप्राट्यूरेन डब्ल्यू पी 50% और 75% आई एस : 11995-1987

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
24. 2048543	89-11-16	भारतीय प्लास्टिक, डब्ल्यू जेड 8/4 इंड. एरिया, कीर्तिनगर ,नई दिल्ली	वनस्पति के लिए ब्लो संचकित एच डी पी ई के आधार आई एस : 10840-1986	
25. 2048644	89-11-16	चन्द्रकांत एंड कं., 69 यूनिट इंड. एस्टेट, दूसरा तल, डा. आर.पी. रोड, मुलुंद, बम्बई	सुबाह्य रासायनिक अग्निशामन जल टाइप आई एस : 940-1976	
26. 2048745	89-11-16	विनो सिंघ कैम प्रा.लि., टी टी सी एरिया ठाणे-बेलापुर रोड, जिला ठाणे	सन्सैट पीला, एफ सी एफ खाद्य ग्रेड आई एस : 1695-1974	
27. 2048846	89-11-16	ओसवाल वनस्पति एंड जनरल इंड, जी.टी. रोड, जुगिआन, जिला लुधियाना	खाद्य तेलो और वनस्पति के लिए नम्य पैक आई एस : 11352-1985	
28. 2048947	89-11-16	नवीन कोहली एंड संस, डी-15, पनकी इंड एरिया, साइट नं. 2, कानपुर	फुटवियर के लिए टोकर हेतु इस्पात की रक्षी टोपी आई एस : 5852-1977	
29. 2049040	89-11-16	केनेवस इंडिया एंटरप्राइजेज, लेटेक्स सेंद्रीफ़्यूजिंग यूनिट, कुराट्टी कोर्स कोडावल्लूर	अमोनिया परिरक्षित सांद्र प्राकृतिक रबड़ लेटेक्स आई एस : 5430-1981	
30. 2049141	89-11-16	राजगिरी रबड़ एंड प्राइव्स कं. लि., शैलिकेरी एस्टेट डा. पिन-691305	कच्ची प्राकृतिक रबड़ आई एस : 4588-1977	
31. 2049242	89-11-16	मित्तल एंटरप्राइजेज, ई-81 इंडप्रस्थ इंड. एरिया, कोटा -324005	रोगन के लिए जिकआक्साइड आई एस 35-1975	
32. 2049343	89-11-16	कुमार इंडस्ट्रीज, खसरा नं. 33/9 एंड 33/12 भावना रोड, सामीपुर (शाहबाद ग्री के पास)	दंड वितरण फ्यूज बोर्ड और अतिवोल्टता हेतु आई एंड : 2675-1983	
33. 2049444	89-11-16	एल्कान प्रा.लि., बी 33 नंद भवन इंड. एस्टेट, महाकाली रोड, अंधेरी, बम्बई-400093	शारीर स्तरीय श्रवण सहायकांग आई एस : 10775-1984	
34. 2049545	89-11-16	इयुरेबल इलेक्ट्रिकल्स प्रा.लि., 16/5 मथुरा रोड, फरीदाबाद	एक फैंजी छोटे ए सी पंखा ड्यूटी बिजली की मोटर आई एस : 996-1976	
35. 2049646	89-11-16	दि इंडियन एल्युमिनियम केबल्स, 12/1 मोल का पत्थर, मथुरा रोड, फरीदाबाद	110 वो तक कार्यकारी वोल्टता के लिए एल्युमि. नियम चालकों वाला खोलदार और खोलरहित पी वी सी रोधित केबल आई एस : 694-1977	
36. 2049747	89-11-16	रसोई लि., रसोई वनस्पति फैं., 1 स्टेशन रोड, कलकत्ता	वनस्पति और खाद्य तेलों के लिए नम्य पैक आई एस : 11352-1985	
37. 2049848	89-11-16	एकमें सीमेण्टेशन इंडिया (प्रा.) लि., प्रा. सड़क घोघली, देहरादून रोड, सहारनपुर (उ.प्र.)	आर सी सी पाइप आई एस : 458-1971	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
38	2049949	89-11-16	एम.एन. कंठकटर्स, 190 इंड. एरिया, फेज-1, पंचकुला (हरियाणा)	फिशरोपरि प्रेषण के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम चालक आई एस : 398(भाग 2) 1976
39	2050025	89-11-16	उपहार फूड्स प्रा.लि., 1104 जी.आई.डी.सी. इंड. एरिया, भुज नगर रोड, भुज-कच्छ-37001	बिस्कुट आई एस : 1011-1981
40.	2050126	89-11-16	बरमाट्रिप मर्किट डेक्स मैन्यु. कं. (प्रा.) लि., 4 बासन उद्योग भवन, सन मिल कंपार्टमेंट, तुलसी पाइप रोड लीमर, पारेल बम्बई	प्रतिलिपु परिपथ विभोजक आई एस : 8828-1978
41.	2040227	89-11-16	मिड इक्स, बी-17 एम आई डी सी एरिया, स्टेशन रोड (रेलवे स्टेशन के पास) औरंगाबाद	दो सिलिंडर वाली पूर्ण मशीन के लिए स्पाही बुलीकेटिंग आई एस : 1222-1973
42	2050328	89-11-16	एसीमर हैबल्स इलेक्ट्रिकल्स, 7 तिलक नगर इंड. एरिया, नई दिल्ली	ए सी बिजली के मीटर आई एस 722 (भाग 2') -1977
43.	2050429	89-11-16	सी एल ए टेली लिक्स इंडिया (प्रा.) लि., डी-3 व 4 सेक्टर, 10, नौएडा (उ.प्र.)	1100 बी तक कार्यकारी बोल्डता के लिए एल्युम मीनियम और तंबा चालक वाली खोलदार और खोलरहित पी बी सी रोधित केबल, बाहरी और अल्पताप उपयोग को छोड़कर आई एस : 694-1977
44.	2050530	89-11-16	प्लाजा केबल इंडस्ट्रीज, प्रा. एवं डा. रिताला रोहिणी, दिल्ली	पी बी सी रोधित हैवी ड्यूटी बिजली की केबल आई एस : 1554 (भाग 1) -1976
45.	2050631	89-11-16	ग्रामर इलेक्ट्रिकल्स इंड., सुंदर मोटर कैरेज कंपाउंड, भकुल रोड, हाइवे रोड, फंडीवली (2) बम्बई	घरेलू और ऐसे ही प्रयोजनों के लिए स्विच आई एस : 3856-1966
46.	2050732	89-11-16	कॉकण्डा पेस्टीसाइड्स, ए-4 एम आई डी सी, महाद, जिला रायगढ़	मोनोकोटोफॉस 36 % एस एल आई एस : 8074-1983
47.	2050833	89-11-16	सीकी केबल्स इंडिया, 396 एम बाग, गुड्स गेज रोड, सखजऊ	पी बी सी रोधित केबल्स आई एस : -694-1977
48.	2050934	89-11-16	कैटल फीड प्लांट (राज. डेयरी कॉप डेयरी फेडरेशन लि.), नालगढ़ रेलवे स्टेशन के पास, भीकानेर	पशुओं के लिए मिश्रित पशु आहार आई एस 2052-1979
49.	2050934	89-11-16	प्रेसीडेंट इंडस्ट्रीज, सी-1/30/53-54/3 फेज, जी.आई.डी.सी., नारोडा, अहमदाबाद	कैप्सुल बंद बानेदार 10% फोरेट आई एस : 9359-1980
50.	2051128	89-11-16	प्रकाश टयूब्स लि., प्रकाश नगर, बहादुरगढ़, हरियाणा	लाइन पाइप, सांकेतिक साइज आई एस : 1978-1982
51.	2051229	89-11-16	कॉकण पेस्टीसाइड्स, ए-4, एम.आई.डी.सी., जिला रायगढ़	मिथाइल पैराथियान 50 % ई सी 2865- 1978



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
52. 2051330	89-11-16	आर्मेर इलेक्ट्रिकल्स इंड , सुंदर मोटर रोड, बंगाल, आगुली रोड, हाइवे रोड के पास , कंडीवली (ए ) बम्बई	तीन पिन लाकेट आउटलेट  आई एस . 1293-1967	
53. 2051431	89-11-16	लाइट इंजी एंटरप्राइजेज, 10 बी काप. डब. एस्टेट, उद्योग नगर, कानपुर	वनस्पति के पैकिंग के लिए 15 किगा के कन्स्तर आई एस : 1032-1982	
54. 2051532	89-12-01	उत्कल स्टील लि., सन्तोषपुर डा. बिरसा जिला सुंदरगढ़, (उड़ीसा) आई एस : 1786-1985	संरचना इस्पात (मानक किस्म) आई एस : 226-1975	
55. 2051633	89-12-01	—वही—	उच्च सामर्थ्य विकृत इस्पात के लिए सरिफ आई एस . 1786-1985	
56. 2051734	89-12-01	बयाल इलेक्ट्रिकल्स, 12/19 गीता कालोनी, दिल्ली	सजावटी लाइटिंग आउटफिट आई एस : 5077-1969	
57. 2051835	89-12-01	जुको इंजीनियर्स, जी.टी. रोड, माडल टाउन, अम्बाला शहर	डोर क्लोजर आई एस : 3564-1975	
58. 2051936	89-12-01	बैक्सपोल इंड लि., हजारी बाग रोड, बुटी, रांची	पहिए की बीयरिंग के लिए ग्रीज आई एस : 10647-1983	
59. 2052029	89-12-01	प्रीमियर टायर्स लि., कालामसरे, अलाबे	ट्रक और बस के टायर आई एस : 10914 (भाग 2)-1985	
60. 2052130	89-12-01	जैना सोमेट उद्योग प्रा लि , रेलवे स्टेशन, कुश्मन शहर, जिला नागौर ।	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट आई एस : 269-1976	
61. 2052231	89-12-01	गुजरात एगो इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लि , पेस्टीसाइड्स फार्मूलेशन यूनिट, आई टी आई नेशनल हाइवे के पास, नं. 8 बी गोंडल, जिला राजकोट	अ्युटाकनोर 50% ई सी आई एस : 9356-1980	
62. 2052332	89-12-01	पोरबल डीजल्स प्रा.लि., 193 इंड. एरिया, सेक्टर 1, पीतमपुर जिला धार (म.प्र.)	कृषि प्रयोजनों के लिए साफ, ताजे ठंडे पानी हेतु क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प आई एस . 6505-1980	
63. 2052433	89-12-01	प्रियदर्शीनी सीमेंट लि., सुमपुरम प्रा., कोडागतालुक, नलकोडा जि. (मा.प्र.)	पोर्टलैंड पोर्जोलाना सीमेंट आई एस : 1489-1976	
64. 2052534	89-12-01	ओम मृगन इंडस्ट्रीज, 11 और 12 साठे रोड, रामकृष्णपुरम, गणपति, कोयम्बतूर-641006	कृषि प्रयोजनों के लिए साफ, ताजे, ठंडे पानी के लिए क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प आई एस : 6595-1980	
65. 2052635	89-12-01	सिल्वानिया एंड लक्ष्मण लि., सी-41 फेज-2, नोएडा, जिला गाजियाबाद	सामान्य प्रकाश सेवा के लिए नलिकाकार फ्लोरोसेंट लैम्प आई एस : 2418 (भाग 1)-1977	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
66. 2052736	89-12-01	सुंदराज इंडस्ट्रीज, 17 अबरामपलायम रोड, मंगलपति, कोयम्बतूर-641006	निमज्जय वेमिंग मेट घाई एस : 9283-1979	
67. 2052837	89-12-01	केजरीवाल कंटेनर्स एंड पॉलीमर्स (प्रा. लि.), के. एस. गार्डन, पूर्वीपेड्डी, आमायाम रोड, एनकुलम, कोचीन	पेय जल के लिए अफ्लाक्टिड मुक्त पी पी सी के पाइप घाई एस : 4985-1981	
68. 2052938	89-12-01	हिन्दुस्तान एबरेस्टटूल्स लि., प्रा. ज ठेरा, जिला सोनीपत	जंजीर वाली पाइप रिब घाई एस : 4123-1982	
69. 2053031	89-12-01	बंसत इंजी. इंड. एस्टेट, अरुंधती नगर एस्टेट, अरुंधतीनगर अमरावती, लिपुन-पश्चिम	शिरोपरि प्रेषण के लिए एल्यूमीनियम के लड़खार पालक घाई एस : 398 (भाग 1)-1977	
70. 2053132	89-12-01	अवनार स्पिन पाइप्स, ए-3 इंड. एरिया, माइट-1, मुल्तामपुर रोड, रायबरेली	आर सी सी स्पिन पाइप घाई एस : 458-1971	
71. 2053233	89-12-01	वि केसी पी लि., मेचरला, गुदुर जिला (आ.प्र.)	मलफेट प्रोत्तरोधी पोर्टलैंड सीमेंट घाई एस : 12230-1988	
72. 2053334	89-12-01	एविड एंड कं., कैमीकल्स लि. 6231 और 6215, जी. घाई. डी. सी., अंकलेश्वर 393002	इफिबोन 50% ई सी घाई एस : 90319-1982	
73. 2053435	89-12-01	रिलाइंस जूट एंड इंडस्ट्रीज लि., डा. चाटपाड़ा, जिला 24 परगना (प. बं.)	जूट टारपुलिन कपड़ा घाई एस : 7407(भाग 3)-1980	
74. 2053536	89-12-01	कैटल फीड प्लांट, मरुधर इंड. एरिया, फेज 2, ग्रामनी, जोधपुर	पशुओं के लिए मिश्रित पशु आहार घाई एस : 2052 -1979	
75. 2053637	89-12-01	प्रियदर्शिनी सीमेंट लि., रामपुरम प्रा. कोडाक तालुक, नवलगोंडा जिला	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट घाई एस : 8112-1976	
76. 2053738	89-12-01	वक्कन सीमेंट्स लि., अवानीपुरम डा. अनपहाड़, नवलगोंडा जिला, (आ. प्र.)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट घाई एस : 8112-1976	
77. 2053839	89-12-01	हमबारी सीमेंट्स लि., वेदावनी ग्राम, जमियावेट मंडल कृष्णा	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट घाई एस : 8112-1976	
78. 2053940	89-12-01	एविड एंड कं., कैमीकल्स लि., 6230, 6231 और 6215, जी. घाई. डी. सी., अंकलेश्वर-393002	मोनोक्रोटोफॉस 36 % एस एल घाई एस : 8074-1983	
79. 2054033	89-12-01	कुकरेजा इंड., 20-बी लाइट इंड. एरिया, धिलार्ड-400026	सामान्य प्रयोजनों के लिए एल्यूमीनियम घाई एस : 2339-1963	

S.O. 1872.—In pursuance of sub-regulation (5) of regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Operative Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licences and the relevant IS : Designation
1	2	3	4	5
1.	2046236	89-11-16	Hoechst India Ltd., Plot Nos. 3501 to 3515 and 6301 to 6314, G.I.D.C., Ankleshwar, Distt. Bharuch	Isoproturon 75% WP— IS : 11995-87
2.	2046337	89-11-16	Associated Cement Companies Ltd., Lakheri Cement Work, P.O. Lakheri, Distt. Bundi	43 Grade ordinary Portland cement - IS : 8112-76
3.	2046438	89-11-16	Raja Steel Works, G.T. Road, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.	Structural Steel (Standard Quality)— IS : 226-75
4.	2046539	89-11-16	Kumar Paints (India) Pvt. Ltd., S-10, Industrial Area, Site No. 1, Bulandshahr Road, Ghaziabad	Cement paint— IS : 5410-69
5.	2046640	89-11-16	Jupitor Pumps 30 Najafgarh Road, New Delhi	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agri- cultural applications— IS : 7538-75
6.	2046741	89-11-16	Durable Electricals Pvt. Ltd. 16/5, Mathura Road, Faridabad-121002	Propeller type ac ventilating fans, single- phase— IS : 2312-67
7.	2046842	89-11-16	Unnati Engineering Co., 1, Ramanesh Estate, Near Gujarat Metal Box, Opp. Madhusudhan Textiles, Shashri Road, Naroda Road, Ahmedabad.	Monoset pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes IS : 9079-1989
8.	2046943	89-11-16	Jai Udyog Trading Corpn., M-2/1 Indl. Area, Jalandhar-144004	Copper alloy gate valves IS : 778-84
9.	2047036	89-11-16	Sukab Industries, 116, Indl. Area, Chandigarh	PVC insulated sheathed & unsheathed cable with aluminium conductors with working voltages upto & including 1100 volts including cables for low temperature IS : 694-77
10.	2047137	89-11-16	Gujarat Krishi Chem Corpn., (Prop. Scott Pharmaceutical P. Ltd.) VAPI (Gujarat)	Cypermethrin 25 % IS : 12016-87
11.	2047238	89-11-16	-do-	Fluchloralin 45 % EC IS : 8959-78
12.	2047339	89-11-16	Mohan Tin Factory, G.T. Road, Near Old Octori, Amritsar (Pb)	15 KG square tins for vanaspati & edible oils IS : 10325-82
13.	2477440	89-11-16	Kosan Industrial. Ltd., Bombay Food Premises, Katargam, Surat	Valve fitting for use with LPG cylinder IS : 8776-78
14.	2047541	89-11-16	Janatha Steel Mills Ltd., P.B. No. 705, 20/501 Dutt Saw Mill Road, Kallai, Calicut	Structural steel standard quality) IS : 226-75

1	2	3	4	5
15.	2047642	89-11-16	Janatha Steel Mills, P.B. No. 705, 20/501, Dutta Saw Mill Road, Kallai, Calicut-673 003.	CTS bars-IS : 1786-85
16.	2047743	89-11-16	J.K. Industries Ltd., P.O. Tyre Factory, Kankrdi, Jay Kaypuram, Distt. Udaipur.	Pneumatic tyres for automotive vehicles IS : 10914(PT. II)-88
17.	2074844	89-11-16	Industrial Tubes, Ltd., G.T. Rd., Chhaprala, Distt. Ghaziabad	Steel tubes for mechanical and general engg purposes IS : 3601-84
18.	2047945	89-11-16	-do-	ERW steel tubes IS : 1161-79
19.	2048038	89-11-16	Agrolex Plant Co. Rathi Complex Subhash Road., BeeJ-431122	Unplasticized PVC pipes for potable water supply IS : 4985-81
20.	2048139	89-11-16	Ellora Art Industries, 108 B. Parvati Indl. Estate 1st Floor, Sun Mill Compound Lower Parle, Bombay.	5A & 15A, 250 volt AC only IS : 4615-88
21.	2048240	89-11-16	Kishan Chand & Co. Oil Industries Ltd., G.T. Road., Near Jalandhar Octroi Post Ludhaina(Pb)	Flexible pouches for packing of edible oil & vanaspati IS : 11352-82
22.	2048341	89-11-16	Montari Indus. Ltd., Village Toansa, Tehsil Balachaur, Distt. Hoshiarpur (Pb)	Isoproturon technical IS : 12004-87
23.	2048442	89-11-16	-do-	Isoproturon WP 50% & 75 % IS : 11995-87
24.	2048543	89-11-16	Bharti Plastics, WZ 8/4 Indl. Area, Kirti Nagar, New Delhi.	Blow moulded HDPE containers for vanaspati IS : 10840-86
25.	2048644	89-11-16	Chandrakant & Co. 69 Unique Indl. Estate, 2nd floor Dr. R.P. Rd., Mulund, Bombay	Portable chemical fire extinguisher water type IS : 940-76
26.	2048745	89-11-16	Vino Synth Chem P. Ltd., T.T.C. Area, Thane-Belapur Rd., Distt. Thane.	Sunset yellow, FCF food grade IS : 1695-74
27.	2048846	89-11-16	Oswal Vanaspati & General Indus. G.T. Rd, Jugiana, Distt. Ludhiana	Flexible packs for packing edible oils and Vanaspati IS : 11352-85
28.	2048947	89-11-16	Navin Kohli & Sons., D-15 Panki Indl. Area, Site No II Kanpur.	Protective steel toe caps for footwear IS : 5852-77
29.	2049040	89-11-16	Cenex India Enterprises, Latex Centrifuging Unit Korattikkora, Kadavalloor	Ammonia preserved concentrated natural rubber latex IS : 5430-81
30.	2049141	89-11-16	Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd., Shalicy Estate P.O. Pin-691305, Punalur	Raw natural rubber IS : 4588-77
31.	2049242	89-11-16	Mittal Enterprises, E-81 Indraprastha Indl. Area. Kota-324 005	Zinc Oxide for paints IS : 35-75
32.	2049343	89-11-16	Kumar Industries, Khasra No. 33/9 and 33/12, Bawana Rd, Samepur (Near Shahbad Village), Delhi	Enclosed distribution fuse board and for voltages IS : 2675-83

1	2	3	4	5
33.	2049444	89-11-16	Elkon Pvt. Ltd., B-33, Nand Bhavan Indl. Estate, Mahakali Rd., Andheri(E) Bombay-400 093	Body level hearing aids IS : 10775-84
34.	2049545	89-11-16	Durable Electricals P. Ltd., 16/5, Mathura Rd, Faridabad	Single-phase small ac fan duty electric motor IS : 996-79
35.	2049646	89-11-16	The Indian Aluminium Cables Ltd., 12/1 Milestone, Mathura Road, Faridabad	PVC insulated cables, sheathed & unshathed with aluminium conductor in- cluding cables for low temperature and outdoor applications for working voltages upto and 1100 volts IS : 694-77
36.	2049747	89-11-16	Rasoi Ltd, Rasoi Vanaspati Ey, 1 Station Rd., Calcutta.	Flexible packs for packing of edible oils and vanaspati IS : 11352-85
37.	2049848	89-11-16	Acme Cementation India (P) Ltd., Village Sarak Dodhli, Dehradun Rd., Saharanpur (UP).	RCC Pipes IS : 458-74
38.	2049949	89-11-16	M.N. Conductors, 190 Indl. Area, Phase I, Panchkula (Haryana).	Aluminium conductors galvanised steel reinforced for overhead transmission purposes IS : 398 (Pt. II)-76
39.	2050025	89-11-16	Upahar Foods P. Ltd., 1104, GIDC Indl. area, Bhuj Nagar Rd., Bhuj-Kutch-370001. (Gujarat).	Biscuits IS : 1011-81
40.	2050126	89-11-16	Versatrip Circuit Breakers Mfg. Co. (P) Ltd. 4, Vasan Udyog Bhavan Sun Mill Compound, Tulsi Pipe Rd. Lower Parol, Bombay.	Miniature circuit brakers. IS : 828-1978
41.	2050227	89-11-16	Print Inks, B-17 MIDC Area, Station Rd., (Near Rly. Station), Aurangabad.	Ink duplicating for twin cylinder rotary Machines. IS : 1222-73
42.	2050328	89-11-16	Elymer Havell's Electricals 7 Tilak Nagar Indl. Area, New Delhi.	AC electricity meters. IS : 722 (Pt 2)-77
43.	2050429	89-11-16	C.L.A. Telelinks India (P) Ltd., D-3 & 4, Sector X, Noida (UP)	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 V, sheathed and unsheathed with aluminium and copper conductor excluding cables for outdoor use & low temperature condi- tions IS : 694-77
44.	2050530	89-11-16	Plaza Cable Industries, Village & P.O. Rithala, Rohini, Delhi.	PVC insulated heavy duty electric cables. IS : 1554 (Pt. I)-76
45.	2050631	89-11-16	Armour Electrical Indus., Sundar Motor Garage Compound, Akurly Rd., Near Highway Rd., Kandivli (E), Bombay.	Switches for domestic and similar purposes IS : 3854-66
46.	2050732	89-11-16	Konkan Pesticides, A-4, MIDC, Mahad, Distt. Raigad.	Monocrotophos 36% SL IS : 8074-83
47.	2050833	89-11-16	Seiko Cables India, 396, Alsh Bagh, Goods Shed Rd., Lucknow.	PVC insulated cables. IS : 694-77

1	2	3	4	5
48.	2050934	89-11-16	Cattle Feed Plant (A unit of Rajasthan Co-op Dairy Federation Ltd.) Near Lalgarh Rly Stn., Bikaner.	Compounded feeds for cattle. IS : 2052—1979
49.	2051027	89-11-16	President Industries, C-1/30/53-54, III Phase, GIDC Estate, Naroda, Ahmedabad.	Encapsulated phorate 10% granules IS : 9359—80
50.	2051128	89-11-16	Prakash Tubes Ltd., Prakash Nagar, Bahadurgarh, Haryana.	Line pipe, nominal size IS : 1978—82
51.	2051229	89-11-16	Konkan Pesticides, A-4, MIDC, Distt. Raigad.	Methyl parathion 50% EC IS : 2865—78
52.	2051330	89-11-16	Armour Electrical Industries Sunder Motor Garage Compound Akurli Rd, Near Highway Rd., Kandivli (E), Bombay.	Three pin socket outlets IS : 1293—67
53.	2051431	89-11-16	Light Engg. Enterprises, 10-B, Co-op Indl. Estate Udyog Nagar, Kanpur.	15 Kg. sq. tin for packing vanaspathi IS : 10325—82
54.	2051532	89-12-01	Utkal Steel Ltd., Santoshpur, P.O. Birsia, Distt. Sundargarh (Orissa).	Structural steel (standard quality) IS : 226—75
55.	2051633	89-12-01	Utkal Steel Ltd., Santoshpur, P.O. Birsia, Distt. Sundargarh (Orissa).	High strength deformed steel bars IS : 1786—85
56.	2051734	89-12-01	Dayal Electricals, 12/19 Gita Colony, Delhi.	Decorative lightiny outfits, indoor domes- tic type with layout lamp holders and lamp shades. IS : 5077—69
57.	2051835	89-12-01	Zuko Engineers, G.T. Road., Model Town, Ambala City.	Door closure. IS : 3364—75
58.	2051936	89-12-01	The Waxpol Industries Ltd, Hazaribagh Road, Butty, Ranchi.	Wheel bearing grease IS : 10647—83
59.	2052029	89-12-01	Premier Tyres Ltd., Kalamassery Alwaye	Truck and bus tyres IS : 10914 (Pt.)—85
60.	2052130	89-12-01	Jaina Cement Udyog P. Ltd., Railway Station Kuchaman City, Distt. Nagpur.	Ordinary portland cement IS : 269—76
61.	2052231	89-12-01	Gujarat Agro Inds. Corpn. Ltd., Pesticides Formulation Unit, Near I.T.I. National Highway No. 8, GONDAL Distt. Rajkot.	Butachlor 50% EC IS : 9356—80
62.	2052332	89-12-01	Porwal Diesels P. Ltd., 193, Indl. Area, Sector 1, Pitampur, Dist. Dhar (MP).	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold water for agricultural purpose, IS : 6595—80
63.	2052433	89-12-01	Priyadarshini Cement Ltd., Rampuram Village, Kodad Taluq, Nalgonda Dist. (AP).	Portland pozzolona cement. IS : 1489—76
64.	2052534	89-12-01	Om Murugan Industries, 11 & 12 Sathy Rd., Ramakrishnapuram, Ganapathy, Coimbatore-641 006.	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural pur- poses. IS : 6595—80
65.	2052635	89-12-01	Sylvania & Laxman Ltd., C-41, Phase II, Noida, Dist. Ghaziabad.	Tubular flourescent lamps for general lighting service. IS : 2418 (Pt. I)—77

1	2	3	4	5
66. 2052736	89-12-01	Soundaraj Industries, 17, Avarampalayam Rd., Ganapathy, Coimbatore-641 006.	Submersible pumpsets IS : 9283—79	
67. 2052837	89-12-01	M/s. Kejariwal Containers & Polymers (P) Ltd., K.S. Garden, Pullepady, Thammanam Rd., Ernakulam, Cochin.	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies. IS : 4985—81	
68. 2052938	89-12-01	M/s. Hindustan Everest Tools Ltd., Vill. Jethera, Distt. Sonapat.	Chain pipe wrenches. IS : 4123—82	
69. 2053031	89-12-01	M/s. Basant Eng. Indl. Estate Arundhatinagar, Agartala, Tripura—West.	Aluminium stranded conductors for over- lead transmission purposes. IS : 398(I)—77	
70. 2053132	89-12-01	M/s. Avtar Spun Pipes A-3 Indl. Area, Site 1, Sultanpur Rd., Raebareli.	RCC spun pipes. IS : 458—71	
71. 2053233	89-12-01	The KCP Ltd., Macherla Guntur Distt. A.P.	Sulphate Resisting Portland cement. IS : 12330—88	
72. 2053334	89-12-01	Evid & Co. Chemicals Ltd., 6230, 6231 & 6215 GIDC Ankleshwar-393 002.	Ethion 50% EC IS : 10319—82	
73. 2053435	89-12-01	Reliance Jute & Industries Ltd., P.O. Beatpara, Distt. 24 Parganas, (W.B.).	Jute tarpaulin fabric IS : 7407 (Pt. III)—80	
74. 2053536	89-12-01	Cattle Feed Plant, Marudhar Indl. Area, Phase II, Basni, Jodhpur	Compounded feeds for cattle IS : 2052—79	
75. 2053637	89-12-01	Priyadarshini Cement Ltd., Ramapuram Village, Kodad Taluq, Nalgonda Distt.	43 grade ordinary portland cement, IS : 8112—76	
76. 2053738	89-12-01	Deccan Cements Ltd., Bhavanipuram, P.O. Janpahal Nalgonda Distt. (A.P.).	43 Grade ordinary portland cement IS : 8112—76	
77. 2053839	89-12-01	Homadri Cements Ltd., Vedadri Village, Jaggaihpur Mandal, Krishna, Distt.	53 grade ordinary portland cement IS : 12269—87	
78. 2053940	89-12-01	Evid & Co. Chemicals Ltd., Plot No. 6230, 6231 & 6215, GIDC Indl. Estate, Ankleshwar.	Monocrotophos 36% SL. IS : 8074—83	
79. 2054033	89-12-01	Kukeroja Indus. 20-B Light Ind. Area, Bhilai-490026	Aluminium paints for general purposes IS : 2339—63	

**वस्त्र मंत्रालय**

नई दिल्ली, 25 जून, 1991

का.प्रा. 1873—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.प्रा. 1585 दिनांक 20 जून, 1989 से निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में,

(क) क्रम सं. 1 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाएगा, अर्थात् :—

“1. श्री एस. नारायणन, अधिनियम की धारा 4(3)(ब) संयुक्त सचिव, } के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा नामित वस्त्र मंत्रालय, } भारत सरकार।”

(ख) अंतिम वाक्य में “श्री पी. शंकर, संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय को बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाता है; शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे :—

“श्री एस. नारायणन, संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय को बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाता है।”

[फा.स. 25012/11/88सिल्क]

परमेश्वरन अय्यर, उप सचिव

**MINISTRY OF TEXTILES**

New Delhi, the 25th June, 1991

S.O. 1873.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Textiles S.O. No. 1585 dated 20th June, 1989.

In the said notification,

(a) For serial No. 1 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :

“1. Shri S. Narayanan Joint Secretary, Ministry of Textiles Government of India.—Nominated by the Central Government under Section 4(3)(b) of the Act.”

(b) In the last sentence, for the words :

“Shri P. Shankar, Joint Secretary, Ministry of Textiles, is appointed as the Vice-Chairman of the Board”, the following words shall be substituted,

Shri S. Narayanan, Joint Secretary, Ministry of Textiles is appointed as the Vice-Chairman of the Board”.

[F. No. 25012/11/88-Silk]

PARAMESWARAN IYER, Dy. Secy.

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 20 जून, 1991

का.प्रा. 1874.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित विद्यालयों/कार्यालयों को जिनमें 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यमाध्यक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. केन्द्रीय विद्यालय

मेघाहातुबुरु

लिजा : सिंह भूम (बिहार)

2. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1

“ओ.ई.एफ. टैगोर रोड, लारमर बाग, कानपुर कैंट

श्रीय विद्यालय नं. 2

वायुसेना केंद्र धारमपुर (जालंधर)

4. केन्द्रीय विद्यालय,

बारामूला—193101 जम्मू व काश्मीर

5. केन्द्रीय विद्यालय,

रामगढ़ फैक्ट-821922 जिला : हजारीबाग

6. केन्द्रीय विद्यालय

सैक्टर 29-ए कण्ठीगढ़-160020

7. केन्द्रीय विद्यालय

ओरवा पोर्ट ओरवा, गुजरात

8. केन्द्रीय विद्यालय

सैक्टर-31 कण्ठीगढ़

9. केन्द्रीय विद्यालय,

भगराखण्ड पो.प्रा. नार्थ, भगराखण्ड (सरगुना) म.प्र.-497 448

10. केन्द्रीय विद्यालय,

न्यू रेलवे कालोनी, साबरमती, अहमदाबाद गुजरात।

11. केन्द्रीय विद्यालय,

लेह-194101 लद्दाख

12. केन्द्रीय विद्यालय,

कुसमुण्डा परियोजना कोबरवा (म.प्र.)

13. केन्द्रीय विद्यालय,

अल्मोडा (उ.प्र.)

14. केन्द्रीय विद्यालय,

मा.री.ई.का. परिसर जयपुर-302017

15. केन्द्रीय विद्यालय,

क.रि.पु.न. बैरक्स हैबराबाद (मान्द्र प्रदेश)

16. केन्द्रीय विद्यालय,

ज्योतिपुरम जम्मू व काश्मीर-182312

[सं. 11011/4/91-उ.भा.ए.]

रमेश कुमार आगिरस, निदेशक (राजभाषा)

**MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT**

(Department of Education)

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1874.—In pursuance of sub-rule 4 of Rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Human Resource Development (Deptt. of Education) more than 80% staff of which has acquired working knowledge of Hindi :

1. Kendriya Vidyalaya,

Meghahatuburu,

Distt. Singh Bhum (Bihar).

2. Kendriya Vidyalaya No. 1,

O.E.F. Tagore Road,

Larmer Bagh, Kanpur Cantt.

3. Kendriya Vidyalaya No. 2,

Air Force Station,

Adampur (Jullundur).

4. Kendriya Vidyalaya,

Baramula-193101,

Jammu and Kashmir.



5. Kendriya Vidyalaya,  
Ramgarh Cantt-829122,  
Distt. Hazaribagh.
6. Kendriya Vidyalaya,  
Sector 29-A,  
Chandigarh-160020.
7. Kendriya Vidyalaya,  
Orwa Port,  
Orwa, Gujarat.
8. Kendriya Vidyalaya,  
Sector-31,  
Chandigarh.
9. Kendriya Vidyalaya,  
Jhargrakhand,  
P.O. North Jhargrakhand,  
(Sarguna) M.P. 497448.
10. Kendriya Vidyalaya,  
New Railway Colony,  
Sabarmati,  
Ahmedabad (Gujarat).
11. Kendriya Vidyalaya,  
Leh-194101 (Laddakh).
12. Kendriya Vidyalaya,  
Kusmunda Project,  
Korba (M.P.).
13. Kendriya Vidyalaya,  
Almora (U.P.).
14. Kendriya Vidyalaya,  
M.R. Engg. College Complex,  
Jaipur-302017.
15. Kendriya Vidyalaya,  
C.R.P.F. Barracks,  
Hyderabad  
(Andhra Pradesh).
16. Kendriya Vidyalaya,  
Jyotipuram,  
Jammu and Kashmir-182312.

[No. F.11011/4/91-OLU]

R. K. ANGIRAS, Director (O.L.)

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का.भा. 1875—इस विभाग की समय-समय पर संशोधित दिनांक 10 फरवरी, 1988 की अधिवृत्तना सं. नि.सं. 13-35/87-खेल-IV में और आये निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है :—

“सबरों की सूची क्रम सं. 20 में संयुक्त सचिव (खेल) युवा कार्यक्रम और खेल विभाग (सहस्य-सचिव और कोषाध्यक्ष) के समक्ष “श्रीमती उमा चतरज” के स्थान पर “श्रीमती नीमा रंजन” का नाम प्रतिस्थापित किया जाता है।

[मि.सं. 13-18/91-खेल-IV]  
संतोष कुमार, निदेशक (खेल)

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 19th June, 1991

S.O. 1875.—This Department's Notification No. F. 12-35/87-SP-IV dated the 10th February, 1988 as modified from time to time is hereby further partially modified as follows:—

“In the list of Members at Serial No. 20 against Joint Secretary (Sports), Department of Youth Affairs  
1607 GI/ 1—5

and Sports (Member Secretary and Treasurer) the name of ‘Smt. Neena Ranjan’ is substituted in place of ‘Smt. Usha Chattrath’.

[No. F. 13-18/91-SP-IV]

SANTOSH KUMAR, Director (Sports)

## कृषि मंत्रालय

(उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, 18 जून, 1991

का.भा. 1876—सार्वजनिक परिसर (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवकाली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा अधोलिखित तालिका के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के दर्जे के समकक्ष अधिकारी हैं, को कृषि अधिनियम के उद्देश्य के लिये सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है जो कृषि तालिका के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सार्वजनिक परिसर के संबंध में प्रदत्त अधिकारों का अनुप्रयोग करेगा और उक्त अधिनियम के तहत अथवा द्वारा सम्पदा अधिकारी को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करेगा।

## तालिका

अधिकारी का पदनाम	सार्वजनिक परिसर की श्रेणियाँ
(1)	(2)
श्री एच. एस. मिश्रा, उप-महा-प्रबंधक, (कार्मिक एवं प्रशासन) पारादीप फास्फेट लिमिटेड, पारादीप (उड़ीसा)	पारादीप फास्फेट्स लिमिटेड और इसके संयंत्र और टाउनशिप का परिसर अथवा उनके द्वारा या उनकी ओर से पट्टे पर लिया गया परिसर।

[का.सं. 124/5/90-एफ. बी.सी.]

एन्थोनी लियानजुआला, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Fertilizers)

New Delhi, the 18th June, 1991

S.O. 1876 —In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer specified in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to be estate officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officer by or under the said Act, in respect of Public premises specified in column (2) of the said Table—

## TABLE

Designation of the Officer	Categories of Public premises
(1)	(2)
Shri H.S. Mishra, Deputy General Manager, (Personnel & Administration) Paradeep Phosphates Limited, Paradeep, ORISSA.	Premises belonging to, or taken on lease, by or on behalf of the Paradeep Phosphates Limited and its plants and township.

[F. No. 124/5/90-FDC]

ANTHONY LIANZUALA, Under Secy

(कृषि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1991

का.प्रा. 1877—उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 की धारा 2 की उपधारा (२) के अमूर्णन में केन्द्र सरकार श्री रवि मोहन सेठी, संयुक्त सचिव (उर्वरक और बीज) कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) को श्री के.जी. कृष्णामूर्ति के स्थान पर दिनांक 3-6-1991 से उर्वरक नियंत्रक नियुक्त करती है।

[संख्या 1-7/91-उर्वरक विधि]

पी.आर. रामास्वामी, अपर सचिव

(Department of Agriculture &amp; Cooperation)

ORDER

New Delhi, the 27th June, 1991

S.O. 1877.—In pursuance of sub-clause (e) of clause 2 of the Fertiliser (Control) Order, 1985, the Central Government hereby appoints, with effect from 3-6-1991, Shri R. M. Sethi, Joint Secretary (Fert. & Seeds) Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) as Controller of Fertilisers vice Shri K. G. Krishnamoorthy.

[No. 1-7/91-Fert. Law]

P. R. RAMASWAMY, Under Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 जून, 1991

का.प्रा. 1878—दिल्ली विकास अधिनियम 1957 (1957 का 61वा) के खण्ड 3 के उपखण्ड (3) की धारा (छ) के साथ पठित उपखण्ड (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं इस मंत्रालय के दिनांक 20-12-1988 के पत्र सं. के-11011/22/78-डी डी-1 ए/II डी और 22-3-1990 के पत्र सं. के-11011/22/78 डी डी-1 ए/II डी (खण्ड-II) के अतिक्रमण में केन्द्रीय सरकार, श्री आर.बी. पिल्ले, अपर सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, और श्री रमेश चन्द्र, प्रशासक, नई दिल्ली नगर पालिका का दिल्ली विकास प्राधिकरण के सदस्य के रूप में नामित करती है, और भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय के दिनांक 30-12-1957 की अधिसूचना सं. 12-173/57-एल एस.जी. में प्रागे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में मद सं. 9 और 10 की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित कर दी जायेंगी :—

(1) मद सं. 9 में :—श्री एस.पी. सिन्हा के स्थान पर श्री आर.बी. पिल्ले, अपर सचिव (यू.डी.) पढ़ें।

(2) मद सं. 10 में :—श्री सुभाष शर्मा के स्थान पर श्री रमेश चन्द्र, प्रशासक, नई दिल्ली नगर पालिका पढ़ें।

[सं. के-11011/22/78-डी डी आर्डी-1 ए/II डी/खण्ड-II]

हरचरणजीत सिंह, उप सचिव

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 7th June, 1991

S.O. 1878.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (g) of sub-section (3) of Section 3 of Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) and in super-

session of this Ministry's letters No. K-11011/22/78-DULA/IIB dated 20th December, 1988 and K-11011/22/78-DDLA/IIB (Vol. II), dated 22nd March, 1990, the Central Government hereby nominates S/Shri R. V. Pillai, Additional Secretary (UD), Ministry of U.D. & Ramesh Chandra, Administrator, New Delhi Municipal Committee as members of the Delhi Development Authority and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. 12-173/57-LSG, dated 30th December, 1957, namely :—

In the said notification, in item Nos. 9 and 10 for the existing entries, the following entries shall be substituted :—

(i) In item No. 9 : For Shri S. P. Singal, Read : Shri R. V. Pillai, Addl. Secretary (UD).

(ii) In item No. 10 : For Shri Subhash Sharma, Read : Shri Ramesh Chandra, Administrator, New Delhi Municipal Committee.

[No. K-11011/22/78-DDLA/IIB/Vol. II]

HARCHARANJIT SINGH, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जून, 1991

का.प्रा. 1879—दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (4) के खंड (ख) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय दंत परिषद से परामर्श करने के पश्चात्, उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-3 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

अनुसूची के भाग-3 में क्रम संख्यांक 73 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियाँ जोड़ी जायेंगी, अर्थात् :—

"74. यूनिवर्सिटी आफ नार्थ मास्टर आफ एम.पी.एच.  
कैरोलीना चार्ल्स हिन, पब्लिक हेल्थ (नार्थ  
य एस ए. कैरोलीना)।"

[संख्या वी. 12018/5/90—पी. एम. एम.]

जी.जी.के. नायर, अपर सचिव

टिप्पण :—इस अनुसूची में बाव में निम्नलिखित के सहित संशोधन किया गया है :—

1. का.प्रा. संख्या 366, दिनांक 12 जनवरी, 1977
2. का.प्रा. संख्या 2671, दिनांक 17 सितम्बर, 1981
3. का.प्रा. संख्या, 1973, दिनांक 11 अप्रैल, 1983
4. का.प्रा. संख्या, 2533, दिनांक 6 सितम्बर, 1990

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 5th June, 1991

S.O. —1879 In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (4) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following amendment in Part III of the Schedule to the said Act; namely :—

In Part III of the Schedule after serial number 73 and the entries relating thereto, the following serial number and

entries shall be added, namely :—

74. University of North Carolina  
Chapel Hill,  
U.S.A.

Master of Public Health  
(North Carolina)

M.P.H.  
(North Carolina)

[No. V-12018/5/90-PMS]

G.G.K. NAIR, Under Secy.

Note : The Schedule has been subsequently amended Vide:—

1. S.O. Number 366 dated the 12th January, 1977.
2. S.O. number 2671 dated the 17th September, 1981.
3. S.O. number 1973 dated the 11th April, 1983.
4. S.O. number 2553 dated the 6th September, 1990.

### जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(सड़क पथ)

नई दिल्ली, 20 जून, 1991

का. भा. 1880.—भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1988 (1988 का 58) की धारा (3) की उपधारा (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में महानिदेशक (सड़क विकास) एवं अपर सचिव श्री के. के. सरिन को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिए/अथवा घणसे घणेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, भारतीय राष्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[का.सं. एन एच-11065/4/89-पी एन/आर डब्ल्यू]  
MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT  
(Roads Wing)

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1880.—In exercise of powers conferred under sub-section (3) of Section (3) of the National Highways Authority of India Act, 1988 (68 of 1988), the Central Government hereby appoints Shri K. K. Sarin, Director General (Road Development) and Additional Secretary in the Ministry of Surface Transport as Chairman of National Highway Authority of India for a period of 2 years from the date of taking over charge and/or until further orders whichever is earlier.

[F. No. NH-11065/4/89-PL/RW]

का. भा. 1881.—भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1988 (1988 का 68) की धारा (3) की उप धारा (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में वित्त सलाहकार एवं अपर सचिव श्री के. ए. चन्द्रशेखरन को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में 3 माह की अवधि के लिए अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सदस्य (वित्त) के रूप में नियुक्त करती है। जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में वित्त सलाहकार के रूप में अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ वह सर्वस्य (वित्त) का कार्य भी करेगा।

[का.सं. एन एच-11065/4/89-पी एन/आर डब्ल्यू]

विनय साहनी, उप सचिव

S.O. 1881.—In exercise of powers conferred under sub-section (3) of Section (3) of the National Highways Authority of India Act, 1988 (68 of 1988), the Central Government hereby appoints Shri K. A. Chandrasekharan, Financial Advisor and Additional Secretary in the Ministry of Surface Transport as Member (Finance) in National Highway Authority of India for a period of 3 months or till a regular appointment is made whichever is earlier. He will perform the duties of Member (Finance) in addition to his current duties as Financial Advisor to Ministry of Surface Transport.

[F. No. NH-11065/4/89-PL/RW]  
VINAY SAHNI, Dy. Secy.

### पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, 27 जून, 1991

का. भा. 1882.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्जन आर. का. भा. भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 2685 तारीख 13 अक्तूबर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन विधाने हेतु उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लंगों से रहित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

### अनुसूची

तहसील सांगानेर	जिला जयपुर	राज्य राजस्थान			
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल	हैक्टर	घारे	अंग्रेजी
	1	2	3	4	5
भट्ट	405	--	00	55	
	404	--	07	02	
	403	--	14	04	
	398	--	08	24	
	401	--	07	22	
	400	--	01	50	
	395	--	17	46	
	394	--	04	56	
	250	--	06	4	
	248	--	28	08	
	233	--	--	48	
	244	--	08	64	
	243	--	11	24	
	242	--	--	90	
	241	--	06	12	
	240	--	14	76	
	198	--	12	60	

				1	2	3	4	5		
भट्टर ( जारी )	199	--	07	56	सीतापुरा ( जारी )	308	--	10	08	
	181	--	11	88		307	--	11	52	
	180	--	27	36		296	--	14	40	
	443	--	10	78		305	--	--	36	
श्री गोकुलपुरा	435	--	04	16	303	--	14	04		
	434	--	05	58	302	--	--	54		
	338	--	14	76	167	--	04	50		
	337	--	06	12	166	--	10	44		
	336	--	02	10	162	--	11	52		
	335	--	08	72	163	--	07	75		
	94	--	--	64	158	--	01	75		
	95	--	08	10	दुखपुरिया	366	--	05	04	
	96	--	08	82		368	--	04	50	
	82	--	02	38		370	--	04	14	
	84	--	--	24		369	--	06	12	
	83	--	10	22		373	--	11	16	
	77	--	09	54		372	--	03	15	
	76	--	07	92		375	--	06	12	
	74	--	05	52		376	--	03	96	
	75	--	--	60		291	--	02	25	
	70	--	13	14		303	--	--	22	
	46	--	14	58		302	--	05	94	
	44	--	08	28		301	--	04	68	
	40	--	10	44		310	--	07	56	
	38	--	07	56		310/422	--	02	34	
	39	--	07	74		313	--	03	36	
	52	--	04	50		314	--	02	88	
	53	--	03	24		330	--	--	84	
श्री राम की मंगल	74	--	03	96		329/424	--	02	00	
	51	--	14	04		329	--	01	88	
	52	--	--	81		327	--	08	10	
	53	--	05	13		328	--	--	48	
	54	--	06	66		326	--	03	96	
	56	--	07	18		232	--	08	82	
	63	--	13	02		234	--	08	64	
	64	--	02	52	233	--	--	42		
	62	--	07	56	235	--	03	60		
	43	--	07	56	227	--	07	92		
	42	--	07	82	225	--	--	22		
	34	--	18	00	226	--	18	88		
	29	--	01	08	214/391	--	07	38		
	30	--	--	78	214/413	--	08	64		
	28	--	08	22	215	--	06	48		
	सकनपुरा	28	--	08	28	213	--	07	92	
		30	--	10	08	212	--	09	72	
		29	--	02	24	211/410	--	04	68	
		41	--	10	44	211/409	--	04	32	
		39	--	--	10	210	--	08	64	
38		--	08	10	208	--	07	74		
37		--	18	64	देहावास	289	--	11	34	
56		--	03	60		290	--	--	30	
1		--	17	43		306	--	07	80	
सीतापुरा		290/318	--	05		78	290/534	--	--	90
		309	--	12		96	290/549	--	03	24

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	304	---	---	20		98	---	07	00
	305	---	01	44		97	---	19	08
	294	---	11	86		83	---	16	20
	298	---	16	38		88	---	09	72
	333	---	07	20		87	---	19	08
	334	---	04	32		464	---	---	75
	335	---	05	04		85	---	---	20
	336	---	11	34		84	---	20	52
	467	---	19	26	राम नगरिया	13/1	---	05	76
	469	---	---	40		13/190	---	---	30
	465	---	---	40		14	---	57	80
	463	---	02	50		12	---	03	60
	464	---	03	24		19	---	20	18
	348	---	03	60		11/184	---	18	36
	349	---	---	24		11	---	28	74
	351	---	11	58		9	---	---	90
	350/541	---	---	30					
	354	---	12	96	श्री गोविन्दपुरा	55/60	---	29	88
	355	---	13	24		55	---	23	64
	454/539	---	07	82		53	---	10	08
	453	---	02	80		54	---	24	34
	357	---	18	26	जयपुर	169	---	12	24
	446	---	---	30		171	---	01	98
	521	---	09	42		172	---	12	02
	522	---	09	18		174	---	10	96
	443	---	17	38		156	---	05	80
	372	---	14	04		182	---	---	60
	374	---	33	30		183	---	08	20
	396	---	23	40		184	---	05	02
	398	---	35	10		187	---	05	80
	403	---	08	34		190	---	19	20
	405	---	---	30		194	---	---	90
सखी रामोवरपुरा						87	---	---	40
उर्दू						92	---	09	88
नदीयावाला	623	---	32	20		93	---	18	80
	624	---	04	82		96	---	11	20
	625	---	09	42		97	---	06	88
	620	---	12	08		35	---	02	00
महल	26	---	06	56		98	---	09	38
	425	---	11	34		24	---	21	00
	424	---	05	04		22	---	18	48
	24	---	14	40		17	---	19	32
	432	---	16	92		15	---	21	30
	466	---	02	52		13	---	07	20
	76	---	12	42					
	127	---	07	38	कल्याणपुरा उर्दू				
	120	---	03	24	बालीपुरा	40	---	18	90
	128	---	10	98		32	---	01	22
	124	---	09	54		39	---	03	52
	119	---	06	66		38	---	12	96
	123	---	04	32		37	---	04	58
	122	---	03	60		36/526	---	07	70
	106	---	03	96		36	---	---	40
	108	---	07	38		50	---	09	90
	101	---	01	45		51	---	01	04
	102	---	00	80		25	---	18	26

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
कल्याणपुरा रकं कालीपुरा	12	--	10	80					
---भारी	11	--	04	20		120	--	11	70
	10/472	--	--	28		118	--	04	24
	10	--	07	04		119	--	04	40
	10/469	--	09	54		116	--	11	52
	3	--	18	54		115	--	13	32
	4	--	28	80		111/561	--	12	24
						114	--	09	00
बोह भागोरिया	2171	--	01	02	सोनियाबास	114		07	74
	2287	--	24	01		113	--	06	60
	2288	--	04	12		116	--	01	34
	2297	--	11	00		109	--	03	60
	2290	--	--	30		123	--	09	72
	2291	--	01	80		124	--	07	20
	2292	--	04	00		125	--	11	34
	2283	--	02	70		126	--	--	90
	2281/3007	--	03	24		127	--	09	36
	2251	--	06	28		199	--	10	62
	2250	--	06	50		206	--	10	96
	2249	--	07	00		207	--	31	14
	1161	--	09	36		237	--	08	64
	801/2778	--	--	25		238	--	04	86
	805	--	07	82		254/551	--	12	24
	802	--	--	30		240	--	--	16
	803	--	01	00		252	--	14	76
	804	--	02	00		262/567	--	10	26
	787	--	12	36		251	--	10	62
	786	--	--	50		277	--	--	42
	788	--	06	28		278	--	19	44
	785	--	--	30		279	--	40	86
	784	--	03	60	पलाड़ी मीना	171	--	01	84
	783	--	01	00		175	--	08	08
	782	--	07	20		174	--	10	94
	791	--	08	64		173	--	10	80
	834	--	12	00					
	835	--	02	88					
	836	--	07	00					
	839	--	08	68					
	843	--	06	28					
	882	--	04	32					
	880	--	01	44					
	881	--	15	02					
	870	--	02	88					
	870/2733	--	06	28					
	869	--	07	92					
	868	--	018	26					
	896	--	01	08					
भाबलद बंध	318	--	07	38					
	131	--	25	74					
	127	--	--	18					
	133	--	12	60					
	134	--	11	20					
	125	--	08	30					
	136	--	04	86					
	124	--	10	62					

[स चार 31015/2/91-ओ चार चार्ड.]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum and Natural Gas)

New Delhi, the 27th June, 1991

S O. 1832--Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S O. 2685, dated the 13th October, 1990 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government,

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands

specified in the Schedule appended to this notification should be acquired,

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired,

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

### SCHEDULE

Tehsil-Sanganer, District—Jaipur, State — Rajasthan				
Name of Village	Survey No.	Area		
		Hec-tare	Acre	Square Metre
1	2	3	4	5
Bhatad	405	—	00	55
	404	—	07	02
	403	—	14	04
	398	—	08	24
	401	—	07	22
	400	—	01	50
	395	—	17	46
	394	—	04	56
	250	—	06	48
	248	—	28	08
	233	—	—	48
	244	—	08	64
	243	—	11	24
	242	—	—	90
	241	—	06	12
	240	—	14	76
	198	—	12	60
	199	—	07	56
	181	—	11	88
	180	—	27	36
Kheri Gokulpura	443	—	10	78
	435	—	04	16
	434	—	05	58
	338	—	14	76
	337	—	06	12
	336	—	02	10
	335	—	08	72
	94	—	—	64
	95	—	08	10
	96	—	08	82
	82	—	02	38
	84	—	—	24
	83	—	10	22
	77	—	09	54
	76	—	07	92
	74	—	05	52
	75	—	—	60
	70	—	13	14
	46	—	14	58
	44	—	08	28
	40	—	10	44
	38	—	07	56
	39	—	07	74
	52	—	04	50
	53	—	03	24

1	2	3	4	5
Sri Ram ki Nangal	74	—	03	96
	51	—	14	04
	52	—	—	81
	53	—	05	13
	54	—	06	66
	56	—	07	18
	63	—	13	02
	64	—	02	52
	62	—	07	56
	43	—	07	56
	42	—	07	82
	34	—	18	00
	29	—	01	08
	30	—	—	78
	28	—	08	22
Lakshmipura	28	—	08	28
	30	—	10	08
	29	—	02	24
	41	—	10	44
	39	—	—	10
	38	—	08	10
	37	—	17	64
	56	—	03	60
	1	—	17	43
	290/318	—	05	76
Sitapura	309	—	12	99
	308	—	10	08
	307	—	11	52
	296	—	14	40
	305	—	—	36
	303	—	14	04
	302	—	—	54
	167	—	04	50
	166	—	10	44
	162	—	11	52
	163	—	07	75
	158	—	01	75
	366	—	05	04
	368	—	04	50
	370	—	04	14
Sukhpuria	369	—	06	12
	373	—	11	16
	372	—	03	15
	375	—	06	12
	376	—	03	96
	291	—	02	25
	303	—	—	22
	302	—	05	94
	301	—	04	68
	310	—	07	56
	310/422	—	02	34
	313	—	03	36
	314	—	02	88
	330	—	—	84
	329/424	—	02	00
	329	—	01	68
	327	—	08	10
	328	—	—	48
	326	—	03	96
	232	—	08	82
	234	—	08	64
	233	—	—	42
	235	—	03	60
	227	—	07	92

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	225	—	—	22		119	—	06	66
	226	—	18	88		123	—	04	32
	214/391	—	07	38		122	—	03	60
	214/413	—	08	64		106	—	03	96
	215	—	06	48		108	—	07	38
	213	—	07	92		101	—	01	45
	212	—	09	72		102	—	00	80
	211/410	—	04	68		98	—	07	00
	211/409	—	04	32		97	—	19	08
	210	—	08	64		83	—	16	20
	208	—	07	74		88	—	09	72
Dehalawas	289	..	11	34		87	—	19	08
	290	—	—	30		464	—	—	75
	306	—	07	80		85	—	—	20
	290/534	—	—	90		84	—	20	52
	290/549	—	03	24	Ram Nagaria	13/1	—	05	76
	304	—	—	20		13/190	—	—	30
	305	—	01	44		14	—	57	80
	294	—	11	86		12	—	03	60
	298	—	16	39		19	—	20	16
	333	—	07	20		11/184	—	18	36
	334	—	04	32		11	—	29	74
	335	—	05	04		9	—	—	90
	336	—	11	34					
	467	—	19	62	Shri Govindpura	55/60	—	29	88
	469	—	—	40		55	—	23	04
	465	—	—	40		53	—	10	08
	463	—	02	50		54	—	24	34
	464	—	03	24					
	348	—	03	60	Jaipur	169	—	12	24
	349	—	—	24		171	—	01	98
	351	—	11	58		172	—	12	02
	350/541	—	—	30		174	—	10	96
	354	—	12	96		156	—	05	80
	355	—	13	24		182	—	—	60
	454/539	—	07	82		183	—	08	20
	453	—	02	80		184	—	05	42
	357	—	18	26		187	—	05	80
	446	—	—	30		190	—	19	20
	521	—	09	42		194	—	—	80
	522	—	09	18		87	—	—	40
	443	—	17	38		92	—	09	86
	372	—	14	04		95	—	18	80
	374	—	33	30		96	—	11	20
	396	—	23	40		97	—	06	88
	398	—	35	10		35	—	02	00
	403	—	08	34		98	—	09	38
	405	—	—	30		24	—	21	00
Laxshmi Damodarpura urf Nagariyawala	623	—	32	20		22	—	18	46
	624	—	04	82		17	—	19	32
	625	—	09	42		15	—	21	30
	620	—	12	08		13	—	07	20
Mahal	26	—	06	56	Kalyanpura urf Khatipura	40	—	18	90
	425	—	11	34		32	—	01	22
	424	—	05	04		39	—	03	52
	24	—	14	40		38	—	12	96
	422	—	16	92		37	—	04	50
	466	—	02	52		36/526	—	07	70
	76	—	12	42		36	—	—	40
	127	—	07	38		50	—	09	90
	129	—	03	24		51	—	01	04
	128	—	10	98		52	—	19	26
	124	—	09	54		12	—	10	80



1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	11	—	04	20		109	—	03	60
	19/472	—	—	28		123	—	09	72
	10	—	07	04		124	—	07	20
	1/469	—	09	54		125	—	11	34
	3	—	18	54		126	—	—	90
	4	—	28	80		127	—	09	36
Khoh Nagoriyan	2171	—	01	02		199	—	10	62
	2287	—	24	01		206	—	10	96
	2298	—	04	12		207	—	31	14
	2297	—	11	00		237	—	08	64
	2290	—	—	30		238	—	04	86
	2291	—	01	80		254/551	—	12	24
	2292	—	04	00		240	—	—	16
	2283	—	02	70		252	—	14	76
	2281/3007	—	03	24		25 /567	—	10	26
	2251	—	06	28		251	—	10	62
	2250	—	06	50		277	—	—	42
	2249	—	07	00		278	—	19	44
	1161	—	09	36		279	—	40	86
	801/2778	—	—	25	Paladi Meena	171	—	01	84
	805	—	07	82		175	—	06	08
	802	—	—	30		174	—	10	94
	803	—	01	00		173	—	10	80
	804	—	02	00	[No. R. 31015/2/91 ORI] KULDIP SINGH, Under Secy.				
	787	—	12	36					
	786	—	—	50	श्रम मंत्रालय नई दिल्ली, 10 जून, 1991				
	788	—	06	28					
	785	—	—	30	का.प्र. 1883.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ राजस्थान के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित, औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, के पक्षों को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-6-91 को प्राप्त हुआ था।				
	784	—	03	60					
	783	—	01	00	MINISTRY OF LABOUR New Delhi, the 10th June, 1991				
	782	—	07	20					
	781	—	08	64	S.O. 1883.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Rajasthan and their workmen, which was received by the Central Government on 10th June, 1991.				
	834	—	12	00					
	835	—	02	88	ANNEXURE BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI I.D. No. 115/90				
	836	—	07	00					
	839	—	08	68	In the matter of dispute between : Shri Gurmukh Singh, S-V/575, R. K. Puram, New Delhi.				
	843	—	06	28					
	882	—	04	32	Versus The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	880	—	01	44					
	881	—	15	02	The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	870	—	02	88					
	870/2733	—	06	28	In the matter of dispute between : Shri Gurmukh Singh, S-V/575, R. K. Puram, New Delhi.				
	869	—	07	92					
	868	—	16	26	Versus The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	896	—	01	08					
Bhavgarh Bandha	318	—	07	38	The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	131	—	25	74					
	127	—	—	18	In the matter of dispute between : Shri Gurmukh Singh, S-V/575, R. K. Puram, New Delhi.				
	133	—	12	60					
	134	—	11	20	Versus The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	125	—	06	30					
	135	—	04	86	In the matter of dispute between : Shri Gurmukh Singh, S-V/575, R. K. Puram, New Delhi.				
	124	—	10	62					
	120	—	11	70	Versus The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	118	—	04	24					
Lonjyawas	119	—	04	40	In the matter of dispute between : Shri Gurmukh Singh, S-V/575, R. K. Puram, New Delhi.				
	116	—	11	52					
	115	—	13	32	Versus The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	111/561	—	12	24					
	114	—	09	00	In the matter of dispute between : Shri Gurmukh Singh, S-V/575, R. K. Puram, New Delhi.				
	114	—	07	74					
	113	—	06	60	Versus The Regional Manager, Bank of Rajasthan Ltd., Regional Office, 2213 Gurudwara Road, 2nd floor, Karol Bagh, New Delhi-5.				
	116	—	01	34					

## APPROPRIATIONS :

None—for the workman.

Shri R. S. Yadav—for the Management.

## AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. 12012/342/90-IR.B(II) dated 10th October, 1990 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Bank of Rajasthan Ltd., in relation to their Rohtak Branch in terminating the service of Shri Gurumukh Singh Peon/Farash w.e.f. 9th November, 1989 is justified and legal. If not what relief the worker concerned is entitled to and from what date?"

2. Gurumukh Singh workman has not appeared inspite of the fact that he was being told to file his statement of claim for the last five dates. On 30th April, 1991 he made statement undertaking to file the claim within 10 days, but he did not file the same on 15th May, 1991 the next date nor on 5th June, 1991. He did not appear either in person or through any representative. It appears that the workman is not interested in proceeding further with this case and I, therefore, am left with no option but to order 'No Dispute Award' for want of prosecution in this case leaving the parties to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer  
[No. L-12012/342/90-IRB(II)]

5th June, 1991.

नई दिल्ली, 12 जून, 1991

का.प्रा. 1884.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का (14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार संयुक्त बैंक प्राकट्य के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पक्षों को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th June, 1991

S.O. 1884.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 11th June, 1991.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 145 of 1990

In the matter of dispute between :

The Assistant General Secretary,  
Central Bank Employees Association,  
C/o Central Bank of India,  
Hazaratganj Branch,  
Lucknow.

## AND

The Regional Manager,  
Central Bank of India,  
Hazaratganj, Lucknow.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/18/93/IR.B. dated 6th June, 1990 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the Regional Manager, Central Bank of India Lucknow was justified in stoppage of Stenographer Allowance of Shri Vibhakar Kushwaha in terms of management's letter dated 27th September, 1988 ? If not to what relief the workman was entitled ?

2. On 17th December, 1990, an application was moved by the workman alleging that he did not want to press the dispute. Since the dispute was found to have been raised by the Union it was ordered that a notice be issued to the ACS of the Union to show cause why the dispute should not be treated as withdrawn in view of the application of the workman. On 30th April, 1991, the D.G.S. of the Union moved an application with the prayer to permit the withdrawal of the case in view of the desire expressed by the workman in this case.

Hence the dispute raised by the Union is treated as withdrawn. In other words there remains no dispute between the management and the Union/workman.

4. Accordingly a no claim award is given in the case.

ARJAN DEV Presiding Officer  
[No. L-12012/18/90-IRB-II]

का प्रा 1885.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इण्डियन डेवलपमेंट बैंक प्राकट्य के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पक्षों को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1885.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A Industrial Development Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 11-6-1991.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 118 of 1987

In the matter of dispute between :

The Chief Secretary, Reserve Bank of India Employees Union, Kanpur.

## AND

The General Manager, Industrial Development Bank of India The Mall Kannur.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/616/86 D II(A)/D-IV(A), dated 24-8-1987, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of Industrial Development Bank of India Kanpur in denying full time employment to Shri Hans Ram Part Time Sweeper is fair and justified ? If not to what relief the concerned employee is entitled to ?

2. In the instant case 3-6-91 was fixed for the cross examination of the Union's witness who had filed his affidavit on 1-3-1989. Shri V. P. Gupta who is representing the case on behalf of the Union moved an application for adjournment on 3-6-1991 without stating the reasons as to why the witness had not turned for his cross examination. Since this is a very old case of 1987, case cannot be allowed to linger on like this, as already sufficient time has been given to the Union to produce its witness for cross examination.

3. Thus from the above it becomes clear that neither the Union nor the workman himself is interested in proceeding.

cutting the case. As such a no claim award is given in the case

4. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No L-12012/616/86-D II(A)/D IV (A)]

नई दिल्ली, 13 जून, 1991

का भा 1886—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकाधिक, कानपुर के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 12-6-91 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th June, 1991

S.O. 1886.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1991

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 267 of 1989

In the matter of dispute between :

Secretary, Punjab National Bank Staff Association,  
C-2026, Indra Nagar, Lucknow-226002

AND

The Regional Manager, Punjab National Bank, Ashok  
Marg, Lucknow.

#### AWARD

1 The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/128/89-D.II (A), dated 26-10-1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

Whether the action of the management of Punjab National Bank in not granting two increments to Shri R. P. Shukla, after qualifying graduation on terms of para 5.2 of the 1st Bipartite Settlement dated 10-10-1966 is justified? If not to what relief the workman is entitled?

2 The instant case was fixed for cross examination of the workman at camp Lucknow on 14-3-1991. On that date Shri S. Chatterjee appeared on behalf of the management but none appeared from the side of the Union. Even the workman did not turn up for his cross examination. Moreover the case is lingering since long i.e. w.e.f. 11-9-90 for the cross-examination of the workman but the same could not be done on one ground or the other. Thus from the above it becomes abundantly clear that neither the Union nor the workman is interested in prosecuting the case.

3 Therefore, in view of above, a no claim award given against the Union/workman.

4. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No L-12012/128/89-D II(A)]

का भा 1887—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उडियन बैंक के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकाधिक, मद्रास के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 12-6-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1887.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Madras as shown in the Annexure in the industrial dispute

between the employers in relation to the Indian Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1991

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU,  
MADRAS

Monday, the 29th day of April, 1991

PRESENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal,  
Industrial Dispute No. 29 of 1987

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Indian Bank, Madras-1)

#### BETWEEN

The workmen represented by

The General Secretary,  
Indian Bank Employees' Union,  
25, Second Line Beach,  
Madras-600001.

AND

The Asstt. General Manager,  
The Indian Bank, 31, Rajaji Salai,  
Madras-600001.

Reference :

Order No. L-12012/240/86-D II(A) dated 13-3-1987 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 15th day of April, 1991 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru S. Vaidyanathan for Pvl. Row and Reddy, Advocates appearing for the workmen and of Thiru G. Venkataraman for Tvl. Aiyar and Dola and R. Arumugam, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following award.

#### AWARD

This dispute between the workmen and the management of Indian Bank, Madras-1 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12012/240/86-D II (A), dated 13-3-87 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of the Indian Bank, Madras in relation to its Coonoor Branch in dismissing Shri P. Premkumar, Clerk-cum-Shroff from service w.e.f. 29-5-85 is legal and justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2 Allegations in the claim statement are as follows :—

Thiru Premkumar, working as Clerk-cum-Shroff in the Branch at Coonoor of the respondent-Bank was dismissed after holding a domestic enquiry. Initial show cause notice was issued to him, on 16-12-83 with regard to eight allegations of the misconduct. Then charges were framed and issued on 25-1-84. Zonal Officer, Coimbatore conducted the domestic enquiry. Petitioner was alleged to have temporarily misappropriated Rs. 7779 paid by M/s. Ravichandran and Co after failing to credit their account with said amount and by not debiting a cheque issued by the said company. The first 2 charges relate to the said transaction relating to Rs. 7779. The 3rd charge relates to alleged short payment of Rs. 800 to one Swaminathan in the course of payment for a cheque. The 4th charge relates to borrowing of Rs. 4000 from Elizabeth Thomas on false pretext and non-repayment thereof. The 5th charge is that he borrowed from State Bank of Travancore, Coonoor Branch a sum of Rs. 3949.15 by not revealing his official address and failed to repay the same. Three other charges the enquiry officer did not find proved. The first 5 charges alone were held by the domestic enquiry officer

to have been proved. The employee Premkumar was granted personal hearing on the question of dismissal from service. He has made a proper representation, praying for lesser punishment. The disciplinary authority gave punishment of dismissal against which the employee filed an appeal which did not succeed. The disciplinary proceedings held are vitiated by violation of principles of natural justice. The punishment of dismissal is unjust and disproportionate. The employee was not given full and fair opportunity and he was not given copies of relevant documents for conducting his defence. Therefore an award may be passed for reinstating the employee Premkumar with back wages and continuity of service.

3. In the counter the respondent alleges as follows :—

The fact of misappropriation of Rs. 7,779 paid by M/s. Ravichandran and Co. was proved by reliable evidence. He has also taken loans of excessive amounts which he did not repay. The charges 1 to 5 were proved. All relevant documents were furnished to the employee-Premkumar. There is no flaw or unfairness in the domestic enquiry proceedings. Principles of natural justice have been followed. The punishment given is suitable. The I. D. is liable to be dismissed.

4. Points for determination in the Industrial Dispute are as follows :—

- (i) Whether the domestic enquiry has been held fairly and in accordance with principles of natural justice ?
- (ii) Whether the findings and the punishment are acceptable ?

5. Ex. W-3 is copy of the charges framed against the employee-Premkumar who worked as Clerk-cum-Shroff at Coonoor Branch of the respondent Bank. At the domestic enquiry MWs.-1 to 5 have been examined. In the enquiry before us, no oral evidence has been given. The enquiry proceedings and the connected documents have been marked as per Exs. W-1 to W-20. The first 2 charges relate to Premkumar's misappropriation of Rs. 7,779 which was paid by M/s. Ravichandran and Co., Coonoor alongwith a challan for being credited into their accounts on 24-3-83. That credit was needed to enable a cheque issued by M/s. Ravichandran and Co. dated 18-3-83 in favour of M/s. Brooke Bond India Ltd. The employee-Premkumar who received the amount did not deposit the same into the account concerned but used it for its own purposes. After such non-remittance of the money into firm's account was discovered, Ravichandran a partner of the firm was able to obtain a letter of acknowledgement on 24-3-83 from Employee- Premkumar, which was marked as Ex. M-4 in the domestic enquiry. The cheque payable to M/s. Brooke Bond India Ltd. was sent by R. S. Puram Branch to Coonoor Branch of the respondent for collection on 22-8-83. It was replied by the employee-Premkumar, that the cheque has not been received by his branch. Subsequently the employee has borrowed Rs. 8,000 on 5-8-83 from Elizabeth Thomas under demand promissory note Ex. M-7 and the said amount was paid to Ravichandran and then credited into account of M/s. Ravichandran and Co. and thereafter on 25-8-83 the cheque issued by the firm has been paid to M/s. Brooke Bond India Ltd. The explanation given by the delinquent was that cheque was not received earlier but has been traced subsequently from the waste paper basket. The explanation is not convincing at all. Thus the evidence given before the domestic enquiry officer clearly proves that the delinquent Premkumar has misappropriated Rs. 7,779 of M/s. Ravichandran and Co. The 3rd charge arises from short payment of Rs. 800 to Mr. Swaminathan examined as MW-1 who presented a cheque for payment of money needed for disbursing to the Tea Estate Employees. MW-1 Swaminathan informed the delinquent that Rs. 800 was short-paid to him on account of missing notes of twenty rupees denomination. The delinquent Premkumar admitted that he had made such short payment and issued a payment order to Mr. Swaminathan. But the said payment order was not honoured by the branch because there was no money in the account of the delinquent maintained with Coonoor Branch. The 4th charge which is related to the first 2 charges is borrowing of Rs. 8,000 from MW-3 Elegabath Thomas and failure to repay the same in

spite of demand. The evidence of MW-3 supported by the evidence of MW-2 Chockalingam Inspector of Branches is sufficient to bearout the charges. The 5th charge is borrowing from State Bank of Travancore, Coonoor Branch by over draft paid in his current account which he did not repay. The State Bank of Travancore has filed a suit on 16-8-83 for sum of Rs. 3,949.15. The Inspecting Officer MW-2 Chockalingam has given cogent evidence with the help of the record of the Bank which proves the guilt of the delinquent. The domestic enquiry Officer's conclusion that all the 5 charges have been proved are very convincing and natural. For these misconducts of misappropriation and excessive borrowings which the delinquent Premkumar could not repay the Disciplinary Authority has awarded the punishment of dismissal from service. We cannot say that the punishment is excessive and disproportionate. I do not see any substance in the contention of the petitioner that copies of relevant documents have not been given to him. His defence representative has expressed satisfaction that he has seen all the relevant documents. Cross examination has been done on all aspects of the facts alleged against the delinquent. I therefore find that the domestic enquiry has been held fairly and in accordance with principles of natural justice. I cannot discover any reason for disturbing the findings and modifying the sentence. I therefore answer all these points in favour of respondent-management and against the petitioner-Union.

6. In the result, the Industrial Dispute is dismissed. No costs.

Dated, this 29th day of April, 1991.

M. GOPALASWAMY, Presiding Officer  
[No. L-12012/240/86-D.II (A)]

WITNESS EXAMINED

For both sides.—None.

DOCUMENTS MARKED

For workmen :

- Ex. W-1/16-12-83—Show cause notice issued to Thiru P. Premkumar. (Xerox copy)
- Ex. W-2/2-1-84—Explanation by Thiru P. Premkumar to Ex. W-1. (Xerox copy)
- Ex. W-3/25-1-84—Charge sheet issued to Thiru P. Premkumar. (Xerox copy)
- Ex. W-4/22-9-84—Proceedings of the Enquiry Officer. (Xerox copy)
- Ex. W-5/14-9-84—Sum up of the proceedings in the enquiry.
- Ex. M-6—Sum up on behalf of Thiru P. Premkumar in the enquiry on the charges against him held on 12-7-84 and 13-7-84. (Xerox copy)
- Ex. W-7/7-1-85—Findings of the Enquiry Officer. (Xerox copy)
- Ex. W-8/9-2-85—Letter proposing the punishment of dismissal and the enquiry report issued by the Zonal Manager, Coimbatore, Disciplinary Authority. (Xerox copy)
- Ex. W-9/20-2-85—Reply by the defence representative of Thiru P. Premkumar to Ex. W-8. (Xerox copy)
- Ex. W-10/9-4-85—Proceedings of the Enquiry Officer. (Xerox copy)
- Ex. W-11/8-5-85—Letter from Thiru P. Premkumar to the Management-Bank. (Xerox copy)
- Ex. W-12/29-5-85—Letter from Disciplinary Authority to Thiru P. Premkumar regarding the punishment of dismissal imposed on him. (Xerox copy)
- Ex. W-13/4-7-85—Appeal preferred by Defence representative of Thiru P. Premkumar. (Xerox copy)
- Ex. W-14/29-8-85—Report of Appellate Authority dismissing the appeal preferred by Thiru P. Premkumar. (Xerox copy)
- Ex. W-15/19-12-85—Letter from Petitioner-Union to the Regional Labour Commissioner (Central), Madras to initiate conciliation. (Xerox copy)

- Ex. W-16/14-2-86—Letter from the Management-Bank to the Assistant Labour Commissioner to (Central), Madras in reply to Ex. W-15. (Xerox copy)
- Ex. W-17/28-3-86—Letter from the petitioner-union to the management-bank. (Xerox copy)
- Ex. W-18/17-4-86—Letter from the Management-Bank to the conciliation officer. (Xerox copy)
- Ex. W-19/28-5-86—Conciliation Failure Report. (Xerox copy)
- Ex. W-20/8-5-82—Letter from the Management-Bank to Thiru P. Premkumar regarding deposit mobilisation.

For Management—Nil.

M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal

का.प्र. 1988.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित आदेशों के कर्मचारियों के बीच प्रमुख में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रबंधन, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1888.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in relation to the Industrial dispute between the employers in relation to the United Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 35 of 1987

In the matter of dispute

BETWEEN

The Regional Secretary United Bank of India Shramik  
Karamchari Samiti 28/93 Birhana Road, Kanpur.

AND

The Regional Manager, United Bank of India, 4-B  
Babibullah Estate Hazratganj Lucknow.

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/173/86-D.II (A) dated 3-4-87 has referred the following dispute for adjudication to the Tribunal :—

Whether the action of the management of United Bank of India in terminating the services of Shri Raj Bahadur Pathak w.e.f. 15-7-85 and not considering him for further employment in bank's service while recruiting fresh hands under Section 25-H I. D. Act is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?

2. The Industrial Dispute on behalf of the workman has been raised by United Bank of India Shramik Karamchari Samiti (hereinafter referred to as Union).

3. The Union's case in short is that the workman was appointed as sub-staff/waterman against a permanent vacancy on 1-6-79. During the period 1-6-81 (should be 1-6-79) to 31-8-81, the workman worked for more than 240 days in a calendar year. The Union alleges that the management adopted unfair labour practice by giving breaks in service to the workman and ultimately the management terminated his services w.e.f. 15-7-85 in violation of the provisions of Sections 25-F, 25-G and 25-H of the I.D. Act. He was not given any notice or notice pay and retrenchment compensation. S/Shri Shitla Prasad Yadav and Suresh Chandra Lal who were appointed after the appointment of the workman

were retained in service and have also been made permanent. Before terminating his services no disciplinary proceedings were taken by the management against the management. The management appointed S/Shri Prantaa Kumar and Om Prakash after his termination without calling the workman. The Union has, therefore, prayed for reinstatement of the workman with full back wages and all consequential benefits.

4. In defence, the management pleads that the workman was appointed on temporary basis occasionally for fixed terms as waterman. For the first time he was appointed as such on 1-6-79, and during the whole year of 1979, he worked only for 22 days. In fact his engagement used to be for a fixed period of three months during the summer season for the purpose of filling pitchers and water coolers. His last appointment vide appointment letter dated 10-4-85 was for a fixed period from 1-4-85 to 15-7-85. Thereafter, his services automatically came to an end. The management denies that the workman ever completed 240 days of continuous service in a calendar year as alleged by the Union. According to the management there was no question of taking any disciplinary proceedings against the workman. Looking to the number of days for which he had worked the question of compliance of Sections 25-F, 25-G and 25-H I. D. Act, does not arise. The management denies that persons by the names of Shri Prahlad Narain and Shri Om Prakash were ever appointed at any branch of the Bank of Allahabad either as water man or as Sub-staff. As regards S/Shri Shitla Prasad Yadav and Suresh Chandra Lal the management pleads that both of them appeared for written test and interview in September 1974 for employment of sub-staff and their names appeared in the list of empanelment empanelled staff ever since 1974.

5. Lastly, the management pleads that the workman continues to be gainfully employed in his own business for which he had already taken a loan from the bank through his wife. Hence, the workman is entitled to no relief.

6. In the rejoinder the Union alleges that after the termination of the services of the workman, the workman applied for a loan to earn his livelihood but no loan was granted to him. However later on a loan of smaller amount was granted to his wife from some Government sponsored scheme with this condition that the workman would not make any claim for service against the bank.

7. In support of its case the Union has filed the affidavit of the workman and some documents. On the other hand in support of their case, the management have filed an affidavit of Shri Jai Shanker Mishra Deputy Regional Manager, and some documents.

8. The first question to be examined in this case is whether the management committed breach of the provisions of sections 25F, 25G and 25H of the I.D. Act. In this connection it will suffice to refer to the details of working given by the workman in para 2 of his affidavit and the details of workman given in certificate dated 22-8-84 copy annexure VIII to the affidavit of the workman. From these details it becomes crystal clear that in no year between 1979 and 1985, the workman had worked for 240 days or more. He had not even worked for more than 240 days in a calendar year.

9. In order that the workman could avail the benefit of section 25F I.D. Act he/Union will have to show that the workman had worked for 240 days or more during the period of 12 months preceding the date of termination of his services. This being not so in his case, the question of violation of section 25F I.D. Act does not arise in his case. If Section 25F does not apply sections 25G and 25H read with Rules 77 and 78 I.D. (Central) Rules, 1957, would also not apply.

10. Hence, it is held that the termination of services of the workman w.e.f. 13-7-85, by the management of the bank was not in violation of the provisions of Sections 25F, 25G and 25H of the Industrial Disputes Act, 1947.

11. From the details of working given in para 2 of the affidavit of the workman it appears that during 1980, 1981, 1982 and 1983 he had worked for fixed period of 107 days from 16th of April to 31st of July each year, and during 1984 and 1985, he had worked for 105 and 106 days respectively during the period 1-4-84 to 14-7-84 and 1-4-85 to 15-7-85. This is what the case of the management is. With his affidavit the management witness has filed the copy of letter of appointment dt. 10-4-85 issued to the workman by

the manager Allahabad Branch of the Bank. His appointment was as temporary waterman for bringing water/arranging and serving water to the bank's customers and members of staff as well as filling water in the tanks of Desert Coolers of the Bank from 1-4-85 to 15-7-85 on a monthly remuneration of Rs 430 with usual D.A. Annexure 1 to the affidavit is the copy of the said letter. Annexure 2 to the affidavit of the management witness is the copy of letter dt. 15-7-85 to the workman from the manager of Allahabad Branch of the bank informing him that his services would no longer be required w.e.f. 16-7-85. Therefore, his case does not come under the definition of term retrenchment as given in section 2(cc). His case is covered by exception in section 2(bb) given under the said definition.

12. The Union has set up the case that S/Shri Shifla Prasad Yadav and Suresh Chandra Lal were appointed after the appointment of the workman but even after the termination of the services of the workman they have been retained in service and have been made permanent. The defence is that on the basis of written test and interview held in Sept. 1974 their names appeared in the list of empanelled sub-staff ever since 1974.

13. During the cross examination, the workman was confronted about the facts alleged by the management in the written statement. The workman expressed ignorance. On the other hand the management witness corroborated the case set up by the management on this point by means of his affidavit (para 6). The management have further corroborated their plea by means of documents which the management filed on 4-10-90 in pursuance of the orders passed by the Tribunal on the application of the Union dated 30-8-90.

14. Thus I find no force in the plea raised by the Union that there was violation of the provisions of section 25G I.D. Act by the management.

15. About two other persons namely Om Prakash and Prahlad the workman in para 4 of his statement in cross examination has deposed that Shri Om Prakash has been a part time sweeper from before 1979 and Shri Prahlad as a canteen boy. He admits that a Canteen Boy is not considered as an employee of the bank. So the plea raised with regard to these two persons in order to attract the provisions of section 25H I.D. Act also fails.

16. The result therefore is that from the above findings, the action of the management of the bank in terminating the services of the workman cannot be held as unjustified or illegal. However, in this case certain facts have appeared, about which there is no dispute between the parties and which facts when taken into consideration are likely to give some relief to the workman.

17. With his affidavit the workman has filed the photo stat copies of certain documents. Annexure I is the office order dated 5-5-84 by means of which Chief Officer (Personal) of the bank notified certain vacancies of sub-employees. This office order is addressed to Allahabad Branch of the Bank.

18. Annexure 2 is the copy of list of candidates sent by the employment exchange Allahabad to the Branch Manager, of the Bank at Allahabad. Three names including the name of the workman were forwarded by the Employment Exchange.

19. Annexure 3 is the copy of interview form for appointment of sub-staff required to be filled in by the interviewing officer. In it the name of the candidate is given as Raj Bahadur Pathak. The Interviewing Officer has made the following remarks at serial No. 15 of the form against the name of the workman:—

The candidate is most suitable for the job. He applied for on account of his good health, pleasing manners and to cap it all banking experience.

20. Annexure 4 is the copy of application form for appointment on the subordinate establishment in respect of the workman. The document is admitted by the authorised representative for the management and it is marked as Ext. W. 2. It bears the signatures of the workman.

21. Annexure 5 (Ext. W. 3) is the copy of letter dated 24-5-84 from the Deputy Manager of the Allahabad Branch

of the bank to the workman asking him to appear for medical examination on 24-5-84 before Dr. Ram Chander.

22. Annexure 6 (Ext. W. 4) is the copy of medical examination report dated 24-5-84 in respect of the workman. The doctor declared him medically fit.

23. The facts which come out of the above documents have not been disputed before me by the authorised representative for the management during the course of his arguments. In para 4 of his affidavit, the management witness has deposed that of course for empanelment for relieving duty the workman alongwith other candidates was selected in May 1984, but because of embargo imposed by the government for creation of new posts the list of such selected candidates had to be returned to the respective employment exchange Allahabad, Rae Bareilly and Gorakhpur etc. etc. In para 4 of his statement in cross-examination, the management witness has deposed that the bank called for names for filling up further vacancies of sub-staff in the various branches of the bank in the State of U.P. from the various employment exchanges on 6-5-84. Employment Exchange Allahabad sent a few names including the names of the workman. The candidates were interviewed on 12-5-84 and as a result of the interview the workman was selected for filling up the vacancies. He was sent for medical examination and the doctor who medically examined him found him fit. Of the selected candidates a panel was constituted by the Allahabad Branch. According to him this panel was only for filling up vacancies in various branches of the bank at Allahabad.

24. Annexure III to the affidavit of the management witness is the copy of letter dated 9-1-86 from the Regional Manager of the bank to the Employment Officer of the various employment exchanges. The Regional Manager informed the employment officers that due to embargo imposed on of the list of candidates whose name appeared in the panel them for creation of new posts the bank could not disposed of the list of candidates whose name appeared in the panel of sub-staff.

25. Shri Soni does not dispute the fact about the imposition of embargo by the Government. After discussion both the sides agreed that the present panel should be allowed to stand and when embargo is lifted by the Government, appointment be given to the candidates whose name appeared in panel in order to their seniority and if a candidate does not turn up after due information within a reasonable time he should be passed over considering him as no longer interested in the service. This appears to be a quite just and equitable. Therefore, despite the fact that the reference stands answered against the Union, in view of the above admitted position the management is directed to retain the panel of sub-staff selected after holding due process of recruitment and offer to the selected candidates post of sub-staff as and when they occur after the lifting of embargo in accordance with their seniority in the list and if any selected candidate does not turn up after due information within a reasonable time he should be passed over considering him as no longer interested in the service of the bank.

26. The reference is answered accordingly.

ARIJAN DEV, Presiding Officer.

[No. L-12012/173/86-D.II(A)]

का. भा. 1889.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) द्वारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधन के संबंध निरोधकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1889.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-91.

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 85 of 1989

In the matter of dispute between :

Shri Tulsi Ram  
C/o Shri O. P. Nigam  
245/387, Deen Dayal Road,  
Ashrafabad, Lucknow,  
Pin 226001.

AND

The Regional Manager,  
Punjab National Bank,  
33, Awas Vikas Colony,  
Betiahata, Gorakhpur.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012.446/88-D2(A) dated 28th March, 1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether the action of the management of Punjab National Bank in dismissing from service Shri Tulsi Ram is justified? If not to what relief is the workman entitled?

2. The admitted facts are that workman while he was posted as Peon in Branch Office, Basti of the Bank was given chargesheet dated 21-11-84, copy Ext. M.2, containing following charges:—

Shri Brij Lal ne dinank 22-11-82 ka bachat khata sankhya 3363 se khola jisme unhone rupaye 1000 jama kiye. Aap ne ukta khate khulwate samaya MOF form number PNB 34 par uprokti vyakti se hastakhshar lete samaya usase ek withdrawal form par bhi Dhokhadhari se hastakhshar karwaliya, khata kholne ke bad jamakarata Delhi chala gaya jaha wah sthayeroop se apana vyavsaya karta hai. Dinank 29-11-82 ko aapne ukta khate me se dhokhedhari se 900 rupaye nikal liye

Aap ko uprokti acharan dwipakchhiya samjhaate dinank 19-10-66 ki dhara 19.5 (d) (i) ke antargat duracharan purna hai.

The enquiry was conducted by Sri J. D. Singh an officer of the bank. He held proceedings on 15-3-85, 23-5-85 and 21-6-85, copies Ext. W-1 to W-3. In July 1985, he gave his inquiry report, copy Ext. W-6, holding charge as proved. The Disciplinary Authority agreed with the findings and issued a notice to the workman to show cause why he should not be dismissed from service. The copy of notice dated 26-8-85 is Ext. M 5. The workman was given a personal hearing by the Disciplinary Authority After considering his submissions the Disciplinary Authority vide his order dt. 20-9-85, copy Ext. M 6 dismissed him from service

3. The other admitted facts are that on 22-11-82, while the workman was posted as peon at B. O. Vikram Jodh, one Shri Brij Lal resident of village Ramgarh District Basti opened Savings Bank Account No. 3363 in the said branch with initial deposit of Rs. 1070. Being known to the workman, at the time of opening of account he was introduced to the bank by the workman. On 29-11-82, the workman withdrew a sum of Rs. 900 from the said account of Shri Brij Lal on the basis of withdrawal form bearing his signatures. The workman's case is that he is in need of some money he requested Shri Brij Lal account holder to give him a loan of Rs. 900 to which he agreed. On his part he agreed to pay the amount in easy instalments. It was on the basis of the said agreement that on the basis of withdrawal form signed by the account holder he withdrew Rs. 900 on 29-11-82 from the Savings Bank Account of Shri Brij Lal. The workman alleges that it is said that he was issued a chargesheet dt. 21-11-84, and called to give his reply within 10 days of the receipt of chargesheet. As the chargesheet was not received by him, he could not give its reply. It was received by him during inquiry proceedings on 15-3-85. He has assailed the proceedings of inquiry on the ground that the Enquiry Officer had not acted judicially. He did not take into consideration the representation dated 1-6-83, and 6-9-83 of Shri Brij Lal. The E.O. also did not give him proper opportunity for engaging a defence representative. During inquiry proceeding

he produced Shri Brij Lal as his witness but he went hostile, because of his being simply a peon it was very difficult for him to cross examine the hostile witness. He further alleges that the B.O. did not take into consideration the preliminary inquiry report given by Shri Y. R. Mishra, Asstt. Manager, R.O. Gorakhpur. The findings of the B.O. are not based on facts. They are based on presumptions and surmises. Lastly he alleges that the punishment awarded to him is highly disproportionate to the charges levelled against him. He has, therefore, prayed that he be exonerated of the charges and reinstated with full back wages and all consequential benefits.

4. The case is contested by the management. The management plead that the workman had been working as a peon at B.O. Vikram Jodh since 8-3-80. At the time of joining his duties he was only 8th class pass, but during the period of his employment he passed High School in 1982. On 22-11-82, taking advantage of the poor knowledge of Shri Brij Lal about the banking system/procedure, the workman managed to obtain the signature of the account holder on the withdrawal slip while getting other formalities completed from him in connection with the opening of account. On 1-6-83, the account holder called on the branch and inquired about his account. He was informed by the manager that a sum of Rs. 900 stood withdrawn by him on 29-11-82. The account holder denied having withdrawn the said amount. However on search of record it was noticed that the payment had been received by the workman. On that the account holder lodged a written complaint, copy Ext. M.1 with the manager. After the preliminary inquiry R. M. Gorakhpur, who happened to be the Disciplinary Authority, gave the workman chargesheet dt. 21-11-84. It was sent to him by registered post at the address of the Branch where he was working at that time. When after a lapse of nearly 2 months no reply was received, the Disciplinary authority was left with no alternative but to set up enquiry against him. The workman was represented by a coworkman, namely, Shri Asha Ram Clerk on 15-3-85 and 23-5-85. Subsequently Shri Asha Ram could not represent him on account of personal reasons. However, on the written request of the workman, the E.O. permitted him to engage another defence representative but the workman did not avail the opportunity. According to the management the workman was furnished with all the management's documents and copy of preliminary inquiry report and also afforded reasonable opportunity to study the documents and to prepare his defence. The management plead that the inquiry was conducted by the E.O. in a fair and proper manner in accordance with the principles of natural justice. The management dispute the fact that the finding given by the Enquiry Officer was perverse.

5. In his rejoinder it is alleged by the workman that as he could not repay the money as per promise to the account holder. The account holder got annoyed with him and lodged a complaint with the management.

6. In support of their respective cases both the sides have led oral as well as documentary evidence. Whereas the workman has examined himself the management have examined Shri J. D. Singh, inquiry officer.

7. In this case after the close of evidence written arguments were filed by the parties authorised representatives. In his written argument Shri O. P. Nigam, the authorised representative for the workman has assailed the order of punishment on grounds such as the chargesheet is vague, the inquiry was not conducted fairly and properly and so vitiated, and that the findings given by the E.O. are perverse. However, on 9-5-91, Shri Nigam, in connection with his cases at Camp Lucknow submitted that the workman does not press the plea raised by him that the enquiry was not conducted fairly and properly in accordance with the principles of natural justice. He submitted that he simply seeks the indulgence of the Tribunal under Section 11A of the Industrial Disputes Act with the prayer that the Tribunal may set aside the punishment of dismissal from service and substitute it by any other just punishment.

8. I think, what he submitted on 9-5-91 was submitted by him rightly in the interest of the workman. After the admission by the workman that he withdrew the money on 29-11-82 on the basis of withdrawal form signed by Shri Brij Lal account holder, the burden to prove that he took Rs. 900 as loan from Shri Brij Lal was on him. This burden he failed to discharge during inquiry proceedings. To prove



his defence he examined the account holder but as has been admitted by him in his pleading the account holder went hostile. From the proceedings of enquiry, dated 21-6-85, it is clear that while in the witness box, the account holder stated that the complaint lodged by him with the bank was correct.

9. The question is whether it is a fit case for interference so far as the order of punishment is concerned at the hands of the Tribunal in exercise of its power under Sec. 11-A of the I.D. Act. In this connection some compassionate grounds have been put forth by Shri O. P. Nigam.

10. It has been submitted by Shri Nigam that he is an old employee of the bank. Prior to the incident in question he was never given any memo by the bank. He is a poor peon with a family to support. He has already undergone sufficient punishment and if the order of dismissal from service is allowed to stand, he and his family would be completely ruined. The account holder happens to be a relative of the workman. In the witness box during inquiry proceedings the account holder has admitted that the workman is a relative of the pattidar of his village. He has also said that he has received his full amount from the workman and now he is left with no complaint, against the workman.

11. I have gone through the written arguments filed by the management. After considering the facts and circumstances, I am of the view, that the punishment awarded to the workman is quite harsh and highly disproportionate. There is no doubt about the fact that trust and confidence are the hall mark of the banking industry and if the customer's confidence is shaken, the banking industry cannot flourish. There is no doubt that the workman misused his position and that too with a man who was known to him and who was distantly related to him. But since the account holder has received the money and has excused the workman it is set aside and is substituted by the following punishment—

1. The workman shall not be entitled to any back wages for the period from the date of dismissal till the date of reinstatement.
2. His two annual increments are withheld permanently.
3. In respect of the period of suspension he would not get more than what he has received by way of subsistence allowance.

12. With this substituted punishment the reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No. L-12012/446/88-D.II(A)]

का. अ. 1890.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वये, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध निम्नलिखितों और उनके कर्मचारियों के बीच अन्वये में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, 1947 के अन्वये को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1890.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 12th June, 1991.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 158 of 1988

In the matter of dispute between :

The Secretary,  
Central Bank Employees Congress,  
MIG C-1241, Sector 7,  
Awasthi Colony,  
Rajajipuram, Lucknow.

AND

The Zonal Manager,  
Central Bank of India,  
Aakash Deep Second Storey,  
23, Vidhan Sabha Marg,  
Lucknow.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/416/86-D.2(A) dated 18th November, 1988, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the management of Central Bank of India, Lucknow was justified in taking excess work from Shri Shyam Lal, Sweeper covering the Carpet Area of 8030 Sq. ft. ? If not, what relief the workman was entitled to ?

2. The industrial dispute on behalf of the workman has been raised by Central Bank Employees Congress (hereinafter referred to as Union).

3. The case of the Union is that the workman was appointed as Safai Karamchari in the service of the Bank on 1/3rd scale wages of sub-staff on 1st February, 1973 for cleaning and sweeping two big halls having an area of 6000 sq. ft., constituting premises of the Zonal Office of the Bank situate at 23 Vidhan Sabha Marg, Lucknow in 1974. The bank took on lease another big hall for Zonal Office (Area not given). The workman was required to sweep and clean it also. From 1st July, 1979, the bank started paying the workman wages of a full time employee of sub-staff. Looking to the size of the premises the workman had to devote more than 7½ hours for sweeping and cleaning the premises. On 1st December, 1982, the bank took another hall having an area of 2000 sq. ft. and in 1987 the bank took still another big hall having an area of 3000 sq. ft. One of the big hall was converted by the bank into DPIO Cell and in the hall taken on lease in 1987, Computer Machines were installed. Thus in all the workman was made to clean all the five big halls including bath rooms and lavatories attached to them. The Union alleges that the management was guilty of Unfair Labour Practice inasmuch as the management took work for in excess of the normal working from the workman. According to the Union in order to defeat the case of the workman the bank appointed another Safai Karamchari on 1/3rd Scale Wages of sub-staff. The Union has, therefore, prayed that the workman be paid three hours over time for the period 1979 to 1982, and additional wages of full time employees as sub-staff from 1982 (should be 1983 in view of the first relief).

4. The case is contested by the management. The management plead that the workman was initially appointed as a part-time safai karamchari on 1/3rd scale wages of sub-staff w.e.f. 1st February, 1973. The management admit that since 1st July, 1979, the workman has been full-time employee of the bank. According to the management on 1st September, 1973, two halls having an total area of 5500 Sq. ft. were taken on lease. Subsequently on 7th June, 1974, another big hall having an area of 1000 sq. ft. and on 1st December, 1982, another hall having an area of 1530 sq. ft. were taken on lease. The management plead that as per bipartite settlement in the beginning the workman was paid one third scale wages of sub-staff but his wages were increased to 4 w.e.f. 1st April 1976 and again increased to 3/4th w.e.f. 1st January, 1977 and from 1st July, 1979 his wages were enhanced full time wages of sub-staff. The management further plead that with a view to overcome the difficulty as regards payments of the wages, the bank formulated a policy in 1988 on the basis of bipartite settlement. Copies circulars dated 14th January 1988 and 2nd April 1988 issued by the bank in this regard are annexure 1 and 2 to the written statement. It is then pleaded by the management that on 1st May, 1987 one more hall was taken on lease by the bank for installation of computer machines. This hall however remained closed for months together. However a temporary arrangement for about a month was made in this hall for the sitting of Mr. R. Srivastava Dy. General Manager who had a massive heart attack and who later on died. The workman being a full time employee of the bank was/is supposed to clean the places as and when required irrespective of carpet area. After the installation of computer machine in this hall one additional part-time safai karamchari on one third scale wages of sub-staff was kept on 21st July, 1988 for cleaning and sweeping it. Hence it is wrong to allege that the bank is guilty of unfair labour practice. In fact the Union has no case in respect of the workman



5. In the rejoinder filed by the Union, the Union has admitted the fact that another safai karamchhari was kept by the bank management on 21st July, 1988.

6. In support of its case, the Union has examined the workman and in support of their case, the management have examined Shri R. P. Bhutani, Chief Manager (P), Zonal Office, Lucknow.

7. In this case, the Union has claimed two reliefs for the workman. One is that he should be paid 3 hours overtime for the period 1979 to 1982 and the second is that he should be paid additional wages to full time employee of sub-staff from 1983 onwards. In para 6 of the claim statement, the Union has come with the case that w.e.f. 1st July, 1979, the workman is getting the wages of full time employee of sub-staff. This fact has been admitted by the management in their written statement. I may state here that in his cross examination, the workman has admitted that w.e.f. 1st September, 1989, he has become a peon, meaning thereby that he has ceased to be a safai karamchhari. In view of the above facts we need not examine the wage structure of the workman prior to 1979. The claim requires to be considered in respect of the period 1979 to 31st August, 1989.

8. Now let us examine the area of the premises of the zonal office which the workman was required to sweep and clean during the said period.

9. In the reference order the area of the premises is given as 8030 sq. ft. This very area is mentioned by the workman in para 2 of his affidavit. From the facts stated by the management in paras 22, 23 and 24 it comes out that the area of the premises was 6500 sq. ft. prior to the acquisition of the another hall on 1st December, 1982. While finding out the area of the premises I have not taken into account the area of the 5th hall which was taken on lease by the bank on 1st May, 1987. Its area has been given by the management as 2871.55 sq. ft. During the course of his arguments Mr. Prasad, Union's representative did not dispute the area of the 5th hall acquired on 1st May, 1987 by the bank.

10. The question is whether the fifth hall was also being swept and cleaned by the workman. The Union has set up the case that the workman was also entrusted with the job of sweeping and cleaning. The workman has corroborated this fact by means of his affidavit. However, the management has challenged the Union's case on this point.

11. In para 27 of the written statement, the management have pleaded that one more hall having an area of 2871.55 sq. ft. was taken on lease by the bank on 1st May, 1987 for installation of computer machines. The same was however kept closed for months together. For about a month, when Mr. R. Srinivasan, Bank's Dy. General Manager had a massive heart attack, a temporary arrangement for his sitting was made in the said hall. These facts are corroborated by the management witness Shri R. P. Bhutani, Chief Manager, Zonal Office.

12. To me the evidence adduced by the management on this point appears to be far more reliable than the evidence adduced by the Union. Firstly from the reference order it appears that the workman was simply sweeping and cleaning the premises of the Zonal Office having an area of 8030 sq. ft. Secondly it is even admitted to the Union vide para 6 of its rejoinder that on 21st July, 1988, the management had engaged a part-time safai karamchhari on 22nd July, 1988. Had the workman been also sweeping and cleaning this fifth hall, in the reference order, area must have been given more than 10,000 sq. ft. Moreover by filing the copy of the petition filed by the Union/workman before ALC (C), the Union could have shown that more than 10,000 sq. ft. of area was being swept and cleaned from the workman by the management. Hence on this point I hold that till 30th November, 1982, the workman was sweeping and cleaning an area of 6500 sq. ft. and w.e.f. 1-12-83 onwards he was sweeping and cleaning an area of 8030 sq. ft.

13. Lastly I come to the point as to how much time the workman was devoting in sweeping and cleaning the above area of the premises of the Zonal Office of the Bank. In his cross examination the workman has deposed that his duty hours had been from 8 a.m. to 11 a.m. and 3 p.m. to 7 p.m. on all working days except Saturdays. On Saturdays his

working hours used to be from 8 a.m. to 10.30 a.m. and 3 p.m. to 5 p.m. While deposing the above facts he has deposed that he had to do work of sweeping and cleaning for more than his fixed duty hours. He generally came in the morning at 7 a.m. and some times he had to work upto 1 p.m. or 2 p.m. and in the evening he worked till 8 p.m. It was inquired from him as to what he did when the bank staff started working on their seats. In reply he deposed that he then cleaned the toilets and clean the floors with wet cloth.

14. In order to show that there is no truth in the statement made by the workman that he had to work beyond his duty hours, the management witness, with his affidavit has filed the copies of extracts from the attendance register of the months of January, April, May and July 1984, October, 1986, Feb. 1986, November and December 1988 and January, March and April, 1989. According to Shri G. C. Asthara, the authorised representative for the management the above extracts from attendance register have been filed as examples. We have examined these extracts from the attendance register and find that there is nothing to show that on any day, the workman had worked beyond his duty hours. I may state here that there is no evidence also from the side of the Union to show that the workman or the Union ever complained to the management that the workman was not being allowed to mark correct timings of his arrival and departure in the attendants register. Had there been any truth, that work beyond duty hours was being taken from the workman, neither the workman nor the Union would have kept silence for such a long period. The Union in such an event would have protested to the management in writing and in support of its case would have surely filed copies of such representation. Man may lie but the circumstances do not. The conduct of the workman and the Union had been very relevant on this point. I am, therefore not prepared to believe that the management had taken work of sweeping and cleaning the premises beyond the normal working hours.

15. The copies of two circulars filed by the management with their written statement are Ext. M. IV and MV. Ext. MIV is the copy of circular dated 14th January, 1988. In it certain norms regarding area to be swept by a part time safai karamchhari and wages to be paid to him are given. According to this circular where the area to be cleaned is normally 5001 sq. ft. and above, the safai karamchhari would be paid full scale wages and his weekly hours would be taken as beyond 29 hours.

16. Ext. M V is the copy of circular dated 2nd April, 1988 in this for entitlement of full scale wages the area to be swept is given as 4501 sq. ft. and above.

17. With his affidavit the management witness has filed the copy of another circular dated 25th May, 1981. It was issued consequent upon 5th bipartite settlement. It is also on the point of payment of wages to part time safai karamchhari/sweeper. According to it where per week working would be beyond 29 hours, the safai karamchhari/sweeper would be entitled to full scale wages.

18. From the above circulars it appears that where an area of the premises to be swept and cleaned is 4501 sq. ft. and above or 5001 sq. ft. and above it would be taken that the safai karamchhari has been devoting more than 29 hours in a week.

19. From the statements made by the workman in his cross examination, it is evidence that on every working day except Saturday an employee of bank has to work for 6 1/2 hours and on Saturdays he has to work for 4 hours. It means that per week working hours of an employee of the bank are about 36 1/2 hours.

20. If it is taken that for sweeping the area of 5000 sq. ft. a safai karamchhari takes about 29 hours or a little more in 6500 sq. ft. in 36 1/2 hours in a week. If it were, so no excess a week he would be deemed as cleaning an area of about work was being taken from him till 30th November, 1982. All that can be said is that w.e.f. 1st December, 1982 according to the norms prescribed by the abovementioned circulars he was a little over burdened with work. The fact that he did not work beyond normal working hours, means that he did the job of safai as far as he could do only during the prescribed working hours. This shows that while doing his duty he was skipping over some of his job.

21. Hence from the above discussion of facts and circumstances I hold that although w.e.f. 1st December, 1982, the area of the premises of the bank increased a little, but no work in excess of the normal working hours was taken by the bank management from the workman.

22. The result would be that the workman is entitled to no relief.

23. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No. L-12012/416/86-D-II(A)]

का. अ. 1891.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1891.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR.

Industrial Dispute No 136 of 1988

In the matter of dispute between :

Shri Anil Kumar & Shri Krishna Chandra C/o. Shri  
V. N. Sekhari, 26/104 Birhana Road, Kanpur.

AND

The Regional Manager, Central Bank of India, Pandu  
Nagar, Kanpur.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/840/87, D.II(A), dated 1-10-88 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Central Bank of India in termination the services of Shri Krishna Chandra and Shri Anil Kumar and not considering them for further employment while recruiting fresh hands under section 25H I. D. Act is justified ? If not to what relief is the concerned workmen entitled ?

2. On 30-5-1991 the case was fixed for filing of affidavit evidence on behalf of the two workmen. Neither the workmen concerned nor their authorised representative appeared in the case. In respect of workman Shri Krishna Chandra, management's authorised representative submitted that the workman has agreed to withdraw his case as he had appeared in the test conducted by the Bank for recruitment in the sub-staff cadre. Therefore, the case may be closed in respect of the workman Shri Krishna Chandra. With regard to the other workman namely Shri Ashok Kumar it appears that he is not interested in prosecuting the case.

3. Therefore, in view of the above a no claim award is given against the workmen as they are least interested in prosecuting their case.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No. L-12012/840/89-D. II(A)]

का. अ. 1892.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ

इंडिया के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधि-करण, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार की 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1892.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-91.

#### ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA, BHUBANESHWAR  
PRESENT :

Shri R. K. Dash, LL.B., Presiding Officer, Industrial  
Tribunal, Orissa, Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 3 OF 1991  
(CENTRAL)

Dated : Bhubaneswar, the 1st June, 1991

BETWEEN :

The Management of Central Bank of India, Jatni  
Branch, Jatni, Puri.

..First Party—Management.

AND

Their workmen Shri K. K. Murali S/o. K. Krishna Rao,  
Tailor Master, Railway Market, Jatni, District, Puri

AND

Shri K. Krishna Rao, S/o. K. Ramachandra Rao, Hat-  
bazar, Jatni, District Puri.

..Second Party—Workmen.

APPEARANCES :

Shri P. Mohapatra, Dy. Chief Officer (LAW) Regional  
Office—For the First Party—Management.

Shri P. Pappa Rao, Jt Secy., UCO Bank Employees  
Association & Committee member, All Orissa Bank  
Employees Federation. ---

- -For the second Party--Workmen.

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), and by then order No. L-12012/298/90-JRB-II), dated 15-2-1991 have referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :—

“Whether the action of the Management of Central Bank of India, Jatni Branch, Jatni, District Puri in terminating the services of Shri K. Murali w.e.f. 19-9-1989 and Shri K. Krishna Rao, w.e.f. 17-9-88 is justified ? If not, to what relief the workmen are entitled ?”

2. This case was posted to to day for recording settlement. The memorandum of settlement duly signed by both the parties is put-up. The second Party-workmen told the representative of the First Party-Management submitted that they have settled the dispute out of Court in the interest of industrial peace and harmony and prayed to pass an Award in terms of the settlement. Both the parties admitted the terms of settlement before me. The settlement seems to be fair. Hence, I pass this Award in terms of the settlement. The memorandum of settlement do form part of the Award. Typed to my dictation and corrected by me.

Sd/- R. N. DASH, Presiding Officer  
[No. L-12012/298/90-JRB-II]

FORM H  
(SEE RULE 53)FORM OF MEMORANDUM OF SETTLEMENT  
BETWEEN

Shri K. K Rao and Shri K. Murali, Workmen.

VS

Central Bank of India, Jatni branch—Employer.

Representing employee(s): Shri P. Mohapatra, Dy. Chief Officer (Law) Central Bank of India (R.O.) Bhubaneswar  
Representing workmen: Shri P. Pappa Rao Jt. Secretary UCBEA and Committee members of DOBEF.

The above named workmen have gone for Industrial Dispute for regularisation of their employment and for backward wages from the date of retrenchment. Both the workmen claimed to have worked in the permanent vacancy of the post of part-time Safai Kamachari at the scale of 1/2 of the wages of a Sub-Staff. Both of them claim to have worked on casual basis for more than 240 days including Sundays and holidays. As the Branch Manager, Jatni branch retrenched them from service, both of them have come up for this dispute.

The dispute between the parties are settled on the following terms and conditions.

1. That the employer, Central Bank of India agreed to give both of them employment in the existing vacancy of the Bank within this Region in the same scale in which vacancy they were working at Jatni Branch.
2. That the workmen hereby agreed that they will not claim any backward wages and back dated weightage in seniority.

On the above two terms and conditions both parties have settled their dispute,  
Sd./ Illegible.

K. Krishna Rao 31-5-1991.

Dy. Chief Officer (Law) K. Murali 31-5-1991.  
Regional Office, Bhubaneswar, Signature of workmen.  
For Central Bank of India

Witness :

S. K. SINHA, Dy. Chief Officer (Personnel)  
Regional Officer, Bhubaneswar.

1. Sd/- Illegible 31-5-1991.

2. P. Pappa Rao 31-5-91 (It. Secy. UCO Bank Employees Assn. and Committee member of All Orissa Bank Employees Federation C/o. UCO Bank, Zonal Office Bhubaneswar-751001.

Make Part of the Award.

Sd./- R. K. DASH.

P.O.I.T.

1-6-1991

गई दिल्ली, 21 जून, 1991

का. भा. 1893—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1917 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के द्वारा केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पचाद को प्रकाशित करनी है जैसा कि अधिनियम की धारा 33-क के अधीन श्री डी. श्रीवासव द्वारा एल. आर्च. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंध वर्ग के विरुद्ध दायर की गई शिकायत के संबंध में अनुबंध में वर्णित गया है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुई थी।

New Delhi, the 21st June, 1991

S.O. 1893.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in res-

pect of complaint under Section 25A of the Act filed by Shri D. Srivastava against the management of LIC of India which was received by the Central Government

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DUV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR  
COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 26 of 1987

In the matter of dispute between :

Shri Diwakar Srivastava,  
128/383, 'K' Block,  
Kidwai Nagar, Kanpur.

AND

Life Insurance Corporation of India,  
Through its Zonal Manager,  
Central Office, Jeevan Vikas,  
16/58, Mahatma Gandhi Marg, Kanpur & one other.

## AWARD— UNDER SECTION 33-A

1. This is a petition under section 33-A of the Industrial Disputes Act.

2. The petitioner's case in brief is that he was employed by the Life Insurance Corporation of India (hereinafter referred to as LIC) on 30-9-85 as Temporary Assistant on daily rate basis in its Career Agent's Branch, Birhana Road, Kanpur. He alleges that after completing 104 days service upto 6-2-86, he became entitled for permanent employment under Regulations framed by the LIC. Instead of giving him permanent employment, the management illegally terminated his services w.e.f. 7-2-86 when the industrial dispute raised by the Central Zone National Life Insurance Employees Association (hereinafter referred to as Association) of which he was a member was pending before the National Industrial Tribunal, Bombay, the reference made to National Industrial Tribunal was with regard to wages and other conditions of service of Badli, Part time, and Temporary Employees of LIC as well as conditions of their absorptions in regular service. Thus the management violated the provisions of section 33 of Industrial Disputes Act, 1947. He has also alleged that the management is guilty of Unfair Labour Practice. He has, therefore, prayed that the action of the management in terminating his services w.e.f. 7-2-86 be declared as null and void he be treated as continuing in service.

3. The petition is contested by the management. The management plead that the petitioner had worked in Career Agent's Branch at Kanpur, from 30-9-85 to 6-2-86, on contract basis @ Rs. 25 per day. The management deny that the petitioner ever became entitled for permanent employment. The management further admit that dispute regarding the wages and other conditions of service of Badli Part-time and Temporary Employees of LIC was referred to by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, to National Industrial Tribunal, Bombay, for adjudication. National Industrial Tribunal, Bombay gave its award on 18-4-86. Since the petitioner was employed in service after the reference of dispute to National Industrial, Bombay, his case is not covered by the award given by National Industrial Tribunal Bombay. If for a moment it is taken as correct that the service of the petitioner was terminated during the pendency of the proceedings before the National Industrial Tribunal Bombay, the present petitioner ought to have been filed by the petitioner before the National Industrial Tribunal, Bombay, and not before this Tribunal. This Tribunal has, therefore, no jurisdiction to hear the present petition.

4. On 20-2-89, it was observed by this Tribunal that looking to the pleadings of the parties, a question of territorial jurisdiction is involved in the case. Therefore, it will have to be decided first. For deciding this point the parties were directed to lead evidence on this point. On 20-9-89, the petitioner examined himself. On 20-11-89, the management filed affidavit evidence of their witness. Thereafter a date for cross-examination of the management witness was fixed. Till 1-4-91, the workman had been seeking adjournments on one ground or the other in the case. From the order dated

13-8-90 it appears that till then he had sought adjournments on one ground or the other. On 23-8-90, which was the next date fixed for the cross examination of the management witness, the petitioner moved an application with the prayer that the case be adjourned since he had moved the authority for transfer of the case. Thereafter adjournments were sought by him in the case on this ground. Finally on 31-1-91, 1-4-91 was fixed for cross-examination of the management witness.

5. On 1-4-91, the workman moved an application with the prayer that he be allowed to withdraw the case. It was alleged by him that he had decided to withdraw the petition on technical grounds. What are the technical grounds are not found stated in the application.

6. Looking to the back grounds of the facts, it appears that the petitioner has no intention to proceed with the case. The application, is therefore, allowed and the petition under section 33-A I.D. Act, is dismissed.

ARIJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12025/7/91-IRB(II)]

% K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 जून, 91

का. मा. 1894.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुसूचन में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th June, 1991

S.O. 1894.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NEW DELHI

I.D. No. 133/88

In the matter of dispute between :

Shri I.D. Chopra,

as represented by Dy. General Secretary,

State Bank of India Staff Association,

2124/2, Harisingh Nalwa Street No. 58,

Karol Bagh, New Delhi-110005.

Versus

State Bank of India,

through Dy. General Manager,

State Bank of India,

Main Branch,

11, Sansad Marg,

New Delhi-110001.

#### APPEARANCES :

Shri P. P. Trikha—for the workman

Shri B. R. Naidu Asstt. Law Officer—for Management.

#### AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/16/82-DII(A) dated, 30-1-88 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of India, Main Branch, New Delhi is not sanctioning the retirement of Shri I. P. Chadha and terminating his services with effect from 23-7-1981 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The case was fixed for settlement between the parties and the parties have filed a settlement alongwith an application. This settlement runs as follows :

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

EMPLOYER—STATE BANK OF INDIA

REPRESENTED BY DY. GENERAL MANAGER

EMPLOYEES—SH. I. P. CHADHA, REPRESENTED

BY THE PRESIDENT, SBI STAFF ASSOCIATION  
REPORT RECITAL OF THE FACTS

#### WHEREAS

- The workman in I.D. No. 133/88 had raised the Industrial Dispute about his termination of services by the Bank.
- the matter under settlement is pending before the Central Govt. Industrial Tribunal since 1988.
- the parties for maintaining the industrial peace and harmony, have been trying to arrive at a settlement.
- the parties to the dispute have agreed voluntarily for settlement on the following terms and conditions which are beneficial to both the parties.
- the parties further agree that this settlement shall be binding on them and that the settlement shall be filed with the appropriate authority as required by Rule 58 of the I.D. (Central Rule 1957).

Now, it is hereby agreed by and between the parties hereto as follows :

- the employee shall be deemed to have retired from the Bank's service on medical grounds w.e.f. 23-7-81.
- the Bank has agreed to release the pension to the employee from the date of retirement i.e. 23-7-81 without any interest on the arrears of pension.
- The employee has agreed to receive the pension without any interest on the arrears of pension w.e.f. 23-7-81 to the actual date of payment.
- The Bank will pay all the arrears of pension, after calculating as per pension rules applicable to the employee, within 3 months from the date of publication or this Memorandum of Settlement.
- The employee/workman representative agree to withdraw all the cases in any other Court in regard to pension, if any, pending against the Bank.
- That in short the employee will have no claim against the Bank whatsoever, in future as well. The employee further agrees not to raise any dispute whatsoever before any authority/legal forum of Court of Law regarding payment of pension or interest on the arrears of pension in future, except for non-implementation of this settlement.
- It is further agreed by and between the parties that as per the terms of settlement, both parties shall moved a joint application in I.D. No. 133/88 pending before C.G.I.T. praying for recording settlement of dispute in terms of this joint memorandum and passing the Award accordingly."

3. In view of the above settlement which shall form part of the Award parties are left to bear their own costs. However if the award is not implemented within the specified period the workman shall be entitled to interest @12% per annum till the entire payment, is made as per award Settlement.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

5th June, 1991.

[No. L-12012/16/82-DII(A)]

BEFORE THE CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL/  
LABOUR COURT, NEW DELHI  
REFERENCE : 12012/16/82-D II(A)  
I.D. : 133/88

I.P. CHADHA—WORKMAN

VERSUS

STATE BANK OF INDIA—EMPLOYER  
APPLICATION FOR RECORDING THE  
SETTLEMENT

MOST RESPECTFULLY SHOWETH

- (1) that the above noted reference was made to this Hon'ble Tribunal by the Central Government. The said reference is pending.
- (2) that the parties have entered into an amicable settlement voluntarily which has been executed and witnessed. The Memorandum, in original, is enclosed.
- (3) that in terms of the enclosed memorandum settlement may be recorded and the award may be passed leaving the parties to bear their own cost.

It is, therefore, prayed that the settlement in terms of the said memorandum may be recorded and award be passed accordingly, leaving the parties to bear their own costs.

DATED 25-5-91

AT DELHI

(P.P. TRIKHA)

WORKMAN Union Representative

For and on Behalf of the  
Management/Employer

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

EMPLOYER : Statement

Employer—State Bank of India Represented by  
Dy. General Manager.

Employee—Sh. I. P. Chadha, Represented by the President,  
SBI Staff Association.

SHORT RECITAL OF THE FACTS

WHEREAS

- (a) the workman in I.D. No. 133/88 had raised the Industrial Dispute about his termination of services by the Bank.
- (b) the matter under settlement is pending before the Central Govt. Industrial Tribunal since 1988.
- (c) the parties for maintaining the industrial peace and harmony, have been trying to arrive at a settlement.
- (d) the parties to the dispute have agreed voluntarily for settlement on the following terms and conditions which are beneficial to both the parties.
- (e) the parties further agree that this settlement shall be binding on them and that the settlement shall be filed with the appropriate authority as required by Rule 58 of the I.D. (Central Rule 1957).

Now, it is hereby agreed by and between the parties hereto as follows :

- (i) the employee shall be deemed to have retired from the Bank's service on medical grounds w.e.f. 23-7-81.
- (ii) the Bank has agreed to release the pension to the employee from the date of retirement i.e. 23-7-81 without any interest on the arrears of pension.
- (iii) The employee has agreed to receive the pension without any interest on the arrears of pension w.e.f. 23-7-81 to the actual date of payment.
- (iv) The Bank will pay all the arrears of pension, after calculating as per pension rules applicable to the

employee within 3 months from the date of publication of this Memorandum of Settlement.

- (v) The employee/workman representative agree to withdraw all the cases in any other Court in regard to pension, if any, pending against the Bank.
- (vi) That in short the employee will have no claim against the Bank whatsoever, in future as well. The employee further agrees not to raise any dispute whatsoever before any authority/legal forum or Court of Law regarding payment of pension or interest on the arrears of pension in future, except for non-implementation of this settlement.
- (vii) It is further agreed by and between the parties that as per the terms of settlement, both parties shall move a joint application in I.D. No. 133/88 pending before C.G.I.T. praying for recording settlement of dispute in terms of this joint memorandum and panding the Award accordingly.

Signature of parties  
WORKMAN's  
(P. P. TRIKHA)  
Union Representative  
BANK

WITNESS

1. Illigible  
(Severan Personnel Officer  
SBI Main Br. New Delhi,
2. (M. Y. Khan)  
P.S. To DGM

SBI NDMB

नई दिल्ली, 12 जून, 1991

का. आ 1895—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एंड जयपुर के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार [औद्योगिक अधिकरण श्रम न्यायालय, कानपुर के पंचद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th June, 1991

S.O. 1895.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-6-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 217 of 1989

In the matter of dispute between :-

President U.P. Bank Karamchahi Sangh, 26/104,  
Birhana Road, Kanpur-208002.

AND

Regional Manager State Bank of Bikaner and Jaipur,  
42, Community Center, Nanagan, Face-I, New  
Delhi-110028.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/70/89-JR (B-3) dated 7-9-89 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Geetanagar, Kanpur Branch of State Bank of Bikaner and Jaipur in imposing punishment of reducing pay of Shri M. L. Srivastava, Clerk-cum-Cashier to the next lower stage of Rs. 1565 p.m. w.e.f. 1-11-1987 for a period of one year is justified and if not to what relief, the workman concerned is entitled to?"

2. In the present case today Shri K. N. Soni, the authorised representative for the Union filed an application signed by the President, Uttar Pradesh Bank Karamchahi Sangh, which has espoused the present case. In the said application it has been requested that since the workman had died, a no claim award be given.

3. In view of the prayer made by the Union through application dated 29-5-91, reference is answered against the union/workman.

4. The reference is answered accordingly.

[No. L-12012/70/89-IRT(B III)]

[No. L-12012/70/89-IR (B III)]

का. आ. 1896.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बरेली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, के प्रबंधन के सदस्य नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम मायालय कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1896.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal Cum Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bareilly Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARIAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD,

KANPUR

Industrial Dispute No. 95 of 1990

Shri Rajendra Pal S/o Swargiya Parwat Dayal, Gram  
Va Post Valliya Via Devyash, District Bareilly.

AND

The General Manager, Bareilly Kshetriya Gramin Bank,  
Head Office, 124, C Civil Lines, Bareilly.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/1/89/IR(BI) dt. 5/6-4-90 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

Whether the action of the management of Bareilly Kshetriya Gramin Bank in terminating the services of Shri Rajendra Pal w.e.f. 22-1-89 is legal and justified? If not to what relief the workman concerned is entitled to?

2. The instant case was fixed on 3-5-91 for filing of the affidavit evidence by the workman. On 3-5-91, neither the workman nor his authorised representative appeared. Moreover in this case no rejoinder had been filed by the workman. It thus appears that the workman is not interested in prosecuting the case.

3. Thus in view of what has been discussed above, I give a no claim award against the workman.

4. Reference is answered accordingly.

ARIAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12012/1/89-IR (Bank-II)]

का. आ. 1897.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के सदस्य नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1897.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Cum Labour Court Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARIAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR,

Industrial Dispute No. 50 of 1989

In the matter of dispute between:

Shri Nihal Singh,  
C/o Sh. V. K. Gupta,  
2/363 Namagir,  
Agra-282003.

AND

The Regional Manager,  
Region No. 3 Agra,  
State Bank of India,  
Agra-282003.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/85/88 D 3(A) dated 10-2-1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether the Regional Manager, State Bank of India, Agra was justified in terminating the services of Shri Nihal Singh, Guard of Tarauli Branch of the Bank in violation of principles of natural justice w.e.f. 8-1-87? If not, what relief the workman was entitled to?

2. The admitted facts are that the workman is an ex-Military Man who had rendered 14 years 2 months' service. During the period 1979 to May 1985 he had worked as a temporary guard in leave vacancies at Vrindaban Branch of the bank for a total number of 179 days. Keeping in view his past services as temporary guard, he was appointed by the management as a permanent guard on 14-7-86. However, the management terminated his services on 8-1-87.

3. The workman's case is that the termination of his services was in violation of principles of natural justice. He was not given any opportunity to explain his conduct or defend himself. He has, therefore, prayed that he be ordered to be reinstated with full back wages and continuity of service.

4. The case is contested by the management. The management plead that after his permanent appointment as guard on 14-7-86, it was noticed that he had given his date of birth differently in different forms. While in the application for permanent appointment, he had mentioned it as

5-1-86, in the attestation form he had stated it as 5-5-38. Annexure 2 and 3 are copies of application for permanent appointment and attestation form respectively. Since the correct position about his date of birth was not clear even from his Military Discharge Certificate, the matter about his date of birth was referred to the Military Authorities. The Military Authorities confirmed that his date of birth as per their records was 5-1-36 and not 5-5-38. Thus it transpired that he was over age at the time of giving of permanent appointment as guard even after giving the permissible relaxation in respect of the service period spent by him in the Military. As per standing instructions of the bank persons to be appointed as guards should have the maximum age of 24 years. Relaxation of 3 years is permissible in respect of Ex-serviceman besides the period spent by them in active service in the Army. In the case of workman, he joined the Army on 5-1-54. So at the time of permanent appointment as guard he was 51 years of age when in October, 1979 at the time of temporary appointment his age should have been 41 years 2 months, 24 years being the maximum age as per bank's instructions without relaxation, 3 years on account of relaxation in age given to ex-servicemen and 14 years two months on account of relaxation being equivalent to 14 years 2 months active service rendered by him. Thus his services were rightly terminated on 8-1-87 after giving him one month's salary in lieu of notice as required by para 522(10) of the Sastri Award. Moreover before taking the decision of termination of his services, the explanation submitted by the workman with regard to inconsistency about the date of birth was duly considered by the bank. It was not found satisfactory.

5. In support of his case the workman has examined himself on the other hand in support of their case, the management have examined Shri P. C. Matia an officer of the bank and have relied upon a number of documents.

6. In para 3 of his affidavit, the management witness has deposed that the workman was given a chance to explain his conduct but the explanation submitted by him was not found satisfactory. Therefore, his services were terminated on 8-1-87 after paying him one month's salary in lieu of notice. In para 4 of his statement in cross examination, the management witness has deposed that the explanation submitted by the workman is dated 20-10-86. Ext. M.3 is the copy of the said explanation. In his explanation he stated that his date of birth is 5-5-38. It therefore cannot be said that no opportunity was given by the management to the workman to explain his conduct with regard to the inconsistencies observed by the management in different forms, about his date of birth. While under cross examination, the management witness was ordered to file the photo copies of the letter of termination dt. 8-1-87. The photo copy was filed by the management the same day.

7. Now let us examine the evidence on the point of date of birth of the workman. On this point there is no evidence from the side of the workman. He has said nothing even in his affidavit dt. 31-5-90 which he tendered in evidence while in the witness box. In his cross examination he has deposed that he had his education in Raya Intermediate College Raya. Raya according to him is a town which is about 2 kms away from his village Surja. He has also deposed that he is 7th pass only. He studied in 8th class also but he failed in examination of 8th class. So to prove his date of birth he could have very well filed the copy of School Leaving Certificate. He has admitted that at the time of recruitment in the Army he had filed his School Leaving Certificate. I fail to understand the hitch on his part to obtain a duplicate School Leaving Certificate and to file it in this case as a proof on the point of his date of birth. He has also deposed that in his village Kutumb Register is maintained. But for reasons best known to him the copy of Kutumb Register has not been filed by him. It is well known that in the Kutumb Register the approximate age of the various members of a family are given. Thus the best evidence which could have supported him in respect of his case on the date of birth has been withheld by the workman.

8. In para 4 of his affidavit the management witness has deposed that as per standing instructions of the bank, per-

sons to be appointed as guards in the bank should have the maximum age of 24 years which is relaxable to the extent of three years and the years of effective service put in the Army by Ex-service man. There has been no cross examination of the management witness on the above facts even there is no evidence to the contrary from the side of the workman.

9. The management witness has further deposed in para 4 of his affidavit that the workman joined the Army on 5-1-54 and at that time he was 19 years old. It means that he was 44 years and 3 months old in October, 1979 when he was first engaged as a temporary guard in leave vacancies and was 51 years of age at the time of his permanent appointment when as per bank's standing instructions he ought to have been 41 years 2 months old in October, 1979. There has been no cross examination of the management witness even on this point.

10. In his cross examination, the workman has admitted that he joined Military Service in 1954 and at that time he was 19 years old. In para 1 of his affidavit the workman has deposed that he had rendered an active service of 14 years and 2 months in the Army. Thus from his own evidence it appears that he was born some time in 1935—

11. Now let us see what date of birth was mentioned by him in the various forms of the bank in connection with his permanent appointment as guard. Ext. M.1 is the application form to be filled in by a candidate for the post of Guard in the Bank. In his cross examination the workman states that the form was filled up by another person after getting details from him. The scribe wrote in it what ever he had told him. Whereas in the application form he has given his date of birth as 5-1-36 in the attestation form which is part of the application form he has given his date of birth as 5-5-38.

12. There is another form in Proforma 'A' for filling up the post in subordinate cadre. The photocopy of the Proforma A as filed by the workman was also filed by the management on 19-7-90. The workman was confronted with the original Proforma A during his cross examination. He admitted that on the original there appeared his photograph and his signatures. In it the date of birth is noted as 5-1-37. There is an observation with which the authorised representative for the parties also concurred that in the year 1938 digit '7' has been over written over digit '8'. Who had done it we do not know as there is no evidence. It is also mentioned in the application proforma A that the workman had passed 8th class in First Division which fact is palpably wrong. It has come in his cross examination that he is 8th class fail.

13. Ordinarily as per bank's standing instructions, the age in October 1979 after giving him every kind of relaxation in age should have been 41 years 2 months but it was not so even when examined in the light of the facts deposed to by him. As stated above he has deposed that in 1954 when he joined Military he was 19 years of age. It means that he was about 44 years of age in October, 1979 51 years old at the time of his permanent appointment.

14. Thus from the above evidence I find that he was not eligible for permanent appointment as guard in the bank's service in July 1986. Having procured his appointment by giving wrong information about his date of birth the appointment cannot be upheld. His services were rightly terminated by the bank management.

15. Hence, the action of the management in terminating his services cannot be held as unjustified. Consequently the workman is entitled to no relief.

16. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
(No. I-12012/86/88-D.II(A))

का. प्र. 1898—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, कामपर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1898.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-6-91.

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 12 of 1989

In the matter of dispute between :

Shri Jagat Singh Negi, C/o The Secretary Uttar Pradesh  
Bank Employees Congress, Unit Shahabad, Rampur, U.P.

AND

The Manager, Bhartiya State Bank, Region II, 148  
Civil Lines, Bareilly.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. I-12012/97/88-D-3(A) dated nil has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Kya Bhartiya State Bank Bareilly ke prabandhako ka Grishma Kalin Vardi jo April 1987 mein dei thi na dena nyayochit hai? Yadi Nahi to sambandhit Karamkar kis anutosh ka adhikari hai? Kya Bhartiya State Bank Bareilly ke prabandhako ka Shri Jagat Singh Negi ko sambandhit karya na dekar cycle bhatta na dena nyayochit hai? Yadi Nahi to bah kis anutosh ka adhikari hai?

2. The Industrial Dispute on behalf of the workman has been raised by the Secretary U.P. Bank Employees Congress (hereinafter referred to as Union) Unit Shahabad District Rampur.

3. The case of the Union is that the workman is a class IV Employees posted at Shahbad Branch (District Rampur) of the bank. Since the workman happens to be an active member of the Union, the branch manager has been harassing him. The Union alleges that in terms of para 13.16 of Desai Award and para 17.1 of the bipartite Settlement an employee of the bank doing duty of more than 6 hours in a week is entitled to Uniform. On 5-11-86, the workman gave an application to the branch manager in this regard but the branch manager refused his prayer by making a note on his application that it was not due. Thereafter he applied for giving Winter Uniform two or three times, but the branch manager gave no reply. On that on 12-5-87 and 14-5-87 the workman again applied for giving of Summer Uniform. The branch manager remarked that the matter would be considered by the Regional Office. Similarly on 21-12-87, the workman again applied for Winter Uniform to which no reply was given by the branch manager.

4. The Union further alleges that vide para 6.40 of the Desai Award and para 9.2 of the First Bipartite Settlement and para 10 of the Third Bipartite Settlement the management have to pay cycle allowance to such members of the sub staff from whom out door duties involving the use of cycle are taken. Despite several letters written by the workman during the period 15-10-86 to 16-4-87 for payment of cycle allowance to him, no cycle allowance was paid to him.

5. The case is contested by the management. The management plead that para 17.1 of the first bipartite settlement is not applicable to the State Bank of India as the bank was not the signatory of the said bipartite settlement, however in terms of para 8.1 of the settlement entered with All India State Bank of India Staff Federation it was agreed that in supersession of para 13.16 of the Desai Award, all

permanent full time members of the sub staff would be supplied with two sets of cotton uniform every year and one set of woollen uniform in three years. In view of it, the summer uniform was due to the workman in April/May 1987. Before, the Summer Uniform could be made available to him a decision was taken to place him under suspension for his alleged misconducts of gross nature and accordingly he was placed under suspension on 30-6-87. So during the period of suspension the workman was not eligible for regular facilities. The Bank management was therefore right in not supplying the summer uniform to him for the summer of 1987.

6. As regards cycle allowance, the management plead that para 9.2 of the first bipartite settlement is not applicable to the bank. However, in terms of settlement dated 31-10-89, between the Indian Banks' Association and All India Workmen Unions to which the State Bank of India was also a party, it was agreed that cycle allowance would be paid to members of the sub staff who are required by the bank to use a cycle on regular assignment for out door duties. Since the workman was not required by the Bank to use cycle on regular assignment for out door duties he was not paid cycle allowance. The management have then raised some legal pleas. According to the management, the petition filed by the Union is nothing but merely an application; it is not a petition required by law to be filed. Further in departmental proceedings he has been punished. His basic pay has been reduced and he has been demoted.

7. In support of their respective cases both sides have led oral as well as documentary evidence. Whereas the Union has examined the workman, the management have examined Shri Satya Pal Ghai an officer of the bank. From the reference order as well as from the claim statement filed by the Union, it is evident that two kinds of claim have been set up by the Union. One is with regard to supply of Summer Uniform which was due in April 1987 and the second is with regard to payment of cycle allowance. Let us consider the two claims one by one.

8. (1).—Supply of Uniform (Summer).—With regard to it the management conceded the claim of the Union by means of their application dated 12th March, 1991, filed before the Tribunal on 15th March, 1991. In the application the management stated that the bank had reconsidered the question of providing summer uniform to the workman due to him in April 1987, suo moto and had decided to compensate the workman with the cost of the uniform prevailing at the material time. In view of it there remains no controversy on this point. The management will pay the cost of summer uniform which had become due to the workman in April 1987. The cost will be worked out at the prices prevalent in April/May, 1987.

9. (2) Cycle Allowance.—The management have set up the case that in terms of settlement dated 31st October, 1979 between Indian Banks Association and All India Workmen Union to which the State Bank of India is also a party, it was agreed that cycle allowance would be paid to the members of the sub-staff who are required by the bank to use the cycle on regular assignment for out door duties. The authorised representative for the management have placed before the Tribunal a Book on Agreements/Settlements between State Bank of India and All India S.B.I. Staff Federation and bipartite settlement between Indian Banks Association and All India Workmen Union.

10. The first agreement referred to in this book is dated 31st March, 1967. It was between the State Bank of India and All India State Bank of India Staff Federation. In chapter V of the agreement there is a reference to cycle allowance. Para 5.3 lays down that in supersession of para 6.40 of the Desai Award members of sub-staff who are required by the bank to use cycle on regular assignment for out door duties would be eligible for cycle allowance of Rs. 7 per month. It appears that subsequently by means of settlement dated 31st October, 1979, between the Indian Banks' Association and the All India Bank Employees Association and the National Confederation of Bank Employees this allowance was raised to Rs. 15 per month in case of cities other than Bombay, Delhi, Calcutta and Madras. Shri Negi, the workman did not dispute the fact that at present the cycle allowance is Rs. 15 per month.



11. From the above referred terms of the agreement/settlement it becomes evident that cycle allowance is payable only to a member of sub staff who is required by the bank to use cycle on regular assignment for out door duties.

12. The management's case is that the workman was placed under suspension on 30th June, 1987. This fact has been admitted by the workman in his cross examination, therefore, the question of payment of cycle allowance after 30th June, 1987 to the workman does not arise at all. He has further admitted in his cross examination that such members of sub staff from whom cycle duty is not taken are not entitled to cycle allowance.

13. The question is whether or not the workman can claim out door duties involving use of cycle as of right. During the course of his arguments it was submitted by Shri Negi that usually cycle duties are given for a period of one month in rotation to the members of sub-staff. This practice has not been challenged before me by the authorised representative for the management. The management's authorised representative however submits that it is the sole discretion of the branch manager to give or not to give out door duties involving use of cycle to any member of the sub-staff. According to him such situation arises when a member of sub staff is found misconducting himself or falls in the estimation of the branch manager on account of his not performing the duties of sub-staff properly. He says that such was the case with the workman Shri Jagat Singh Negi. In this connection he has referred to the photostat copies of documents filed by the management with letter dated 13th February, 1991, and proved by the management witness by means of this affidavit.

14. Ext. M. 1 is the copy of memo dated 21st October, 1986 issued by the branch manager to the workman. It shows that despite orders of the branch manager, the workman refused to carry a small box to the treasury on cycle. He insisted that he would carry it on a rickshaw and when the branch manager did not agree to it, the workman threw the box on the table of the branch manager.

15. Ext. M. 2 is the copy of memo dated 18th November, 1986 issued by the branch manager to the workman. The branch manager has written in it that the workman deliberately creates noise in the premises of the bank thus effecting the smooth working of the bank and that on 18th November, 1986, he not only made a noise in the chamber of the branch manager but also side in the hall.

16. Ext. M. 3 is another memo dated 18th November, 1986 from the branch manager to the workman about his riotous behaviour in the premises of the bank. Riotous behaviour was indulged in by workman when the workman wanted to have fresh notes of the value of Rs. 500 for which he was told that he would be supplied after some time as the same had to be taken out from inside. Rs. 500 sought to be changed did not belong to him but they belonged to some cycle wala working some where near the bank premises.

17. Ext. M. 4 is the another memo dated 18th November, 1986 from the branch manager to the workman informing him that complaints were coming to him that he was not working properly and that he did not deliver books of the bank when demanded by an official of the bank. It is also stated that before the branch manager the workman fringed ignorance about the job of stitching vouchers.

18. Ext. M. 5 is the copy of memo dated 29th November, 1986, from the branch manager to the workman in which the branch manager writes that the workman had disappeared with the cycle of the bank without any information at 3 p.m. on 28th November, 1986. The branch manager therefore called upon the workman to explain how and under what circumstances without his permission he disappeared with the cycle and kept the same whole night with him. In this regard an F.I.R. had been also lodged.

19. Ext. M. 6 is the copy of memo dated 24th January, 1987 from the branch manager to the workman. In it it is alleged that he called bad names to cash officer and had created disorderly behaviour on 7th January, 1987.

20. Ext. M. 7 is the copy of memo dated 3rd February, 1987, from the branch manager to the workman. In it it is 1607 GI/91—9.

alleged that for hours together the workman had been found absent from duty. Even on 3rd February, 1987, he remained absent from duty for six hours.

21. Ext. M. 9 is the copy of memo dated 4th February, 1987, from the branch manager to the workman. In it it is written that on 8th January, 1987, he had misbehaved with the chief cashier and that when he was asked to do some work he replied that it should be got done from another messenger.

22. Ext. M. 12 is the copy of memo dated 10th February, 1987, from the branch manager to the workman. In it it is written that at about 10.30 a.m. he entered the chamber of the branch manager and sat on a chair saying that he would not move out and that he created a disorderly scene in the chamber of the branch manager. On the back of this memo there appears the signatures of 3 officials who corroborated the above version.

23. Ext. M. 14, is the copy of memo dated 20th April, 1987, from the branch manager to the workman. In it the branch manager has alleged that token No. 22 taken by the workman on 16th April, 1987 had not been returned by him till then.

24. Ext. M. 15 is the copy of memo dated 23rd June, 1987, from the branch manager to the workman described as messenger. It is alleged that that day he had come to office in a drunken state.

25. The authorised representative for the management while making his submissions contended how in the above circumstances, the branch manager could have assigned the workman out door duties involving use of cycle. By his own acts of misconduct, he failed to attract the discretion of the branch manager.

26. After considering the circumstances, I am of the view, that in these circumstances, no officer would have exercised his discretion in his favour, entitling him cycle allowance. From the terms of agreement/settlement referred to above it is evident that no member of sub staff can claim duties attracting cycle allowance as of right.

27. In view of the above evidence, I hold that Shri Jagat Singh Negi, workman is entitled to Summer Uniform which had become due to him in April 1987. For this he will be paid the cost of the Uniform at prices prevailing at that time. On the point of Cycle Allowance I hold him as not entitled to it. If he wants to attract the discretion of the management he should mend his ways and perform his duties sincerely and efficiently.

28. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No. L-12012/97/88-D.III(A)]

का. प्र. 1899.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ग्रीन्डलेज बैंक वी.एल.सी. के प्रबंधन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच झगड़ों में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रतिक्रिया, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1899.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Grindlays Bank, plc and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-6-1991.

## ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 134 of 1988

## PARTIES :

Employers in relation to the management of  
Grindlays Bank, plc., Calcutta.

AND

Their workman.

## PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy, Presiding Officer.

## APPEARANCE :

On behalf of management.—Mr. N. V. Srinivasan, Personnel and Training Officer of the Bank.

On behalf of workman.—Mr. Ajit Banerjee, President of the union.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Banking

## AWARD

By Order No. L-12012/55/87-D.IV(A) dated 29-9-1987, the appropriate government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the Action of the Management of Grindlays Bank, P.L.C., Calcutta, in Determining the Suitability for the Post of Special Assistants by Interviewing Senior Employees and Declaring Shri Murari Mohan Dutta, Clerk Calcutta as Unsuitable for Appointment as a Special Assistant is Justified ? If not, to what Relief is The Workman entitled ?”

2. After completion of the pleadings a Joint Petition dated 11-12-1990 was filed requiring this Tribunal to dispose of the matter in terms of the settlement as referred to therein.

3. In view of the above I also feel that no dispute is subsisting. As such the reference under consideration is disposed of in terms of the settlement dated 6-4-1990. The settlement forms part of the award as Annexure-A.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer  
[No. L-12012/55/87-D IV(A)]

Dated, Calcutta,

The 31st May, 1991

## ANNEXURE 'A'

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 134 of 1988

MURARI MOHAN DUTTA

## PARTIES :

Employers in relation to the Management of  
ANZ, Grindlays Bank plc, Calcutta.

AND

Their Workmen.

PETITION FILED ON BEHALF OF THE

## PARTIES

A Settlement has since been entered into with the All India Grindlays Bank Employees' Federation and All India Grindlays Bank Employees' Association in the matter of posting of special assistants and head clerks on 6th April, 1990, before the Deputy Chief Labour Commissioner, (Central).

A copy of the Settlement dated 6th April, 1990, is annexed to this Petition and it is requested that the Hon'ble Tribunal may dispose of the matter accordingly.

Dated this eleventh day of December, 1990.

For and on behalf of

Grindlays Bank Employees' Association

Sd/- {Illegibl.

General Secretary

For and on behalf of

ANZ Grindlays Bank plc

Sd/- Illegible.

Manager Personal Banking

Memorandum of settlement under section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 in the Industrial Dispute between the management of ANZ Grindlays Bank PLC and the workmen represented by All India Grindlays Bank Employees Federation regarding posting of Special Assistants and Head Clerks.

## NAME OF THE PARTIES

Representing Employer.

1. Mr. R. K. Madhok — General Manager—Personel & Administration.
2. Mr. M. N. Chowdhury — Chief Manager—Banking Services Northern India.
3. Mr. C. F. Vachha — Chief Manger—F D P.
4. Mr. C. Krishnamurthi — Senior Manager—Industrial Relations.

1. Subash Ganguly — President.
2. S. K. Singhal — Vice President.
3. P. N. Subramanyam — General Secretary.
4. T. Ayyaswamy — Assistant Secretary.

Representing Association.  
S/Shri

- 1 A. K. Banerjee —President
2. Rajinder Sayal —General Secretary
3. S. R. Matondkar —C. C. Member.
4. Rastogi O. P. —Treasure

cum- educational qualification, the employee will be given the safe weightage as laid down in the Bipartite Settlement dated 19th October, 1966 viz.,  
Graduates—2

Part I CA IIB—1

Part II CAIIB—2

5

## Short Recital of the Case

Whereas the Management of ANZ Grindlays Bank PLC and the workmen represented by All India Grindlays Bank Employees Association signed a memorandum of settlement on 6th Jan. 1984 of formula and conditions for appointment of Special Assistants and Head Clerks.

Whereas the All India Grindlays Bank Employees Association requested the Management to review the formula and conditions of appointment of Special Assistants and Head Clerks.

The Management and Association discussed the matter on various dates bilaterally but could not reach an amicable settlement. The Management, therefore, requested to Dy. C.L.C.(C) to intervene in the matter and bring about an amicable settlement in the matter. The Management also suggested that All India Grindlays Bank Employees Federation also be impleaded as a party in the matter. Accordingly, the Federation has been impleaded as a party to the dispute.

The Dy. C.L.C.(C) held discussions with the parties on different dates in the months of December, 1989, February & March, 1990 and finally on 4, 5 & 6th April, 1990. The matter is admitted in conciliation on 6th April, 1990. After prolonged discussions the parties have reached a settlement on the following terms :—

## Terms of Settlement

## H. Special Assistants &amp; Head Clerks

- (a) The number of Special Assistants and Head Clerks will be determined as per the existing formula provided in the settlement dated 6th January, 1984. The number of Special Assistants and Head Clerks thus arrived at will be increased by 10 per cent under each of the category respectively.
- (b) From amongst the Head Clerks, the Bank will be free to appoint increased number of Special Assistants as per the Bank's requirement, provided that the number of Special Assistants will not be less than the total number of Special Assistants that would be available as per the existing formula.
- (c) Seniority and educational qualifications on centre-wise basis will form the consideration for the appointment of Special Assistants and Head Clerks. In computing seniority-

(d) Such selected candidates for the post of Special Assistants will be placed on probation for a period of 6 months and they are found unsuitable, they will be liable for reversion.

(f) The parties will file a copy of this settlement in the Settlement dated 6th January 1984 will continue to remain in force except to the extent of modification, contained herein.

(f) The parties will file a copy of this settlement before the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta and request the tribunal to pass an award in terms of this settlement.

This settlement will be in force upto 31st December, 1992.

The settlement is signed on the 6th of April, 1990.  
FOR BANK

(Sd/-)  
(R. K. MADHOK)  
General Manager  
Personnel and  
Administration.

(Sd/-)  
(M. N. Chowdhury)  
Chief Manager  
Banking Services  
Northern India

(Sd/-)  
(C. F. VACHHA)  
Chief Manager  
E.D.P.

(Sd/-)  
(C. KRISHNAMURTHI)  
Senior Manager  
Industrial Relations  
FOR FEDERATION

(Sd/-)  
(SUBASH GANGULY)  
President

(Sd/-)  
(S. K. SINHA)  
Vice President

(Sd/-)  
(P. N. SUBRAMANYAN)  
General Secretary

(Sd/-)  
(T. AYYASWAMY)  
Assistant Secretary  
FOR ASSOCIATION

(Sd/-)  
(A. K. BANERJEE)  
President

(Sd/-)  
(RAJINDER SAYAL)  
General Secretary

(Sd/-)  
(S. R. MATONDKAR)  
C. C. Member

(Sd/-)  
(RASTOGI O.P.)  
Treasurer

# WITNESS

1. Sd/- Illegible  
2. Sd/- Illegible  
(J. KANAKIAH)

Dy. Chief Labour Commissioner (C)

का. मा. 1900.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार स्टेण्डर्ड चार्टर्ड बैंक के प्रबंधन के सबूत नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1900.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Standard Chartered Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-6-91.

# ANNEXURE

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 21 of 1986

## PARTIES :

Employers in relation to the management of  
Standard Chartered Bank.

AND

Their workmen.

## PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy.—Presiding  
Officer.

## APPEARANCE :

On behalf of management.—None.

On behalf of workmen.—Mr. Ajit Banerjee,  
General Secretary of Bengal Provincial  
Bank Employees' Association.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Banking.

## AWARD

By Order No. L-12012/102/85-D.IV(A) dated  
12-2-1986, the appropriate government in exercise

of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether there is an industrial dispute between Shri Monoranjan Bose, represented through All India Chartered Bank Employees Federation and the management of Standard Chartered Bank, 4, Netaji Subhas Road, Calcutta—700001 and whether the action of the management in retiring Shri Monoranjan Bose voluntarily with effect from 1-9-1982 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

2. Thereafter by an order of even number dated 19-3-1986 a substitution was made in the order of reference and on such substitution, the following dispute was referred to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Standard Chartered Bank, 4, Netaji Subhas Road, Calcutta—700001 in retiring from the services of the Bank Shri Monoranjan Bose with effect from 1-9-1982 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

3. After completion of the pleadings, a Joint petition was filed praying for disposing of the reference on the basis of the compromise and treat the same as part of the award and to pass a no dispute award.

4. After considering the matter, I find no dispute is subsisting and as such I dispose of the reference by passing a no dispute award. The Joint Petition of Compromise forms part of this award as Annexure-A.

Dated, Calcutta,  
The 31st May, 1991.

Sd/-

MANASH NATH ROY, Presiding Officer.  
[No. L-12012/102/85-D.IV(A)]  
S. C. SHARMA, Desk Officer.  
ANNEXURE—A

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CALCUTTA

IN THE MATTER OF : Reference Case No.  
21 of 1986 :

AND

IN THE MATTER OF : Government of India,  
Ministry of Labour Order No. L-12012/  
102/85-D-IV(A) dated 12-2-1986 read with  
corrigendum dated 19-3-1986;

AND

IN THE MATTER OF : All India Standard  
Chartered Bank Employees Federation rep-  
resenting the workman Sri Monoranjan Bose  
(thereinafter referred to as ‘the Union’).

VERSUS

STANDARD CHARTERED BANK, 4 Netaji  
Subhas Road, Calcutta, (hereinafter refer-  
red to as ‘the Bank’).

The humble joint petition of compromise by the parties abovenamed—

Most Respectfully Sheweth :—

- (1) That the parties abovenamed without prejudice to their respective contentions in the matter of Reference No. 21 of 1986 pending before The Central Government Industrial Tribunal, Calcutta and their respective submissions made thereat have mutually arrived at a out of Court settlement under the following terms and conditions;

(a) That notwithstanding the above, the Bank agrees to pay and the Union and the Workman agree to accept a sum of Rs. 1,00,000 (Rupees One lac only) as lump sum exgratia to be paid to the workman Mr. Monoranjan Bose in full and final settlement of the alleged claim under the instant Reference Case and all legal dues;

(b) That as agreed to by and between the Bank and the All India Standard Chartered Bank Employees Federation who had raised the instant dispute and also as requested for by the Workman Mr. Monoranjan Bose, the said sum of Rs. 1,00,000 (Rupees One lac only) will be paid to Mr. Monoranjan Bose in two equal instalments of Rs. 50,000 (Rupees Fifty Thousand only) each, the first to be paid on the date of execution of this settlement and the second to be paid in the month of April 1991.

(c) The Union and the Workman Mr. Monoranjan Bose will have no other claim or legal dues of whatsoever form or nature;

(d) That the Workman Mr. Monoranjan Bose has or will have no subsisting claim of any kind whatsoever against the Bank in view of lump sum exgratia payment of Rs. 1,00,000 (Rupees One lac only) as in sub-clause (b) above;

(e) That the Bank has paid by crossed A/c Payee Cheque the aforesaid first instalment of Rs. 50,000 (Rupees Fifty Thousand only) to the Workman, Mr. Monoranjan Bose on 31st January 1991 in presence of the authorised representative of the All India Standard Chartered Bank Employees Federation, namely, Mr. Ajit Banerjee, General Secretary of the Bengal Provincial Bank Employees Association who has also been authorised by workman Mr. Monoranjan Bose to represent him in the instant Reference Case;

(f) That neither the Union, nor the Workman, Mr. Monoranjan Bose nor the Bank has any further or other claims against each other;

(h) That these terms do fully and finally settle the dispute by and between the parties abovenamed;

(i) That the parties therefore want to record this settlement before the Learned Tribunal.

In the premises your petitioners being the parties herein pray that the Learned Tribunal may be graciously pleased to dispose of the instant order of reference on the basis of this compromise petition and to treat this petition as the part of the award and to pass a 'no Dispute' award.

And your petitioner as in duty bound shall ever pray.

For Standard Chartered Bank  
(Sd/-)

(N. K. Talwar)  
(Area Director, Human Resources)

(1) For All India Standard Chartered Bank Employees Federation

(Sd/-)

(Illegible)

(President)

(Sd/-)

(Illegible)

(Assistant Secretary)

(Sd/-)

(2) Monoranjan Bose  
(Workman)

(Sd/-)

(3) (Ajit Banerjee)  
General Secretary,

Bengal Pdovincial Bank Employees Association and authorised representative for the All India Standard Chartered Bank Employees Federation and Workman.

नई दिल्ली. 11 जून, 91

का. प्रा. 1901.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th June. 1991

S.O. 1901.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of

the Central Government Industrial Tribunal Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Warehousing Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on the 7-6-91.

#### ANNEXURE

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 161 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Warehousing Corporation, 71 Park Street, 6th Floor, Calcutta.

AND

Their Workmen

#### PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy

.....Presiding Officer

#### APPEARANCE :

On behalf of management—Mr. Arunava Gosh, Advocate.

On behalf of Workmen—None.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Warehousing

#### AWARD

The appropriate government in exercise of powers conferred by clause (d)(1)(2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication before this Tribunal by an order No. L-12011|69|86-D.II(B)|D.III(B) dated 30-8-1988:

“Whether the action of the management of Central Warehousing Corporation, Calcutta in curtailing the festival holidays from 16 to 9 in respect of the Chowkidars of warehouses of the Corporation at Calcutta is justified. If not, to what relief the workmen are entitled?”

2. After the reference written statements were filed by both sides and on behalf of the workmen time was asked, for filing a rejoinder. That rejoinder was not filed inspite of repeated opportunities.

3. Thereafter on 7-5-1991 after service of notice, Mr. Arunava Ghosh, learned Advocate appearing for the management filed a petition asking for a No Dispute Award, as in term, of the circular dated 27th November, 1990, the dispute under challenge has been mitigated.

4. It appears that by order dated 27th November, 1990, the Personnel Manager, in supersession of all the earlier instructions issued on the subject of grant of 16 gazetted holidays to the Chowkidar's working in the Corporation, indicated that they will now be entitled to avail 16 gazetted/closed holidays in a callender year as applicable to other categories of employees.

5. After hearing Mr. Ghosh on 7-5-1991, the case was fixed for hearing on 23-5-1990 at 11. A.M. but inspite of due service of notice nobody appeared for the workmen and opposed the prayers.

6. In that view of the matter it can reasonably be observed that there is no dispute now pending for the issue under reference and as such, I dispose of the dispute as referred, in terms of the application filed by the Corporation on 7-5-1991.

7. I thus hold there is no dispute subsisting and answer the reference accordingly.

Dated, Calcutta,

The 27th May, 1991.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer  
[No. L-12011|69|86-DII|DIII(B)]

का आ. 1902—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान पेट्रो-लियम कॉर्पोरेशन लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1902.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Petroleum Corporation Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM- (LABOUR COURT, JABALPUR, (M.P.)

CASE NO. CGIT|LC(R)(24)|1987

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Vizag Regional Office, Malkhapuram, Vizag 11 (AP) and their workman Shri Ashok Kumar, Part Time Chowkidar, Near Nayyar Poultry, Farm. Telibandha, P.O. Ravigram, Rajpur (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman—Shri R. K. Gupta, Advocate.

For Management—Shri H. N. Vya., Advocate.

INDUSTRY : Petroleum Corporation DISTRICT :  
Rajpur(M.P.)

#### AWARD

Dated : May 24, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No.

L-30012/15/85-D.III(B) Dated 26th March, 1987, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the management of Hindustan Petroleum Corporation Limited is justified in terminating the services of Shri Ashok Kumar, Part Time Chowkidar at their Raipur Depot (M.P.) w.e.f. 9-7-83 ? If not, to what relief the employee concerned is entitled.”

2. Facts leading to this case are that the workman, Shri Ashok Kumar was a part time Chowkidar at the Raipur Depot of the Corporation, Telghani Naka Depot. He is said to have worked till 9-7-1983.

3. According to the workman, he was a full time Chowkidar and worked continuously from 19-7-1981 to 9-7-1983. Thus he had completed more than 240 days of continuous service. All of a sudden he was discontinued from service without complying the provisions of Section 25F of the I.D. Act. The said work has been allotted to Security Agency. He was not noticed of the change of service conditions in accordance with Sec. 9A of the I.D. Act. The order of termination is void ab initio and is liable to be set aside and the workman is entitled to reinstatement with continuity in service and full back wages.

4. Management says that his case was decided by the Labour Court. His case was also decided under M.P. Shops and Establishments Act. This Tribunal has no jurisdiction. He was a Part Time Chowkidar on the basis of as and when required in service. He had not completed one year continuous service. He is not a workman. He has himself abandoned his service because on 16-4-1983 in the night there was a theft of Lube Oil. A complaint was lodged in the police Station. Shri Ashok Kumar made a statement to the effect that he was on duty on the relevant night. He was sleeping and when woke up he found that the seal of 2 Lube Oil drums inside the Depot was opened. Thereafter he himself stopped coming.

5. Management in the alternative has prayed that it may be permitted to prove the misconduct of the workman.

6. Reference was the issue in this case as per proceedings of my learned predecessor dated 21-4-1988.

7. Thus the parties have to prove all the material points raised before this Tribunal.

8. Proceeding dated 28-9-1988 disclose that the workman had closed his case. Since thereafter the case was posted for the evidence of the management but the management did not adduce any evidence on 2-11-88, 23-2-89, 13-3-89, 30-11-89, 1-3-90, 4-4-90 13-6-90, 13-7-90 and 20-11-1990 and ultimately the case of the management was closed.

9. Proceedings dated 30-11-1989 specifically point out that last time was wanted to the management to adduce evidence. Then again vide proceedings dated 1-3-1990 it was observed that in case the management does not produce its evidence it would be presumed that the management does not want to lead any evidence. The case however lingered on and ultimately

the case of the management was closed on 20-11-1990.

10. On 20-11-90 that on an application was moved by Shri R. C. Srivastava Counsel for the management to the effect that the Senior Counsel, Shri H.N. Vyas was suffering from heart attack and therefore he could not attend. Since when he is sick is not clear. As pointed out above, the management has been granted time for last two years to produce evidence but to no effect. Thus the case cannot be reopened on a vague application that Shri Vyas, Senior Counsel for the management was suffering from heart attack and he could not attend the Tribunal on the dates fixed. As I have already pointed the management have been granted time beyond patience.

11. Management has proved four documents, Ex. M/1 to Ex. M/4. Even Ex. M/2 discloses that the Labour Court has held that it is incompetent to hear on the reference case as the same relates to Central Government. So far as the question of the case relating to the minimum wage is concerned, it is a different matter altogether. But it cannot be said that this Tribunal has no jurisdiction to try this case.

12. Management has not adduced any evidence to show the misconduct of the workman before this Tribunal. The workman has examined himself in support of his case and stated that he has worked from 19-2-81 to 9-7-83 without any interruption. Irrespective of being a Part Time Chowkidar he was a workman well within the definition of Sec.2(s) of the I.D. Act and I need not go into the details to deal with this aspect of the case.

13. Obviously, this Tribunal has jurisdiction to entertain this reference which fact has been admitted by the Labour Court, Raipur also.

14. There is nothing on record to show that the workman had himself stopped from going to work. Thus the testimony of the workman has to be accepted that his services were terminated with effect from 9-7-83 which is also a factum of reference. He has completed more than 240 days continuous service and for want of compliance of the provisions of Sec 25F of the I.D. Act his termination which amounts to retrenchment simpliciter is void ab initio and he is entitled to reinstatement with continuity in service and all back wages. Reference is accordingly answered as follows :—

The management of Hindustan Petroleum Corporation Limited is not justified in terminating the services of Shri Ashok Kumar, Part Time Chowkidar at their Raipur Depot (M.P.) w.e.f. 9-7-83. He is entitled to be reinstated in service with continuity of service, all back wages and ancillary reliefs. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. 30012/15/85-D.III(3)]

नई दिल्ली, 12 जून 1991

का प्रा 1903—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मद्रास हाइकोर्ट कोर्ट के प्रभावित के संश्लेष नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण तमिलनाडु, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th June, 1991

S.O. 1903.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Tamilnadu, Madras, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Madras Dock Labour Board and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-6-91.

#### ANNEXURE ;

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS.

Thursday, the 25th day of April, 1991

#### PRESENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal.

#### INDUSTRIAL DISPUTE NO. 4 OF 1989

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Madras Dock Labour Board, Madras-1.)

#### BETWEEN

The Workmen represented by  
The General Secretary,  
The Madras Harbour Workers Union,  
204 Prakasam Salai, Broadway,  
Madras-600001.

#### AND

The Deputy Chairman,  
Madras Dock Labour Board,  
MDLB Buildings,  
Rajaji Salai, Madras-600001.

#### REFERENCE :

Order No. L-33012/4/88-D.III(B), dt. 29-12-88  
of the Ministry of Labour, Govt. of India,  
New Delhi.

This dispute after restoration coming on for final hearing on Monday, the 15th day of April, 1991 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru T. M. Varadarajulu, Authorized Representative for the workmen and of Thiru R. Arumugam, Advocate appearing for the management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

#### AWARD

This dispute between the workmen and the management of Madras Dock Labour Board, Madras arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its order No. L-33012/4/88-D.III(B), dated 29-12-88 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the Madras Dock Labour Board, Madras is justified in imposing the punishment of one increment cut with cumulative effect on Shri S. Ranganathan, Sergeant. If not, what relief the said workmen entitled to ?"

#### 2. Allegations in the claim statement are as follows :

The worker-Ranganathan who is a Sergeant under the respondent was charge-sheeted for alleged refusal to receive transfer order and other acts of insubordination and improper behaviour, flouting orders of superiors on and from 1-7-87. The workman-Ranganathan gave an explanation alleging that the charges were baseless and motivated. The domestic enquiry held into charges was conducted without giving full opportunity to the workman and violation of principles of natural justice. The evidence given did not prove the charges of insubordination and improper behaviour. The punishment awarded namely withholding of one increment with cumulative effect is unjust and unwarranted. The workman was right in refusing to work as a Watchman whose post is an inferior post in relation to his post of Sergeant. The punishment is liable to be set aside. The findings are perverse. A suitable award may be passed.

#### 3. The respondent in its counter alleges as follows :

The workman Ranganathan refused to receive a transfer order dt. 1-7-87 directed his posting at Housing Colony, refused to work in the Engineering Unit Stores and out of his own accord he reported for duty in the second shift in the hospital building while he was directed to work at the Housing unit and that he refused to attend the general shift duty at the hospital unit from 19-7-87 onwards in the place of one Mustaffa. He likewise refused to work in the place of head watchman Subramanian at the housing colony stores. He has behaved in a disorderly manner with Sethuraman, Executive Engineer. These misconducts are punishable under clause 31(a) and (h) of the standing orders. The workman denied the charges. Therefore the domestic enquiry was held with full opportunity given to the workman to defend himself. The domestic enquiry officer decided that the findings were proved by the evidence. The disciplinary authority imposed a lenient punishment of one increment cut with cumulative effect. It is not true that the Executive Engineer had any enmity towards the petitioner. The enquiry has been conducted in a fair manner following the principles of natural justice. The workman Ranganathan was previously censured for dereliction of duty and improper behaviour. The Industrial Dispute is liable to be dismissed.

#### 4. Points for determination are :—

(i) Whether the domestic enquiry has been held in a just and fair manner ?

(ii) Whether the findings and the punishment are acceptable ?

(5) Exs. W-1 to W-7 and Exs. M-1 to M-4 have been marked by consent. No oral evidence was given. The charges framed against the delinquent-Ranganathan are written in one paragraph without separate



headings and serial numbers. The foremost charge which is given at the end of the paragraph which is Ex. M-2 is that delinquent-Ranganathan a Sergeant refused to receive the transfer order by which he was posted at Engineering unit housing colony from 1-7-87. Another charge is that he refused to work in the engineering stores but contrarily and of his own accord he took up duty in the 2nd shift at the hospital building. The 3rd charge is that he refused to report for general shift duty at the hospital building in the place of one Mustafa on 19-7-87 and subsequent days. The 4th charge is that he refused to report for duty at colony stores in the place of Subramanian, Head watchman. The 5th charge is that he behaved in disorderly manner with Sethuraman, Executive Engineer. In the explanation Ex. M-3 the worker-Ranganathan has expressed that he has even previously made known his unwillingness to work in the housing colony as he preferred to work continuously in the Main office, that he actually fell sick from 3-7-87 onwards and availed his medical leave upto 14-7-87 and that finally he reported at the housing colony on 16-7-87 because 15-7-87 was a rest day for him. He has further stated in the explanation that he has made a representation to Deputy Chairman of the Dock Labour Board that he might be transferred back to the main office from the housing colony. He has been actually re-transferred, in compliance with his request to the main office from 27-7-1987 onwards. Thiru M. Kalayanasundaram, then Member of Parliament and Member of the Madras Dock Labour Board has intervened on behalf of this worker. In the earliest explanation Ex. W-5 the worker has stated that it was Thiru M. Kalayanasundaram who advised him not accept the transfer order by which he was transferred from the main office to the Housing colony with effect from 1-7-87. Therefore after issue of the transfer order the workman has joined the new post at Housing colony only on 16-7-87 while he should have joined that post even on 1-7-87.

6. Kotteeswara Rao who is Management witness No. 1 at the domestic enquiry deposed that Ranganathan was directed to work in the place of Mustafa another sergeant in the colony Dispensary in the general shift but Ranganathan disobeyed the order by taking up the work on 16-7-87 in the 2nd shift in the colony dispensary and that Ranganathan had answered that he could not accept the change of shifts every day. Management witness No. 2 S. Kumar, Assistant Engineer of MDLB has narrated that when Sekar and Manoharan were on leave in the Engineering Unit Stores, delinquent Ranganathan and another Sergeant Subramanian were directed to work in the Engineering unit stores, that Subramanian obeyed the order and did his job in the Engineering unit stores and that the delinquent refused to go to Engineering unit stores and remained only at the colony post. Management witness No. 3 who is the Executive Engineer has deposed that delinquent Ranganathan insisted that he should be posted only at the colony dispensary and not at any other point, that he has turned down the plea of Ranganathan and that the worker Ranganathan refused to obey the Engineer's direction. The evidence of these three witnesses adequately prove the charges framed against Ranganathan. Leave alone proof, Ranganathan admitted that he did not accept the transfer order because he was advised by

Labour Leaders not to receive the transfer order. The records shown that full opportunity has been given to the worker Ranganathan to conduct his defence and that the enquiry has been held in a just manner. Perhaps the delinquent—Ranganathan has been wrongly advised by the Labour leaders to disobey the transfer order. Such advice seems to have emboldened Ranganathan to flout the orders of superiors namely M.W. 1 Kotteswara Rao, Supervisor Grade-I, M.W. 2 Kumar, Asstt. Engineer, M.W. 3 Executive Engineer. Taking all the circumstances into consideration I hold that the findings are correct. But I hold that loss of one increment without having any cumulative effect will be a proper punishment. I therefore direct that cut of one increment with cumulative effect must be modified by loss of one increment alone without having any cumulative effect. I answer these points accordingly.

(7) In the result, award is passed directing modification of the sentence in that the delinquent Ranganathan shall suffer cut of one increment without any cumulative effect. The Industrial Dispute in other respects is dismissed. No costs.

Dated, this 25th day of April, 1991

THIRU M. GOPALASWAMY  
Presiding Officer

[No. L-33012/4/88-D III(B)]

S. S. PARASHER, Under Secy.

Witnesses Examined

For both sides : None

Documents Marked

For Workman :

- Ex. W-1/10-7-87—Order of Management regarding fixation of timings to the Sergeants (Xerox copy).
- Ex. W-2/17-7-87—Statement showing fixation of shift working to each worker. (Xerox copy).
- Ex. W-3/1-8-87—Order of the management to the workman Thiru S. Ranganathan intimating him that his salary was withheld from 17-7-87 to 26-7-87. (Xerox copy)
- Ex. W-4/5-8-87—Letter from Thiru S. Ranganathan to the management in reply to Ex. W-3. (Xerox copy)
- Ex. W-5/19-10-87—Letter from Thiru S. Ranganathan to the management requesting to pay back his withheld salary. (Xerox copy)
- Ex. W-6/6-1-88—Letter from Petitioner-union to the management requesting to conduct proper enquiry. (Xerox copy)
- Ex. W-7/23-3-88—Petition filed by the Secretary of the petitioner-union to the Regional Labour Commissioner (Central), Madras raising Industrial Dispute. (Xerox copy)

For Management :

- Ex. M-1—Proceedings of the Enquiry Officer. (Xerox copy)

Ex. M-2/29-10-87—Charge Memo issued to Thiru S. Ranganathan. (Xerox copy)

Ex. M-3/3-11-87—Reply by Thiru S. Ranganathan to Ex. M-2. (Xerox copy)

Ex. M-4/4-12-87—Order of punishment issued to Thiru S. Ranganathan. (Xerox copy)

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL

नई दिल्ली, 12 जून, 1991

का. धा. 1904.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजका और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली ने पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 7-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th June, 1991

S.O. 1904.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 7-6-1991.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 87/90

In the matter of dispute between :

Shri S. P. Jakhmola,  
Zila Sachiv,

Bhartiya Khadya Nigam, Employees Congress (INTUC)

8, Astlehall, Dehradun-248001.

Versus

Senior Regional Manager,  
Bhartiya Khadya Nigam,  
5/6, Habibullaha Estate,  
Hazrat Ganj, Lucknow-226001.

#### APPEARANCES :

None for the workman.

Shri Rakesh Daval Advocate for the Management with Shri R. P. Sharma.

#### AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-22012(63)/L/90-IR Col II dated nil has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of FCI in not paying the wages from 2-11-1987 to 2-12-1987, not giving T.A. for his transferring to Hapur and charge sheeting him

is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. The case had been fixed for appearance of the workman for filing statement of claim. Last and final registered notice was given to him. After having afforded him more than six adjournments a letter dated 31-5-1991 was received from the workman to withdraw the present case. In view of the application of the workman withdrawing the present case I am of the opinion that ‘No Dispute’ exists between the parties and therefore, pass a ‘No Dispute award’ in this case. Parties are left to bear their own cost.

4th June 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.  
[No. L-22012/63/L/90-IR (C-II)]

का. धा. 1905.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार राना ई यूनिट आफ निग्हा (आर) आफ ईस्टर्न कोयफील्ड लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध निग्हा और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1905.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rana Unit of Ningha (R) Colliery of Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-6-91.

#### ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 122 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Rana Unit of Ningha (R) Colliery of Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen.

#### PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy—Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

On behalf of Management—Mr. B. N. Lala, Advocate.

On behalf of workmen—None.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Coal.

#### AWARD

The appropriate government in exercise of powers conferred by clause (d)(1)(2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication by Order No. L-19012(1)/87-D.IV(B) dated 24-8-1987 :

“Whether the Management of Rana Unit of Ningha (R) Colliery under E. C. Ltd., P.O.

Ningha, Distt. Burdwan was justified in not designating Sri Ram Sobhit Singh as Water Pipeline Supervisor keeping in view his job performance and authorisation letter of the Manager, Rana Colliery ? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date ?”

### AWARD

Dated, May 24th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour vide its Notification No. L-21012/29/86-D.III(B) dated 2-6-1987, for adjudication of the following dispute :

2. Written statements were completed after obtaining some time and thereafter an application for a No Dispute Award was filed by the workman concerned on 5th December, 1990.

3. Today no one is present on behalf of the workman but Mr. Lala is present on behalf of the management and he has submitted that since the workman has filed the application for No Dispute Award the same be allowed.

4. After hearing Mr. Lala appearing for the management and considering the circumstances as disclosed, I think no dispute is now subsisting and as such, I dispose of the reference after passing a No Dispute Award.

Dated, Calcutta,

The 27th May, 1991.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer.  
[No. L-19012(1)/87-D-IV(B)]

का.प्र. 1906—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार द्वारा हयदेव एरिया आफ एस.ई. सी. लि. के प्रबंधन के संबंध निरीक्षणों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद से केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O.1906.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hasdeo Area of S.E.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 7-6-91.

### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)/78/1987

### PARTIES

Employers in relation to the management of Hasdeo Area of S.E.C. Ltd., Post South Jhargrakhand Colliery, District Surguja M.P. and their workman, Shri R. P. Singh, Ex-Works Supervisor of South Jhargrakhand Colliery, J. P. Nagar, Near Railway Station P.O. Amlai Colliery., District Surguja (M.P.).

### APPEARANCES

For Workman.—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management.—Shri R. Menon, Advocate  
INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT : Surguja (M.P.)

“Whether the dismissal of Shri R. P. Singh, Ex-Works Supervisor of South Jhargrakhand Colliery w.e.f. 1st November, 1985 by the General Manager, Hasdeo Area of SEC Ltd., P. O. South Jhargrakhand Colliery District Surguja vide letter No. GM (HSD)/DISMISSAL/199-204/Dated 31-10-1985 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. Facts leading to this reference are that Shri R. P. Singh was an Ex-Supervisor in South Jhargrakhand Colliery and his services were terminated with effect from 01-11-1985 by the General Manager, Hasdeo Area of S.E.C. Ltd., South Jhargrakhand Colliery, District Surguja, vide letter No. GM(HSD) (Dismissal) 199-204 dated 31-10-1985. D.E. was held against him and he was charge-sheeted as follows :—  
**CHARGE-SHEET**

(No. WCL/AAI-Supdt.(M)/C-10/80/53/dated 2nd Jan. 1980).

“On receipt of a complaint from the Manager, Rungta Colliery on 28-12-79 that 100 bags of cement which were intended by the Colliery for the departmental work like maintenance, general repairs and underground works of the Mine on 13-12-79 were not at all received by the Mines from the Central Store. A preliminary enquiry was conducted and it has been revealed that a prima-facie case against you and you are responsible for the fraudulently lifting of 100 bags of cement from the Central Stores on 21-12-79 in connivance with Sri Mimay Ghosh, Clerk of Central Stores, Burhar and Shri Yaswant Singh and Prabhoo Dayal Khandelwal, Contractors working in Burhar Sub-Area. The 100 bags of cement for the departmental work of Rungta colliery were indented on 13-12-79 by the Manager, Rungta colliery. But the same was receipted by you on 21-12-79 and you handed over the requisition to a Contractor who is not at all concerned with the instant indent for 100 bags of cement which were required departmentally. The fate of 100 bags of cement could not be traced out at all and has not yet been received by the Mine.

[The above acts committed by you amounts to misconduct under Clause 22(a) (1), (6) & (xx) of the Certified Standing Orders applicable to Rungta colliery which reads as under. You are governed by the said Certified Standing Orders applicable to Rungta collieries.

Clause 22(a)(i) There fraud or dishonesty in connection with the Company's business or property.

## 22(a) (6) Habitual negligence or neglect of work."

नई दिल्ली, 13 जून, 1991

3. The case of the workman in brief is that not only the departmental enquiry is vitiated on various grounds but also there is no evidence against the workman. Punishment is excessive. His termination of service is liable to be set aside and he is entitled to be reinstated with full back wages.

4. Management on its part has stated that Shri R. P. Singh is not a workman within the meaning of Sec. 2(s) of the I. D. Act and that D.E. was properly held against him. Findings are neither perverse nor bad in law. D.E. has been validly held. Punishment is adequate and the reference is liable to be rejected.

5. I have not gone into the details of the pleadings in relation to the validity of the enquiry as also other details of the pleadings because vide proceedings dated 28-11-1990 Shri S. K. Rao Advocate has expressed that he does not challenge the D.E. proceedings while other hand during the course of the arguments Counsel for the management, Shri R. Menon, has expressed that the management would have no objection if the workman is reinstated without back wages. Hence I will not deal with other points raised by the parties concerned and will confine myself to find out whether the findings are perverse and whether the punishment is excessive.

6. The report of the Enquiry Officer merely shows that the workman was avoiding the D.E. and this fact is fortified from the D.E. file. Two witnesses viz. P. K. Verma (M.W.1) and N. P. Gupta (M.W.2) have been examined during the departmental enquiry. They have also proved two documents D1 and D2. Ex. D1 is Gate Pass dated 21-12-79 and D2 is copy of the Indent dated -12-1979. From the evidence of these two witnesses it is abundantly clear that there was a role of the delinquent workman in getting the Indent issued for supply of 100 bags of cement from Central Stores, Rungta Colliery on 21-12-1979 for sending the same to Rungta Colliery which bags were not received at the Rungta Colliery.

7. Thus it cannot be said that the findings are perverse and not based on evidence on record so far this D.E. is concerned and my findings are confined to this much only.

8. But the entire fact that has come out from the evidence such as avoidance of Shri Verma to give answers to various questions, not examining the witness who identified the signatures of the delinquent goes to show a foul play in the matter and suffice it to say that the matters require complete investigation through the police which I understand shall be done without any delay by the management.

9. In view of my above findings, it cannot be said that the findings are perverse. Obviously the punishment is excessive and I agree to the offer of the management and hold that the workman is reinstated without any back wages till this day but all consequential reliefs and continuity in service. Reference is answered accordingly. Award is made accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer  
[No. L-21012/29/86-D.III(B)]

का.आ. 1907-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रबंधन के सबब निवाजको और उनके कर्मचारों के बीच, अनुभव में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बम्बई न. 1 के पत्रपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th June, 1991

S.O. 1907.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, No. 1 as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-6-1991.

## ANNEXURE

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY.

(Presiding Officer : Justice S. N. Khatri)  
REFERENCE NO. CGIT-45 OF 1990

## PARTIES :

Employers in relation to the management of  
Western Coalfields Limited, Ballarpur Sub  
Area.

## AND

Their Workmen.

## APPEARANCES :

For the Management : Shri A. K. Sasidharan,  
Advocate.

For the Workmen : Shri Pendte, General Sec-  
retary.

Industry : Mining.  
State : Maharashtra.

Bombay, dated the 3rd day of June, 1991.

## AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

"Whether the termination of Shri Sheikh Karim Sheikh Babu, Casual Labour by the General Manager/Sub Area Manager, M/s. Western Coalfields Ltd., Ballarpur Area, Dist. Chandrapur (MS) from January 1986 after the completion of 317-1/2 days of attendance in 1984 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. The case of Sheikh Babu (hereafter 'the workman') is that the Sub Area Manager of M/s. Western Coalfields Limited, Ballarpur Area, Dist. Chandrapur (hereafter, 'the Employer' or 'the Management') had employed him as a Casual Labour in 1981 and that he had been working as such till the end of December, 1985. He alleges that in 1984 he had worked for 215 days in Ballarpur Open Cast and for 102-1/2 days in the Workshop, totalling 317 1/2 days. The

corresponding figures for the year 1985 were 199 and 59 days (total 258 days). The grievance of the Workman is that his services were terminated by the Employer abruptly w.e.f. January 1986, without complying with the statutory requirements of section 25-F of the Act. He now claims reinstatement with back wages.

3. The Employer resists the Workman's claim on the following grounds :—

1. The reference is bad in law, inasmuch as the appropriate Government would be the State Government and not the Central Government.
2. The Workman was not employed in connection with a Mine and as such, the Sub Area Manager is not his employer.
3. The Workman was being employed as a casual labourer for short spells of days for the purpose of cleaning the Workshop premises. He was being paid minimum wages under the Minimum Wages Act, by the Deputy Chief Engineer (E&M). That Establishment is totally independent of the Establishment looking after the Mine proper under the control of sub Area Manager.
4. The termination of the Workman's service did not amount to retrenchment in view of the exception under clause (b) of section 2(oo) of the Act.

4. The above points substantially reflects the issues arising in this reference for decision. The workman has examined himself in support of his case. Shri Janardhan, Engineer of the Area Workshop, Ballarpur has filed his affidavit in rebuttal on behalf of the Management. He has been cross-examined by Shri Pendre for the Workman. The parties have also filed their documents, which have been duly exhibited. Shri Nair for the Management and Shri Pendre for the Workman have filed their legal submissions in writing also.

5. Point No. 1.—The Employer's preliminary objection is based on the contention that the present industrial dispute is not one 'concerning a Mine' and as such the Central Government is not the appropriate Government. They have relied upon a decision of the Supreme Court reported in 1962 1 L.L.J. P. 415 Sirajuddin and Company Vs. their Workmen. I shall come to this ruling a little later, after examining the material evidence on the point.

6. Now the reference would be quite in order, if on evidence it is found that the present dispute concerns a Mine. The Workman Shaikh Karim affirms on oath that he was working in the Moulding Shop as a Fitter-helper. Janardhan stresses that in 1984 the Workman was directly working under him and that he had never worked in the Workshop. According to Janardhan, there is a colony where the regular labourers working the Mine reside. The present Workman used to do the cleaning of that Colony and cutting of trees twice a year, Janardhan add. Thus, according to him, though the Deputy Engineer (E&M) was the Officer under whom both he and the Workman work-

ed, the letter had nothing to do with the Mine, which was under the charge of the Manager.

7. In his cross-examination Janardhan has admitted that as Foreman he was required to keep a watch on Workmen concerned both with the Colony and the Coal Mine. He further admits that this Workshop was 'the Coal Mine Workshop'. I have already adverted to his admission that the labourers who worked in the Mine reside in the colony. All this evidence points to the inference that the Workman was working in an Establishment in which labour was employed, some of whom actually worked in the Mine and others did work on the site of the Mine itself, related to the residential Colony of the Miners. It is not denied by the Employer that records are kept even in respect of casual labour. They have not produced any such records. The Workman has however produced a letter dated 17th July 1989 written by the Senior Personnel Officer of the Ballarpur Sub Area, to the Assistant Labour Commissioner (Central) Chandrapur. In this letter it is expressly admitted that the present workman had worked in the year 1984 for 215 days in open cast working and 102 1/2 days in the Area Workshop. Janardhan has duly proved this letter. This letter virtually demolishes the Management's case that the Workman did not work in the Workshop or in opencast workings. The Workman was cross examined at length by Shri Sashidharan for the Management. He has stood the test of cross examination well. Without dilating further, I hold that the Workman had worked in the Open cast workings and also in the Area Workshop which was directly connected with the Mine.

8. Now Sirajuddin's case. Its facts are clearly distinguishable from those of the present case. In that case the Coalmine was located in Orissa, while the head office was situated at Calcutta. The staff employed by the concern at the head office looked after the general control of the Mines and the sale of the Mine products. Separate staff was employed at the Mine site for supervision of the work of the Mining operations. On those facts the apex Court held that the dispute that had arisen between the Workman employed at the Head Office and the Management in regard to certain service conditions, did not amount to a dispute concerning a Mine and as such the State Government was held to be the appropriate Government. Here the evidence not only shows that the Workman was engaged for work on open cast workings, but also that he was doing work in the Moulding Workshop. The term 'Mine' is defined in section 2(j) of the Mines Act 1952. This definition is recognised as the one applicable for the purposes of the Industrial Disputes Act by section 2(lb) of this Act. The definition as given in the Mines Act includes all open cast workings, section 2(j) (iv). It is thus clear that the work done by the Workman directly concerned Mine operations. At any rate his working in the Moulding Workshop will have to be treated as incidental to the Mining operations, for example, keeping muster part thereof. The Supreme Court has observed in Sirajuddin's case that there could be a case where some of the work done in the office of the Mines situated at the surface of the Mine might be treated incidental to the Mining operation, for example, keeping muster roll of Workmen or Payment Register maintained for them. Clerks engaged in such type of work could

be said to be persons employed in a Mine, even though they did not directly execute any Mining operations by themselves.

9. Thus viewed from any angle, I am satisfied that the present Industrial Dispute concerns a Mine and as such the reference made by the Central Government is in order. I overrule the Employer's preliminary objections.

10. Point No. 2 : The evidence discussed above clearly shows that the Workman was employed in connection with the Mine. As such the Sub Area Manager would be his Employer. Simply because the immediate Supervising Officer was different, it does not follow that he becomes the Employer. The objection that the Sub Area Manager is not the Employer is also rejected.

11. Point No. 3 & 4 : These points can be disposed together with convenience. I have already adverted to the Workman's evidence in paras 6 and 7 supra. Shri Sashidharan has cross-examined him at length. Nothing has emerged out to cast doubt on the credibility of the witness. As already pointed by me, the letter of the Senior Personnel Officer bears out the claim of the Workman that he had worked for 317 1/2 days in the year 1984. There is also no reason to disbelieve the Workman when he admits that he had worked for 258 days in 1985. The Management who have the record of the attendance of Workman—casual or otherwise—in their possession have not cared to produce the same before the Tribunal. Without dialating further I hold that the Workman had worked for more than 240 days in each of the two years 1984 and 1985.

12. I have given my due thought to the submission of the Employer that this case falls under exception (bb) to section 2(oo) of the Act. The evidence on record and the circumstances of the case, negative any such inference. Resultantly I hold that the termination of the Workman's service amounts to retrenchment within the meaning of section 2(oo). It is not in dispute that the Management have not complied with the peremptory provisions of section 25-F. The termination of the Workman's service is in the circumstances illegal.

13. As the law is, the reinstatement of the Workman with full backwages should follow as a normal consequence of the finding above. However here the Workman has fairly admitted in his chief examination itself that he has been employed as a Badli worker in the Rajur Colliery since July 1990. In the circumstances I need not direct his reinstatement. He will however get full backwages till June 1990. It is not even suggested by the Management that the Workman had secured any alternate employment before July 1990. I would also saddle Rs. 500 as his costs on the Management, who shall bear their own. I make the following Award.

14. The termination of service of Workman Shri Karim Shaikh Babu from January 1986 is held to be void ab initio. The Management are directed to pay him his full back wages from 1st January 1986 to 30th June 1990 and also his costs quantified at Rs. 500. The Management shall bear their own costs. The payment be made by 31st August 1991. The am-

ount that remains unpaid on 1st September, 1991 will carry interest at the rate 12 per cent per annum from that date till payment.

S. N. KHATRI, Presiding Officer  
[No. L-22012/10/90-IR(C-II)]

नई दिल्ली, 14 जून, 1991

का.प्र. 1908—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भानोरा कोलियरी आफ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के संघर्ष को प्रशान्त करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 14th June, 1991

S.O. 1908.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhanora Colliery of Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-6-1991.

#### ANNEXURE

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

#### TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 74 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of  
Bhanora Colliery of M/s. Eastern Coalfields  
Limited.

#### AND

Their Workmen

#### PRESENT :

Mr. Justice Manash Nath Roy—Presiding Officer.

#### APPEARANCE :

On behalf of Management—Mr. P. Banerjee,  
Advocate.

On behalf of workmen—None.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Coal.

#### AWARD

After reference of the following dispute :

"Whether the action of the Management of Bhanora Colliery of M/s. E. C. Ltd., P.O. Charanpur, Distt. Burdwan, in dismissing Shri Munshi Singh, Security Guard from employment was justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

was made to this Tribunal for adjudication by the Govt. of India, Ministry of Labour, vide Order No. L-19012/139/86-D.IV(B) dated 2nd June 1987, an application dated 22nd April, 1991 containing terms and conditions in which the parties have settled their dispute mutually was filed. There is a prayer for permission to have the dispute settled out of court on the terms contained in the settlement.

2. Since the parties have settled the dispute, I think that a no dispute award should be made and the terms and conditions as filed do form part of this award as Annexure—A.

MANASH NATH ROY, Presiding Officer.  
[No. L-19012/139/86-D-1V(B)]  
RAJA LAL, Desk Officer.  
Calcutta, the 5th June, 1991.

## ANNEXURE—A

Before the Hon'ble Presiding Officer, C.G.I.T. Calcutta.  
Reference No. 74/88

## PARTIES :

Management of Bhanora Colliery.

Vs.

Their Workman (Munshi Singh)

The employer and the workmen in the above reference jointly beg to submit that after mutual discussion held between the parties, they have decided to get the industrial dispute in question which is the subject matter of reference mutually settled on the following terms and condition :—

## Terms and Condition

1. That the Employers will reinstate the concerned workman Ssi Munshi Singh in his job as a Security Guard but without payment of any wages and other benefit for the period of his non-employment on and from 9-3-83.
2. That the aforesaid period of his non-employment till date of resumption will be treated as leave without pay but the said period will be taken into account for the purposes of payment of gratuity only and for no other purposes including granting of increments.
3. That the concerned workman will be entitled to be re-instated provided he is found fit for doing his job by the Company's Medical Officer and he will be bound to accept his posting at any place within Kunnstoria Area of the Company.
4. That none of the parties ill have any further claim against each other regarding the dispute in question and they will bear their respective cost of this reference.
5. That the parties therefore jointly pray that for the purpose if maintaing industrial harmony necessary permission be kindly granted to the parties allowing them to get the aforesaid I.D. which is the subject matter of reference amicably settled on the aforesaid terms and to pass an Award accordingly by treating this settlement as a part of the Award.

Dated :—22-4-1991.

The concerned workman.

Agent, Bhanora Colliery  
For and on behalf of  
Employers.

Witness :—

1. Prabir Kr. Maity, Accountant.
2. Chandra Sekhar Kabiraj, S.P.A.

नई दिल्ली, 12 जून, 1991

का.भा. 1909—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे लखनऊ के प्रबंधन के संबंध नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में, निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th June, 1991

S.O. 1909.—In pursuance of Seciton 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on 11-6-91.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 205 of 1989

In the matter of dispute between :—

The Zonal Working President  
Uttar Rly. Karamchari Union  
96/196 Roshan Bajaj Lane  
Ganeshganj Lucknow.

AND

D.S.E. (Samanvaya)  
Northern Rly.  
Hazaratganj  
Lucknow.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-41012/30/88-D-2(B) dated August, 1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the DSE (Cordination), Northern Rly. Lucknow was justified in not assigning the proper seniority to Shri Akbar Husain S/o Sh. Shahanshah Husain draftsman in the seniority list dt. 21-5-1982, and placing him below S/Sh. Asharfi Lal, S. K. Shukla, A. K. Singh and Shreesh Kumar ? If not, what relief the workman was entitled to ?

2. The industrial dispute on behalf of the workman has been raised by Uttar Rly. Karamchari Union (hereinafter referred to as Union).

3. The case set up by the Union is that DRM N. Rly. and DSE (Cordination) N. Rly. Lucknow, assigned incorrect seniority to the workman against direct recruitment permanent vacancies quota on 14-4-1982. Not only that the said officers skilfully omitted his name from the seniority list dated 21-5-82 when in the said seniority list the name of the workman should have appeared at serial no. 26 below Shri Hemrai named at serial no. 25. In the said seniority list S/Shri Asharfi Lal, S. K. Shukla, A. K. Singh, Shreesh Kumar and Sh. V. K. Gupta

who were non-empanelled and non screened ad hoc promotees were wrongly named below Shri Hemraj. The Union, has therefore prayed that the action of the Rly. Administration be held as unjustified and the workman be assigned correct seniority.

4. Despite giving of several opportunity the management did not file written statement. The Union, however, filed the affidavit of the workman and put him in the witness box for cross examination at the hands of the authorised representative for the management on 6-8-90. After the close of the Union's evidence, the management filed the affidavit of Sh. Manoj Kumar Sr. Clerk Establishment on 8-1-91. However, despite affording of several opportunities the management failed to produce Shri Manoj Kumar in the witness box for cross examination. So the management's evidence was closed on 11-9-91.

5. Thus virtually we have one sided evidence i.e. the evidence of the Union consisting of the affidavit of the workman and annexures filed by the workman with his affidavit.

6. The workman has deposed that he was selected by the Rly Service Commission Allahabad as Trainee Draftsman in the grade Rs. 330-560 and that upon successful completion of training of one year he was posted as draftsman under DSE (Coordination) N. Rly. Lucknow on 14-4-82. He has further deposed that according to the departmental rules which have a statutory force 50% post of draftsman are filled in by direct recruitment through Rly Service Commission and the remaining 50% are filled in by promotion of Tracers on the basis of seniority cum suitability test. However in total disregard of the said departmental rules, the Rly Administration promoted S/Shri Asharfi Lal, S.K. Shukla, A.K. Singh and Sreesh Kumar Tracers as Draftsman on ad hoc basis w.e.f. 24-6-89, 27-6-80, 27-6-80 and 9-2-81 respectively. Not only that Shri Asharfi Lal and S. K. Shukla were further given promotions as Senior Draftsman on 18-9-82 and 25-9-82 respectively on adhoc basis. The result was that his name was not included in the provisional seniority list circulated on 21-5-82. He made several representations for assignment of correct seniority to him but in vain.

7. With his affidavit the workman has filed 10 annexures. I will only refer to such annexures as are relevant for the purposes of deciding the real issue in the case.

8. Ann. VI, is the copy of note dt. 29-1-85 from D.P.O. (Coord) on the subject of Draftsman. In it at the very outset it is stated that vacancies of draftsman in grade Rs. 330-560 (RS) are filled in by direct recruitment to the extent of 50 per cent and the remaining 50% posts are filled in by promotion from tracers on the basis of seniority cum written suitability test.

9. With regard to S/Shri Asharfi Lal, S.K. Shukla, A.K. Singh and Sreesh Kumar Tracers it is stated that they were promoted on adhoc basis as draftsman w.e.f. 24-6-80, 27-6-80, 27-6-80 and 9-2-81 respectively without their qualifying the written suitability test. It is further stated that subsequently S/Sh. Asharfi Lal and S. K. Shukla, were further promoted as Sr. Draftsman in grade Rs. 425-700 w.e.f.

18-9-82 and 25-9-82, respectively. The Sr. D.P.O. has then referred to the rules regarding the promotion to the post of Sr. Draftsman. According to him as per rules the post of Sr. Draftsman is filled through departmental selection from amongst the Regular Draftsman Tracers promoted on adhoc basis as draftsman are not eligible for the selection of Sr. Draftsman. He stated that there was a clear irregularity in promoting the above named persons and further that the dealing clerk Shri S. S. Rajput was responsible.

10. In his said note the D.P.O. then referred to the seniority list of draftsman circulated on 21-5-82 i.e. after the directly recruited draftsman had been posted on regular basis. He wrote that the names of directly recruited draftsman did not find place in the seniority list. He has then given the names of three-directly recruited draftsman as S/Sri Akbar Husain, Mahavir Sahai and R. C. Dwivedi who were posted as Trainee Draftsman on 20-2-81, 26-2-81 and 16-3-81 respectively.

11. The D.P.O. was of the view that regularisation of promotees was as a result of erroneous action based on incomplete facts put up by the office. He suggested that these adhoc promotees should now be subjected to written suitability test against the promotee quota vacancies without any loss of time and their promotion as draftsman be regularised. He recommended that if they passed the test in the first attempt their regularisation should take place from the dates they were put to officiate on ad hoc basis and they be ranked senior to direct recruits and if they failed in the test, then the directs recruits should be assigned seniority above them.

12. Annexure IV is the copy of letter dt. 10-4-85 from the Secretary to the General Manager, N. Rly., Baroda House New Delhi to D.R.M. N. Rly Lucknow. From the letter of the Secretary it appears that he required reconsideration of the proposals made by the D.P.O. in his note dt. 29-1-85. He wanted to know as to under what rules it was proposed to give the ad hoc promotees the benefit from the dates they were promoted on ad hoc basis.

13. Ann. II is they of D.O. Letter dated 17-6-85. from the D.P.O. to the Secretary to the General Manager. In his said letter he writes that it has been decided to hold written suitability test with the approval of DEM Lucknow in order to regularise the services of Tracers now working as Draftsman from the date they were officiating on ad hoc basis, if they qualify in the first attempt. As regards seniority with retrospective effect he writes that the decision has been taken in the spirit of the decision taken by the Head Quarter's office in the case of Stenographers. Towards the end he writes that the promotee draftsman have gone to the court of law and are not prepared to appear in the written test. I may state here that there is no evidence before the Tribunal as to who were those ad hoc promotees who are seeking redress.

14. I have heard both Shri BPS Chauhan and Shri Tewari, the authorised representative for the Union After considering the facts and circumstances mentioned above I am of the view that the Rly Administration took a very just decision keeping in view the principles of equity justice and good conscience. No doubt there was a lapse in promoting them on regular



post. Rules of promotions cannot be superseded. Looking to the fact that 4 of 5 of them were first promoted on ad hoc basis and then out of them two were promoted as Sr. Draftsman long back it is just that they should be given an opportunity to clear themselves by passing the suitability/written test. It will be quite unjust if after they had put in such a long service in the higher scale of pay they are placed below in the seniority list.

15. Accordingly agreeing with the decision taken by means of D. O. dt. 17-6-85, copy annexure II, I direct the management to hold the test within six months from the date of enforcement of this award and if the ad hoc promotees get through the tests they should be assigned seniority above the direct recruits i.e. to say above the workman and if they do not appear in the test or fail in the test they should be assigned seniority below the direct recruits.

6. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer-  
[No. L-41012/30/88-D II(B)(Pt.)]

क.प्र. 1910—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे लखनऊ के प्रबंधक के सबद निधायकी और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1910.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on 11-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING  
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUS-  
TRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 27 of 1989

In the matter of dispute between :

Zonal Working President  
Uttar Rly. Karamchhari Union,  
96/196 Roshanbajaj Lane,  
Ganeshganj, Lucknow.

AND

The Divisional Rly. Manager,  
Northern Rly. Hazaratganj,  
Lucknow.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-41011/13/87-D.2(B) dated 7-1-1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the Divisional Rly. Manager, Northern Rly, Lucknow, was justified in terminating  
1607 GI/91—11

the services of Smt. D. Cladius and Smt. Shanti Srivastava, w.e.f. 31-7-86 ? If not, what relief the workmen concerned were entitled to ?

2. The industrial dispute on behalf of the two workmen has been raised by Uttar Rly Karamchhari Union (hereinafter referred to as Union).

3. The case of the Union is that Smt. Shanti Devi was engaged as a substitute waterman on 14-4-64 and she had worked for 4000 days and Smt. D. Cladius was engaged as substitute waiting room Aaya on 23-1-77 and she had worked for more than 1900 days. The Union alleges that each had worked for more than 120 days many a time and similarly each had worked for more than 240 days in a year several times. However, the management terminated their services w.e.f. 31-7-86. The services of the persons junior to them named at Serial no. 1 to 116 in the list annexed have been regularised. I may state here that no such list is found annexed with the claim statement. This is nothing new in the cases of Shri B.D. Tewari, appearing for the Union.

4. In defence, the management plead that both the workmen were engaged as seasonal casual labour during summer season. After the summer season their services automatically came to an end. There is no truth in the case set up by the Union that their services were terminated w.e.f. 31-7-86. The management further plead that I.D. Act 1947 does not apply to the Railways and that the Union which has espoused their case is not a recognised Union.

5. In this case no rejoinder has been filed by the Union despite giving of several opportunities.

6. In support of its case whereas the Union has examined Smt. D. Cladius in support of their case the management have simply relied upon some documents.

7. Ext. M.1, is the copy of letter dt. 5-6-89 from the Station Supdt. Northern Rly. Lucknow of the D.R.M. Lucknow on the subject of regularisation of the services of the two workmen in question. In his said letter the Station Supdt., writes that they worked as seasonal hot weather staff at Lucknow Station. He has also given the working of the two workmen in the letter. He writes that between 24-4-81 and 14-7-88, Smt. D. Cladius had worked for 744 days and between 21-4-79 and 14-7-88 Smt. Shanti Devi has worked for 1023 days. He specifically writes that they were not engaged as regular staff on compassionate grounds. Towards the end he writes that their names were sent to the Divisional Office for screening and they can be absorbed on permanent basis if declared fit for absorption by the Screening Committee.

8. Ext. M.2 is the provisional panel for Transportation & Commercial Class IV (Group D Staff) Lucknow Division. It appears from it that some substitutes and some casual labours were screened by Screening Committee and those who were declared fit for regular absorption for class IV in the Gr. Rs. 750-940, their names appear in the panel. The name of Smt. Shanti Srivastava appeared at Sl. No. 155.

9. On 9-5-91, during the course of his arguments it was submitted by Sh. B. N. Bhattacharya, the auth.

representative for the management, that Smt. D. Cladious was also sent for screening test and it appears that she has not been able to get through. Almost a similar statement was made by Smt. D. Cladious in para 8 of her statement in cross examination, where she has deposed that in February, 1990, she appeared before the Screening Committee but according to her the penal of successful candidates has not yet been prepared.

10. In para 6 of her adavit Smt. D Cladious has referred to certain documents filed by the Union but no such documents appeared to have been filed in the case.

11. In para 2 of her statement in cross examination she has deposed that both she and Smt. Shanti Srivastava used to be engaged by the Rly Administration as Waterman from 15th of April to 14th of July every year. Thus every year for about 9 months they remained out of job. In the same way they were engaged during 1987, 1988, 1989 and 1990. It follows therefore that their services were never terminated by the management w.e.f. 31-7-86 as is found stated in the reference order, and in the claim statement. Again in para 3 of her statement in cross examination she has deposed that during 1979 and 1980 she was not provided with any work by the Rly. In 1986 she simply worked for 3 months only. The same was the position about her in 1981, 1982, 1983, 1984 and 1985. Thus from her evidence it appears that whereas no work was taken from her during 1973 and 1980, only three months duty during summer season was given to her in the subsequent years.

12. In para 9 of her statement in cross examination she has deposed that she was appointed as a Aaya in 1976. According to her letter of appointment will be in the office of Station Suptd. Lucknow. In para 6 of her statement in cross examination she has deposed that her husband was posted as TTE in the Rly. He remained admitted in the T.B. Ward. After her husband lost his eye sight she was given appointment on compassionate ground. No such letter of appointment has been filed by either side nor any attempt was made by the Union to summon it from the management. The fact that she was given no job in 1979 and 1980 and thereafter she had been employed only for three months in a year goes to show that whatever stated by the Station Suptd., in his letter dt. 5-6-1989, copy Ext. M.1, on the subject is substantially correct. In the said letter he has written that both the workmen were not engaged as regular staff on compassionate grounds. It is also stated by Smt. D. Cladious in her cross examination that in the Screening held in 1979, Smt. Shanti was declared fit. She has also deposed that for the screening held in 1979, her name was also sent. I may state here that it is of the case of the Union that Smt. Shanti Srivastava was declared fit in screening test held in 1979.

13. Thus from the above discussions of evidence I find that the services of the two workmen have not been terminated. They are engaged by the Rly Administration during summer, season as waterman for a period of three months. I further find that whereas Smt. Shanti Srivastava has come out successful in her screening test and her name finds place in the provisional panel for absorption in Class IV in the Gr. of

Rs. 750—940, unfortunately Smt. D. Cladious could not get through.

14. Since there has been no termination of service, the reference order is incompetent. It is hoped that the Rly. Administration will absorb in Class IV regular service to Smt. Shanti Srivastava, who is an old lady at the earliest. Similarly it is hoped that the Rly. Administration will give another opportunity to Smt. D. Cladious to appear before the Screening Committee. The Screening Committee should take a compassionate view of her case specially when her husband an ex-railway servant is very much physically handicapped.

15. The reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No. L-41011/13/87-D.II(B)(Pt.)]

का.प्र. 1911—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्थ ईस्टर्न रेलवे, लखनऊ के प्रबंधक के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1911.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of North Eastern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on 11-6-91.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 310 of 1989

In the matter of dispute between

The General Secretary,  
NER Shramik Sangh,  
6 Navin Market Lucknow,  
Pin-226001.

AND

The Sr. Electrical Divisional Engineer,  
N.E. Rly,  
Lucknow-226001.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-41012/101/89/IR(JU) dated 13-12-89 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether Sr. Divisional Electrical Engineer NE Rly Lucknow was justified in terminating the services of Shri Waris Ali, s/o Rashid Casual Labour w.e.f. 1-1-1986? If not what relief the workman concerned is entitled to?

2. The industrial dispute on behalf of the workman has been raised by N.E. Rly Shramik Sangh (hereinafter referred to as Union), Lucknow. The case of the Union in short is that the workman was engaged as a casual labour on 16-9-82 and he worked continuously

thereafter, till 1-1-1986. According to the Union, the services of the workman were terminated by the management w.e.f. 2-1-86 without notice or notice pay and without payment of retrenchment compensation in breach of the provisions of section 25F I.D. Act. The Union has, therefore, prayed for his reinstatement with full back wages, and all consequential benefits.

3. The case is contested by the management. The management deny that the workman had worked continuously from 16-9-82 to 1-1-1986. According to the management he had worked for 564 days during the period 10-12-83 to 1-1-86 as per details given in para 1 of the written statement. The management further plead that there is a direction from the Rly Board vide No. E(NG)/II/80/CL/5 dt. 18-12-80 that no fresh appointment of casual labour/substitutes after 31-12-80 can be made by any authority lower than the General Manager, NER Gorakhpur. So far as the workman's concerned the General Manager has not approved his appointment and as such his engagement as a fresh candidate on 16-9-82 was illegal. Because of it, the Union cannot claim any benefit u/s. 25F I.D. Act for the workman. The Union has no case.

4. In its rejoinder the Union alleges that in case the workman had been engaged against the directions issued by the Rly Board, the management ought to have taken disciplinary action against the officer who recruited the workman. The Union further alleges that the reference is not on the point whether or not the workman's initial engagement was proper; rather it is no the point whether or not, his termination of services was proper.

5. In support of their respective cases both sides have produced oral as well as documentary evidence. Whereas the Union has examined the workman the management have examined Shri R. L. Srivastava, Sr. Personnel Inspector. In the reference order the date of termination of the service, of the workman is given as 1-1-1986, and it does not seem to be correct as according to the pleading of the parties, the workman had worked upto 1-1-1986 and his services were terminated w.e.f. 2-1-86. The same thing comes out from the casual labour card, copy Ext. W.1.

6. The second point which arises for determination is whether or not the workman's services were terminated in violation of the provisions of sec. 25F I.D. Act. For the purposes of deciding this point I shall assume that the workman's initial appointment was not illegal.

7. Whereas the case of the Union is that the workman was engaged as a casual labour on 16-9-82 the management's case is that he was engaged for the first time on 10-12-83. Irrespective to the date of his initial appointment from the details of working given by the management in para 1 of the w.s. it comes out that between 2-1-85 and 1-1-86, the workman had worked for 356 days which means that he had worked for more than 240 days during the period of 12 months preceding the date of termination of his services. It has been admitted by the management witness in para 4 of his statement in cross examination that the workman was given no notice nor he was paid any notice pay. He has further admitted that the workman was also not paid retrenchment compensation. Therefore, it is held that the termination of services of the workman being in violation

of section 25F I.D. Act, the order terminating his services is void abinitio.

8. Lastly I come to the crucial point i.e. whether or not the workman's initial engagement was illegal. Irrespective of the fact whether he was initially engaged on 16-9-82 or on 10-12-82, in view of his having worked for 564 days during the period 10-12-83 to 1-1-1986, the burden to prove it is on the management.

9. Shri B. P. S. Chauhan, the authorised representative for the management has placed reliance on the office order No. E/57/O/A dated 25-3-81 on the subject of recruitment of casual labour sent to Divisional Engineer, Sr. DME, Sr. DSTE etc., copy of which was filed on 7-8-91 by the management. In the said order D.O. letter dt. 18-12-80 from Sh. K. P. Jayaram Member Staff Rly Board New Delhi addressed to the General Manager Gorakhpur has been reproduced. D.O. Letter shows that the Rly Board issued the directive that in take of fresh casual labour should be resorted to only after obtaining prior personal approval of the G. M. The D.R.M issued directions by means of his said order that the directive issued by the Rly Board should be strictly adhered to.

10. It thus becomes clear that the Rly Board had imposed a ban on fresh intake of casual labour. According to the Rly Board fresh casual labour can be recruited only with the prior approval of the General Manager. The question is whether the services of the workman were terminated on account of approval having not been obtained from the General Manager in his case or otherwise. From the facts pleaded in para 2 of the w.s. it appears that the services of the workman were not terminated on account of it. It is pleaded in the said para of the written statement that the terms of casual labour are for working against casualty of intermittent short time and sporadic nature. Since the appointment of casual labour is not of regular nature their engagement ceases on the completion of working days, unless extended. The same thing has been deposed to by the management witness in para 3 of this affidavit. In para 7 of his statement in cross examination, the management witness has deposed that since the work on which the workman was engaged ceased after 1-1-86, so his engagement also ceased. He admits that the copy of the work order has not been filed by the management. In view of the facts pleaded in para 2 of the written statement and facts deposed to by the management witness in para 7 of his statement in cross examination it can be referred that had the work continued after 1-1-86, the engagement of the workman would have continued. It can be further inferred that upto the date of termination of the services of the workman the management was unmindful of the fact that prior approval of the General Manager at the time of engagement of the workman had not been obtained. If it were been so the workman would not have been allowed to continue for such a long period, in the absence of prior approval of the general manager his services would have been terminated longback on this very count.

11. The Union has filed the copy of list of casual substitutes who were declared fit for absorption in regular service by Screening Committee on the basis of Seecening test held on 20-11-86 and 2-12-87 and

the list of casual substitutes whose names were forwarded for screening test. In a routine way, the authorised representative for the management made the endorsement of 'NOT ADMITTED' of these two documents. However these documents were consequently filed by the management themselves. They are Ext. M. 1 and M.2.

12. Ext. M. 1 shows that in the list there appears the names of several casual substitutes who were recruited in 1981, 1982, 1983 and 1984. One Shri Ramanuj Shukla whose name appears at serial no. 26 was appointed on 1-11-86. Ext. M-2 shows that some of the candidates who were appointed even after the directive issued by Rly Board were declared fit for absorption in the regular service. It is not possible for me to scan the whole of the two list, but it is suffice to refer to the names of S/Sri Ram Anui Shukla, Som Dutt Shukla and Basant Kumar. In Ext. M-2 their names appeared at serial nos. 23, 50 and 60 and in Ext. M-1 their names appeared at serial nos. 26, 57 and 96. In Ext. M-2 their dates of original appointment are given as 1-11-86, 3-5-82 and 3-11-82 respectively.

13. Towards the end of his cross examination it was inquired from the management witness by Shri Tewari, the authorised representative for the Union, whether the services of S/Sh. Ram Anuj Shukla, Dilip Kumar, Mohd. Muslim and Ram Achal Singh who were appointed on 1-11-86, 11-11-84, 14.3.84 and 14-5-84 respectively have been regularised. The simple reply of the management witness was that he was unable to say any thing without looking with the office record, I may state here that the name of Dilip appeared at serial No. 68 in the Ext. M-2 and at Sl. No. 92 in Ext. M-1. During the course of arguments Shri Chauhan and the Paurokar of the Management were unable to explain how the names of those who were initially appointed after the directive of the Rly Board appeared in the list of casual substitutes sent for screening and how some of them were declared fit by the Screening Committee for absorption in the regular service. All that could be said by Sh. Chauhan was that in case prior approval of the General Manager had not been obtained in their cases their services would also be terminated.

14. After considering the facts and circumstances of the Case I do not full convinced with the arguments of Sh. Chauhan. As remarked by me, earlier the services of the workman were not terminated on the ground that in case prior approval of the General Manager had not been obtained. Even no document has been produced by the Management to show that any time during the period of service of the workman or soon after termination of his services if was permitted out or found that in case of workman prior approval of the General Manager had not been obtained. All that has been said by the many witness in his cross examination is lay in case of the workman when if came to view that the prior approval of the General Manager had not been obtained. The officer who had appointed him had already retired. No documents in proof of these facts have also been filed by the management. There should have been with the management a report of the fact that the appointment of the workman had been without the prior approval of the general manager and that such and such officer who had

appointed him had already retired. Having worked for such a longer period it is presumed that in his case prior approval of the General Manager had been obtained by the management. Hence, I hold that the management have failed to prove by cogent evidence that prior approval had not obtained in his case.

15. Here I would like to refer to the period of service alleged to have been rendered by the workman before 10-12-83. In his cross examination, the management witness has deposed that he does not know whether the workman had worked prior to 10-12-83. According to him the original casual labour card is with the workman. The chart of working days given by him in para 2 of his affidavit has been prepared by him from the copy of casual labour card available in his office. He admits that the copy of casual labour card contains entry from 16-9-82 to 25-12-82. He has, however, not admitted the authenticity of the entries. He admits that department made no attempt to verify those entries. According to him it was not possible to say so. To a further question he had said that the seal of the Station where he had worked is clear. No attempt was made to ascertain the name of the station and the authority with which the workman had worked from the workman.

16. If it were so how the management say that no approval was obtained while engaging him as casual labour on 16-9-82. In view of the above findings the action of the Sr. DEE N. E. Rly. Lucknow in terminating the services of Shri Waris Ali workman is held as unjustified. Consequently the workman is held entitled to reinstatement with full back wages.

17. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer  
[No. L-41012/101/89-IR(DU)(Pt.)]  
K.V.B. UNNY, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 जून, 1991

का.आ. 1912—उत्पवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री इन्दर सिंह, अवसर सचिव को दिनांक 15-5-91 से अगला आदेश जारी होने तक उत्पवास संख्या-1, दिल्ली के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/90-उत्पवास]

आर.के. गुप्ता, अवसर सचिव

New Delhi, the 14th June, 1991

S.O. 1912.—In exercise of the powers conferred by Section 3 Sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri Inder Singh, Under Secretary as Protector of Emigrants-I, Delhi with effect from 15th May, 1991 till further orders.

[No. A-22012/1/90-Emig]  
R. K. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1991

का.आ. 1913—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा -1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवम् 1-7-91 को उक्त तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपन्याय हरियाणा राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

क्रम संख्या	राजस्व ग्राम का नाम	हदबस्त नं.	जिले का नाम
1.	मालपुरा	295	रिवाड़ी
2.	जोनिधावास	296	रिवाड़ी
3.	कपरीवास	290	रिवाड़ी

[संख्या एम. 38013/22/91-एस.एस.-I]

ए.के. भट्टारार्थी, अवसर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1991

S.O. 1913.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st July, 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section (1) of section 76 and 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Haryana namely:—

S. No	Name of the Revenue Village	Hadbast No.	District
1.	Malpura	295	Rewari
2.	Joniawas	296	Rewari
3.	Kapriwas	290	Rewari

[No. S-38013/22/91-SS.1]

A.K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जून, 1991

का.आ. 1914.—केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 212 दिनांक 10 जनवरी, 1991 द्वारा तांबा अथवा उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जनवरी, 1991 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 10 जुलाई, 1991 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का. एम-11017/7/85-आई.आर. (नॉल)]

New Delhi, the 20th June, 1991

S.O. 1914.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 212 dated the 10th January, 1991 the Copper Mining Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 10th January, 1991;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 10th July, 1991.

[No. S-11017/7/85-IR. (Policy)]

नई दिल्ली, 21 जून, 1991

का. आ. 1915.—केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम

1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 40 दिनांक 19 दिसम्बर, 1990 द्वारा कोयला उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 2 जनवरी, 1991 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 2 जुलाई, 1991 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एम-11017/13/81-आई.आर. (नॉलसी)]

New Delhi, the 21st June, 1991

S.O. 1915.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 40 dated the 19th December, 1990 the Coal Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 2nd January, 1991;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 2nd July, 1991.

[No. S-11017/13/81-IR. (Policy)]

का. आ. 1916.—केंद्रीय सरकार इससे संतुष्ट है कि लोकहित में यह अपेक्षित है कि मैग्नेसाइट खनन उद्योग, जोकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में प्रविष्टि 24 द्वारा शामिल है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का. नं. एम-11017/8/85-डी-1 (ए)]

रजत सचर, उप निदेशक

S.O. 1916.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Magnesite Mining Industry, which is covered by entry 24 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[F. No. S-11017/8/85-DJ(A)]  
RAJAT SACHAR, Dy. Director

